सीएए विरोधी याचिकाओं पर 5 मई से सुनवाई : सुप्रीम कोर्ट - 12

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट से समझौता - 12

अमेरिका से समझौता करने में ही है ईरान की भलाई : व्हाइट हाउस - 13

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को भी दी पटखनी, लगाई जीत की हैट्रिक - 14

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
16.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.41
सूर्यास्त 06.04

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष तृतीया 02:38 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 20 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 181, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

नवाचार व जिम्मेदारी से तय होगा एआई का भविष्य

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के लिए मानव विजन का किया अनावरण, प्रौद्योगिकी पर मानव नियंत्रण की वकालत की

- कहा-भारत ने जीवंत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया, जिसे दुनिया से साझा कर रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एआई की पहुंच सभी तक सुनिश्चित किए जाने की वकालत करते हुए गुरुवार को 'मानव विजन' का अनावरण किया जिसके तहत संप्रभुता और समावेशिता पर विशेष जोर देते हुए तेजी से उभरती इस प्रौद्योगिकी के उपयोग एवं मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाने की परिकल्पना की गई है। प्रधानमंत्री ने यहां एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की भलाई के लिए वास्तव में तभी काम आएगी जब इसे साझा किया जाएगा और इसके कोड सार्वजनिक होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने एक जीवंत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया है और इसे दुनिया के साथ साझा कर रहा है क्योंकि प्रौद्योगिकी देश के लिए शक्ति का माध्यम नहीं बल्कि सेवा का माध्यम है, प्रभुत्व स्थापित करने का नहीं बल्कि सशक्त बनाने का माध्यम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश एआई से डरता नहीं है बल्कि इसमें भविष्य की संभावनाएं देखता है। सभी का कल्याण व खुशहाली एआई के लिए हमारा मापदंड है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मनुष्य महज 'डेटा' बिंदु या कच्चा माल न बनकर रह जाएं। मोदी ने कहा, मैं एआई के लिए मानव (एमएएनएवी) दृष्टिकोण प्रस्तुत करता हूं जिसमें एम का अर्थ मोरल एंड इथिकल सिस्टम्स (नैतिक एवं नीतिपरक प्रणालियां), ए से तात्पर्य अकाउंटेबल गर्वनेंस (जवाबदेह शासन), एन से तात्पर्य नेशनल सॉवेरिनिटी (राष्ट्रीय संप्रभुता), ए से तात्पर्य एक्सेसबल इंड इन्क्लूसिव (सुलभ और समावेशी) और वी से तात्पर्य वैलिड एंड लेजिटिमेट (वैध और कानूनी) है। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गी पॉहमेलॉ सहित दुनिया भर के नेता और कई प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के सीईओ उपस्थित थे।

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन और अन्य लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

11 भाषाओं में मोदी के भाषण का प्रसारण

नई दिल्ली। समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की प्रगति तब देखने को मिली जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का 11 भाषाओं में सीधा प्रसारण किया गया, साथ ही एआई-सक्षम सांकेतिक भाषा अनुवाद की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। भारत मंडपम के सभागार में प्रधानमंत्री के पीछे लगी एक बड़ी स्क्रीन पर एआई-सक्षम सांकेतिक भाषा अनुवाद प्रदर्शित किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उनका भाषण सभी के लिए सुलभ हो।

उद्योग की प्रकृति बदल देगा एआई : ऑल्टमैन

नई दिल्ली। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि एआई सॉफ्टवेयर उद्योग की प्रकृति बदल देगी। उन्होंने कहा कि कुछ कंपनियों के लिए यह नुकसानदेह हो सकता है जबकि कई अन्य कंपनियां अपनी अलग मूल्य पेशकश के कारण इससे लाभ उठा सकेंगी। ऑल्टमैन ने कहा कि एआई से प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए बहुत कुछ बदलने वाला है, क्योंकि 'कोडिंग' अब पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और तेज हो गई है। लोग जरूरत से ज्यादा सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रतिक्रियाएं देते हैं।

डेटा की तरह सस्ता होगा एआई, 10 लाख करोड़ का करेंगे निवेश

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने अगले सात वर्ष में एआई में 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश की गुरुवार को घोषणा की और वादा किया कि वह एआई को भारत में उसी तरह सस्ता एवं सुलभ बनाएंगे जैसे मोबाइल व इंटरनेट डेटा को बनाया था। अंबानी ने कहा कि यह पहल हर नागरिक, व्यवसाय और सरकारी सेवा को एआई से जोड़ेगी, जो जियो की डिजिटल क्रांति के परिवर्तनकारी पैमाने को दर्शाती है। जियो अब भारत को बुद्धिमता (इंटेलिजेंस) के युग से जोड़ेगी। भारत अब बुद्धिमता को किराये पर लेने का जोखिम नहीं उठा सकता। इसलिए, हम बुद्धिमता से हासिल जानकारी की लागत को उतनी ही तेजी से कम करेंगे जितनी हमने डेटा के मामले में की थी। जामनगर में गीगावाट-पैमाने वाले एआई-तैयार डेटा सेंटर, जो 10 गीगावाट तक की हरित ऊर्जा अधिशेष का लाभ उठाएंगे।

भारत के डिजिटल सिस्टम के मुरीद हुए फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक ढांचा तैयार करने पर काम करेंगे जिसमें नवाचार को जिम्मेदारी के साथ और प्रौद्योगिकी को मानवता के साथ जोड़ा जाएगा। मैक्रों ने कहा कि भारत ने ऐसा डिजिटल सिस्टम बनाया है, जो दुनिया में किसी और देश ने नहीं बनाया। भारत ने 140 करोड़ लोगों के लिए डिजिटल पहचान (आईडी) बनाई है। भारत का डिजिटल पेमेंट सिस्टम हर महीने करीब 20 अरब लेन-देन करता है। भारत ने 50 करोड़ लोगों को डिजिटल हेल्थ आईडी भी जारी की है। इन सबको मिलाकर एक व्यवस्था बनी है। यह एक खुला और जुड़ा हुआ डिजिटल सिस्टम है और यही इस सम्मेलन का मुख्य विषय है। दुनिया अब डिजिटल क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ने के नए दौर की शुरुआत पर खड़ी है।

अनिल अंबानी का शीर्ष कोर्ट को हलफनामा, बिना इजाजत देश नहीं छोड़ूंगा

- 40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में दिया हलफनामा
- एजेंसी के साथ जांच में सहयोग करने की बात भी कही

नई दिल्ली। रिलायंस (एडीएजी) के चेयरमैन अनिल अंबानी ने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा देकर कहा है कि वह बिना पूर्व-अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे और एजेंसियों के साथ जांच में पूरा सहयोग करेंगे। यह मामला अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) द्वारा कथित रूप से 40,000 करोड़ रुपये की बैंकिंग एवं कॉरपोरेट धोखाधड़ी से जुड़ा है। शीर्ष अदालत में दायर हलफनामे में अंबानी ने कहा कि उनका देश छोड़ने का कोई इरादा नहीं है और न ही उनकी कानूनी प्रक्रिया से बचने की कोई मंशा है।

अंबानी ने कहा, मैं शपथ लेकर कहता हूं कि मैंने जुलाई, 2025 से मौजूदा जांच शुरू होने के बाद से भारत नहीं छोड़ा है और फिलहाल देश से बाहर जाने का मेरा कोई इरादा नहीं है। उन्होंने साथ ही वादा किया कि यदि उन्हें किसी काम से विदेश जाना पड़ा तो वह उससे पहले अदालत की अनुमति लेंगे। उन्होंने कहा, मैं पूरी ईमानदारी से जांच में एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रहा हूं और आगे भी ऐसा करना जारी रखूंगा। अंबानी ने यह हलफनामा पूर्व नौकरशाह ईएएस सरमा की उस अर्जी के जवाब में दिया है, जिसमें एडीएजी, अनिल अंबानी और समूह की कंपनियों से जुड़े बड़े बैंकिंग और कॉरपोरेट घोटाले की निष्पक्ष, तुरंत और बिना किसी भेदभाव के जांच की अपील की गई है।

ब्रीफ न्यूज

राहुल समेत 25 सांसदों को गोली मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी दल के 25 अन्य सांसदों को गोली मारने की धमकी देने वाला वीडियो जारी करने वाले एक व्यक्ति को गुरुवार को राजस्थान के कोटा में पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कोटा की पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि आरोपी को बोरखेड़ा थाने में हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, अभी तक किसी भी संगठन से उनके संबंधों की कोई पुष्टि नहीं हुई है। उद्योग नगर पुलिस थाने में उनके खिलाफ चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। संबंधित धाराओं के तहत उचित कानूनी कार्यवाही शुरू की जाएगी।

महिला डिब्बे में बुर्का पहनकर दाखिल हुआ व्यक्ति, मामला दर्ज

ठाणे। उपनगरीय ट्रेन के महिला डिब्बे में एक पुरुष के बुर्का पहनकर यात्रा करने के वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उत्पन्न हुई सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर व्यक्ति को चिह्नित कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, 57 वर्षीय यह व्यक्ति नासिक का निवासी है और सिजोफ्रेनिया से पीड़ित है। वह संभाजीनगर स्थित मानसिक अस्पताल में उपचाराधीन है। इस घटना के वायरल वीडियो में व्यक्ति घाटकोपर स्टेशन पर उतरते हुए दिखाई दे रहा है।

सियासत : बिजली, स्मार्ट मीटर और किसानों पर गरमाई विधानसभा

- किसानों के मुद्दे पर सपा का बहिर्गमन, बिजली कटौती व निजीकरण पर हमला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा की कार्यवाही के दौरान गुरुवार को बिजली आपूर्ति, उसके निजीकरण और स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं के कथित उत्पीड़न का मुद्दा जोर-शोर से उठा। शून्य प्रहर में सपा के सदस्यों ने सरकार पर बिजली संकट, बढ़ती दरों और विभागीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। वहीं, प्रश्नकाल में कृषि एवं किसान से जुड़े सवालों पर असंतोष जताते हुए सपा सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

सदन में गुरुवार को कृषि, जलशक्ति समेत कई विभागों के बजट चर्चा हुई। शून्य प्रहर के दौरान सपा सदस्य राम सिंह पटेल ने कहा कि प्रदेश में इस समय जिस तरह बिजली कटौती हो रही है, उससे आने वाले दिनों में भीषण गर्मी के दौरान हालात और खराब होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि सरकार के तमाम दावों के बावजूद बिजली उत्पादन और आपूर्ति को लेकर कोई ठोस तैयारी नजर नहीं आ रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिजली विभाग की हेल्पलाइन 1912 आम जनता के लिए केवल औपचारिकता बनकर रह गई है और शिकायतों का समाधान नहीं हो रहा है। निजीकरण का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि विभागीय कर्मचारी पिछले एक साल से आंदोलन कर रहे हैं, इसके बावजूद सरकार उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने मांग की कि बिजली के निजीकरण की प्रक्रिया तत्काल समाप्त की जाए।

विधानसभा में चर्चा करते मंत्री नरेंद्र कश्यप।

ऊर्जा मंत्री का पलटवार, बोले-सपा ने बनाया था बीमारू

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विपक्ष के सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि प्रदेश में बिजली अब कोई मुद्दा नहीं रह गया है। हर उपभोक्ता को निर्बाध और निरंतर बिजली आपूर्ति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सपा सरकारों ने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था, जबकि मौजूदा सरकार ने अपने अथक प्रयासों से प्रदेश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाया है।

किसान मुद्दे पर प्रश्नकाल में हंगामा, सपा का वॉकआउट

इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान कृषि और किसान से जुड़े मुद्दों पर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार में किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है और किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है। जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है और केंद्र व प्रदेश सरकार मिलकर किसानों की हर समस्या का समाधान कर रही है।

बहराइच में प्रसव पीड़िता ने खुद का पेट चीरकर निकाली नवजात

संवाददाता, बहराइच

- हालत गंभीर होने पर पीड़िता बहराइच मेडिकल कालेज से लखनऊ रेफर

अमृत विचार : जनपद से एक हैरान कर देने वाला दर्दनाक मामला सामने आया है। प्रसव पीड़ा का असहनीय दर्द सहन न कर पाने पर एक महिला ने स्वयं ही अपना पेट ब्लेड से चीरकर नवजात बच्ची को बाहर निकाल लिया। फिलहाल नवजात की हालत ठीक बताई गई। लेकिन, महिला की हालत बेहद गंभीर हो गई। ऐसी स्थिति में बहराइच मेडिकल कालेज के चिकित्सकों ने उसे लखनऊ रेफर किया है।

मामला जनपद के बौंडी थाना क्षेत्र में स्थित नन्दवल गांव का है। गर्भवती महिला ननकई(35) को गुरुवार दोपहर प्रसव पीड़ा हुई, इससे वो बुरी तरह तड़पने लगी। इसी दौरान उसने ब्लेड से स्वयं का पेट चीरकर नवजात को निकाल लिया। उसकी चीख सुनकर पड़ोस में रहने लोग उसके घर पहुंचे तो सभी के होश उड़ गए। मौके पर पहुंची कुछ महिलाओं की मदद से ननकई को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल भेजा गया। बताया गया कि ननकई के पति बड़कऊ की मौत करीब छह माह पूर्व ही हो चुकी है। पति की मौत के पहले ही ननकई गर्भवती हुई थी। गुरुवार को उसे प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो घर में कोई नहीं था। ननकई को इलाज के लिए फखरपुर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसका प्रसव कराया, इस दौरान उसने बेटी को जन्म दिया। बहराइच मेडिकल कॉलेज में इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर राजेश सोनकर व डॉक्टर शिवम मिश्रा ने बताया कि महिला ने किसी धारदार हथियार से अपने पेट को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर लिया था। डॉक्टरों के अनुसार नवजात बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है।

हरदोई में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, जांच शुरू

हरदोई, अमृत विचार। वाराणसी से मेरठ की ओर जा रही 22489 वंदे भारत एक्सप्रेस पर हरदोई जनपद में पथराव की घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह घटना चांदमारी और कौढ़ा स्टेशन के बीच उस समय हुई, जब ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ रही थी। अचानक फेंके गए पत्थर से ट्रेन के सी4 कोच का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। रेल सूत्रों के अनुसार, घटना के समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी इसी ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। हालांकि वे किस कोच में सवार थे, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। पथराव की सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। हरदोई रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) संयुक्त रूप से मामले की जांच में जुटी हैं। आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है।

एपस्टीन मामले में किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी

- 17 साल की लड़की से रेप का आरोप
- शाही घर भी छीना जा चुका

ब्रिटेन पुलिस ने किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर को सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदाचार के संदेह में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी उनके और यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के बीच संबंधों की जांच के सिलसिले में की गई है। गुरुवार सुबह पूर्वी इंग्लैंड के सैंड्रिंघम एस्टेट स्थित 'वुड फार्म' पर पुलिस की छह कारें व सादे कपड़ों में लगभग आठ अधिकारी पहुंचे थे।

टेम्स वैली पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि वे उन आरोपों की समीक्षा कर रहे हैं जिनमें दावा किया गया है कि माउंटबैटन-विंडसर ने जेफरी एपस्टीन को गोपनीय सरकारी दस्तावेज सौंपे थे। ये आरोप हाल ही में अमेरिकी सरकार द्वारा जारी की गई फाइलों के आधार पर लगाए गए हैं। स्वर्गीय महारानी एलिजाबेथ के दूसरे बेटे, माउंटबैटन-विंडसर ने एपस्टीन के साथ किसी भी गलत काम में शामिल होने से इनकार किया है। उन्होंने एपस्टीन के साथ अपनी दोस्ती पर पछतावा जताया है। एंड्रयू से 17 साल की लड़की से रेप का आरोप में शाही घर भी छीना जा चुका है।

ईरान संकट से बाजार सहमा, सेंसेक्स 1,236 और निफ्टी 365 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

- शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली, निवेशकों के 6.64 लाख करोड़ डूबे

अमेरिका और ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से उपजी चिंताओं के बीच गुरुवार को चौतरफा बिकवाली से घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1,236 अंक टूट गया जबकि निफ्टी 365 अंक लुढ़ककर 25,500 अंक से नीचे आ गया।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स तीन सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगाते हुए 1,236.11 अंक यानी 1.48 प्रतिशत टूटकर 82,498.14 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,470.05 अंक फिसलकर 82,264.20 अंक पर आ गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 365 अंक यानी 1.41 प्रतिशत लुढ़ककर 25,454.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी एक समय 430.6 अंक के नुकसान के साथ 25,388.75 अंक तक आ गया था। निफ्टी में गिरावट इस कदर व्यापक रही कि समूह में शामिल 50 में से 47 कंपनियों के शेयर गिरकर बंद हुए। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ईरान पर अमेरिकी हमले की बढ़ती आशंका को देखते हुए निवेशकों ने जोखिम से परहेज किया।

हीलाहवाली

यूपी में आयुष में इलाज लचर, यूपीसीडा में विकास-वित्तीय अनुशासन पर सवाल, कुप्रबंधन से सेवाएं अधूरी तो अनदेखी से करोड़ों का नुकसान

सीएजी रिपोर्ट में खुलासा, खर्च तो हुआ लेकिन नतीजा नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास दोनों ही मोर्चों पर सरकारी दावों की हकीकत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की ताज़ा निष्पादन लेखा परीक्षा रिपोर्टों ने उजागर कर दी है।

एक ओर आयुष सेवाओं पर हजारों करोड़ के बजटीय प्रावधान के बावजूद बुनियादी सुविधाएँ, मानव संसाधन और दवा आपूर्ति जर्जर रहीं, तो दूसरी ओर औद्योगिक विकास के लिए गठित यूपीसीडा में नियमों की अनदेखी, योजनाओं का अभाव और वित्तीय अनुशासनहीनता सामने आई। आयुष पर सीएजी (प्रतिवेदन सं. 10/2025) बताती है कि 2018-19 से 2022-23 के बीच बड़े बजट प्रावधानों के बावजूद 20% से 40% तक राशि खर्च ही नहीं हो सकी और बचत वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन समर्पित की गई। जिसे अविवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन माना गया। अस्पतालों/औषधालयों में बिजली-इंटरनेट, उपकरण और स्टाफ की भारी कमी रही कई भवन बने पर समय पर चालू नहीं हुए दवाओं की खरीद-उत्पादन और आपूर्ति में वर्षों की देरी मिली। उधर यूपीसीडा पर सीएजी (प्रतिवेदन सं. 14/2025) के अनुसार 2017-18 से 2021-22 (मार्च 2024 तक अद्यतन) के दौरान भूमि अधिग्रहण, औद्योगिक क्षेत्रों का विकास, भूखंड आवंटन और आंतरिक नियंत्रण-चारों में गंभीर खामियाँ रहीं। सरकारी मंजूरी बिना विनियम, परिप्रेक्ष्य/विकास योजनाओं का अभाव, बोली-ठेकों में लापरवाही और लेखा-प्रबंधन की विफलता से औद्योगिक विकास असंतुलित और अनियोजित रहा।

आयुष: बजट बनाम खर्च (2018-19 से 2022-23)

- आयुर्वेद (राजस्व) : 5630.71 करोड़ 30.69% बचत
- यूनानी (राजस्व) : 684.15 करोड़ 33.60% बचत
- होम्योपैथी (राजस्व) : 2598.26 करोड़ 23.68% बचत
- पूंजीगत व्यय : 16% से 44% तक बचत

अस्पताल बने, इलाज नहीं

राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत 50 शैय्या वाले 25 एकीकृत आयुष चिकित्सालय स्वीकृत हुए, पर दिसंबर 2021 तक केवल 11 शुरू हो सके मार्च 2023 तक संचालन योग्य बने।

अधूरे अस्पताल : स्वीकृत 25 | शुरू 11 | देरी 3–6 वर्ष

डिजिटल हेल्थ का दावा, बिना बिजली-इंटरनेट

1034 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में से 21% में बिजली नहीं, 51% में इंटरनेट नहीं—उपकरण बेकार, सेवाएं कागजी।

दवाओं में गड़बड़ी

राजकीय आयुर्वेदिक-यूनानी निर्माणशाला को 388 दवाओं की अनुमति- औसतन 20% उत्पादन।

आपूर्ति देरी : आयुर्वेद/यूनानी 571 दिन तक, होम्योपैथी 964 दिन तक<bha> ;</bha> गुणवत्ता जाँच बिना भुगतान।

स्टाफ संकट (आयुष)

- चिकित्सा अधिकारी : 33%–100% कमी
- फार्मासिस्ट : 45%–88% कमी

यूपीसीडा: लक्ष्य कागजों में

- अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र : 154
- कुल क्षेत्रफल : 49,395 एकड़
- ऑडिट अवधि : 2017–18 से 2021–22 (मार्च 2024 तक)

भूमि अधिग्रहण—हकीकत

- 6 वर्षों में लक्ष्य हासिल : सिर्फ 1 वर्ष (2020–21)
- कमी : 27.6%–100%
- दो वर्ष शून्य अधिग्रहण

अमृत विचार

विधानसभा कार्यवाही

एमएसएमई को इस बार ज्यादा बजट : सचान

विधानसभा में बोलते मंत्री राकेश सचान।

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री राकेश सचान ने विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान एमएसएमई क्षेत्र को उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 में उद्योग, लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन के लिए 3800 करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रस्तावित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत अधिक है। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां संचालित हैं, जिनसे 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पीएम रोजगार सृजन योजना और स्वरोजगार योजनाओं से हजारों युवा उद्यमी बने हैं। उन्होंने कहा कि ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से कारीगरों को प्रशिक्षण, टूलकिट और वैश्विक बाजार मिला है।

औद्योगिक विकास से जगमगा रहा प्रदेश : नंदी

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी।

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के नौवें दिन औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने सदन में तारांकित प्रश्नों के उत्तर देते हुए प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति का विस्तृत खाका पेश किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में औद्योगिक विकास की रोशनी से पूरा प्रदेश जगमगा रहा है। सरकार ने राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा जीता और 2017 से अब तक 15.99 लाख को रोजगार मिला है। विधायक संदीप सिंह के प्रश्न के उत्तर में मंत्री नन्दी ने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर के छह नोडों में से दो बुंदेलखंड, दो मध्यांचल और दो पश्चिमांचल में स्थित हैं। वर्ष 2025-26 तक प्राप्त निवेश प्रस्तावों में 30.3 प्रतिशत पूर्वांचल, 14.5 प्रतिशत मध्यांचल, 5 प्रतिशत बुंदेलखंड और 50.2 प्रतिशत पश्चिमांचल क्षेत्र से जुड़े हैं। विधायक डॉ. वीरेंद्र यादव के प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने रोजगार सृजन की स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि 1 अप्रैल 2017 से 3 फरवरी 2026 तक कारखाना अधिनियम 1948 के अंतर्गत कुल 16,722 कारखाने पंजीकृत हुए हैं, जिनमें 15 लाख 99 हजार 699 कर्मकारों को रोजगार मिला है।

गंगा में क्रूज के प्रदूषण की होगी जांच

अमृत विचार, लखनऊ : विधान परिषद में प्रश्नकाल में ही आशुतोष सिन्हा ने ही वाराणसी में गंगा नदी पर सरकारी व प्राइवेट क्रूज के संचालन मानक संबन्धी सवाल किया, पर्यटन मंत्री के उत्तर से संतुष्ट न होने पर सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने गंगा में किसी भी प्रकार का प्रदूषण न हो इसका कड़ाई से पालन कराये जाने के निर्देश दिये। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है और तथ्यों की अनदेखी कर प्रश्न उठाना उचित नहीं है।

किसानों के मुद्दे पर सपा का वॉकआउट

विधानसभा सत्र में सपा ने लगाया आरोप, विभाग में कृषि विस्तार अधिकारियों के 303 में 273 पद खाली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विधान परिषद में गुरुवार को कृषि विभाग की स्थिति और किसानों की समस्याओं को लेकर तीखी बहस हुई। सपा सदस्य शहनवाज खान ने नियम 105 के तहत मामला उठाते हुए कहा कि विभागीय योजनाएं कागजों तक सीमित हैं, जबकि जमीन पर किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने कहा, कृषि विस्तार अधिकारियों के स्वीकृत 303 पदों में 273 पद रिक्त हैं। ऐसे में विभाग के सुचारु संचालन का दावा वास्तविकता से परे है। सपा सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सदन से वॉकआउट कर दिया।

शून्य प्रहर में सपा सदस्य किरण पाल कश्यप और आशुतोष सिन्हा ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, बल्कि समस्याएं बढ़ी हैं। छुट्टा पशुओं से फसल बचाने के लिए किसान रातभर खेतों की रखवाली कर रहे हैं। कई जिलों में कृषि विस्तार अधिकारी तैनात नहीं हैं और बीटीएम-एटीएम से काम चलाया जा रहा है।

जवाब में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि किसानों के लिए अनेक योजनाएं प्रभावी ढंग से संचालित हैं। उन्होंने गन्ना भुगतान, बिजली बिल माफी और दलहन उत्पादन में वृद्धि के आंकड़े पेश किए। मंत्री के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 25.66 लाख हेक्टेयर में दलहन की बुवाई हुई, जिसे 2025-26 में 30.77 लाख हेक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत उन्नत बीज वितरण पर जोर है और जायद 2026 में 20 हजार क्विंटल उर्द व मूंग के प्रमाणित बीज अनुदान पर वितरित किए जाएंगे।

विधानसभा में विपक्ष के सवालों का जवाब देते मंत्री कपिल देव अग्रवाल, सदन में मौजूद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व अन्य सदस्य। अमृत विचार

सदन में शिक्षकों से संबंधित मुद्दे भी गूंजे

अमृत विचार : नियम 105 के तहत निर्दलीय डॉ. आकाश अग्रवाल ने वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों के मानदेय और 2017 की विशेष प्रोत्साहन राशि के 200 करोड़ रुपये के वितरण का मुद्दा उठाया। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि मानदेय देना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। वहीं शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने सुल्तानपुर के उमारमण इंटर कॉलेज के प्रबंधन और सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में शामिल न किए जाने का मुद्दा उठाया। सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कार्यस्थगन प्रस्ताव अस्वीकार करते हुए मामले सरकार को भेज दिए। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने प्रदीप कुमार, कार्यवाहक प्रधानाचार्य वसी नकवी नेशनल इंटर कालेज, रायबरेली को विगत 43 माह से वेतन भुगतान न किये जाने की सूचना दी। सभापति ने 15 दिन में जांच कराकर समिति को संदर्भित करने के निर्देश दिये।

कौशल विकास विभाग से सीधे सरकारी नौकरी नहीं : मंत्री

अमृत विचार : प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने विधानसभा में स्पष्ट किया कि कौशल विकास विभाग के माध्यम से सीधी सरकारी नौकरी देने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवाओं में नियुक्ति केवल प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से ही होती है और यह व्यवस्था सभी शैक्षणिक व प्रशिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू है।

वित्त मंत्री ने पेश की कैग रिपोर्ट, बोले- निरंतर सरप्लस रेवेन्यू

अमृत विचार, लखनऊ : वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने गुरुवार को विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब निरंतर सरप्लस रेवेन्यू वाला प्रदेश बन चुका है और यह दावा किसी सरकारी आकलन पर नहीं, बल्कि सीएजी की आधिकारिक रिपोर्ट पर आधारित है। वित्त मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश सरकार का रेवेन्यू सरप्लस 33,430 करोड़ रुपये था। इसके बाद यह सरप्लस लगातार बढ़ता गया और वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 59,326 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका अर्थ है कि प्रदेश की आय, उसके व्यय से अधिक रही है। सुरेश खन्ना ने कहा कि केवल एक वित्तीय वर्ष ऐसा रहा, जब प्रदेश घाटे में रहा, शेष सभी वर्षों में रेवेन्यू सरप्लस दर्ज किया गया।

गलगोटिया और एआई रोबोट का उठा मुद्दा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने चर्चा की मांग खारिज की

अमृत विचार: नोएडा की गलगोटिया यूनिवर्सिटी से जुड़े एआई रोबोट कार्यक्रम का मामला भी सदन में उठा। सपा विधायकों ने इस पर चर्चा की मांग की, लेकिन अध्यक्ष सतीश महाना ने इसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह कार्यक्रम न तो प्रदेश सरकार का है और न ही यूपी में संचालित हो रहा है, इसलिए चर्चा की आवश्यकता नहीं है।

सड़क भुगतान पर सवाल

सपा विधायक रागिनी सोनकर ने वाराणसी में 12 लाख की सड़क के लिए 3 करोड़ रुपये से अधिक भुगतान किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 4 लाख की टाइल्स के बदले 34 लाख का भुगतान किया गया। इस पर कृषि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने जवाब देते हुए कहा कि सरकार सदन और क्षेत्र दोनों में अच्छा काम कर रही है। उन्होंने विपक्ष पर अनावश्यक हंगामा करने का आरोप लगाया।

धान खरीद पर आरोप

प्रयागराज के सपा विधायक संदीप पटेल ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार जितना चावल बांटती है, उसका 5 प्रतिशत भी यूपी के किसानों से नहीं खरीदती। उन्होंने कहा कि यदि उतनी ही खरीद प्रदेश में हो जाए तो पंजाब-हरियाणा से चावल मंगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

किसानों की खाद किल्लत पर टकराव

बहराइच के सपा विधायक आनंद यादव ने कहा कि उन्हें खुद खाद लेने दूसरे जिले जाना पड़ा। आम किसानों की स्थिति और खराब है, कई जगह खाद की जगह लाठियां मिल रही हैं। इस पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने पलटवार करते हुए कहा कि सपा शासन में किसानों को बीज और खाद तक नहीं मिलती थी और उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया गया था।

सीएजी रिपोर्ट पेश

दोपहर में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश की। उन्होंने दावा किया कि यूपी अब सरप्लस राजस्व वाला प्रदेश बन चुका है और सिर्फ एक साल को छोड़कर बाकी वर्षों में राजस्व में लगातार वृद्धि हुई है।

'आप दबाव में मत खड़े होइए'

सदन में एक मौके पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को खड़े होकर बोलने के दौरान अध्यक्ष सतीश महाना ने टोका और कहा कि आप दबाव में मत खड़े होइए। इस टिप्पणी पर विपक्ष ने आपत्ति जताई और कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया।

मंदिरों में सुरक्षा और व्यवस्थाओं की निगरानी करती सरकार : केशव मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधान परिषद में सवालों के जवाब में नेता सदन ने कहा- श्रीराम मंदिर अयोध्या में सुगम दर्शन के लिए शुल्क नहीं

अमृत विचार : विधानपरिषद में प्रश्नों का उत्तर देते हुए उप मुख्यमंत्री व नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट किया कि वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर का संचालन मंदिर न्यास परिषद द्वारा किया जाता है और दर्शन शुल्क का निर्णय भी न्यास परिषद ही करता है, जबकि राम मंदिर अयोध्या में दर्शन के लिए कोई शुल्क नहीं है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच काशी में दर्शन के लिए लगभग 10.7 लाख श्रद्धालुओं को दर्शन पर्ची जारी की गई।

विधान परिषद में प्रश्नकाल में सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा ने काशी व अयोध्या में मंदिरों में दर्शनार्थियों से होने वाली आय का सवाल करते हुए मौके पर कटने वाली रसीदों की आय का बंदरबाट होने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं, उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर ट्रस्ट के धन से राज्यपाल के नाम संपत्ति खरीदी जा रही है, जबकि 2016 में मंदिर ट्रस्ट के नियमानुसार सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंदिर ट्रस्ट के नाम संपत्ति खरीदी थी।

जवाब देते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मंदिरों में सरकार केवल सुरक्षा और व्यवस्थाओं की निगरानी करती है। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर बनने के बाद वर्ष 2017 में लगभग 77 लाख श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 17 करोड़ से अधिक हो गई। इनमें विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ी है।

ब्राह्मण समाज और शिखा पर तंज से गरमाया माहौल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा विधायक अतुल प्रधान ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बटुक पूजन पर की टिप्पणी

अमृत विचार : विधानसभा के बजट सत्र के नौवें दिन गुरुवार को राजनीतिक तंज सुनने को मिले। कार्यवाही के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी टिप्पणियों के साथ-साथ हल्के-फुल्के क्षण भी सामने आए, जिससे सदन का माहौल कुछ देर के लिए गरम रहा।

चर्चा के दौरान सपा विधायक अतुल प्रधान ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बटुक पूजन को लेकर टिप्पणी करते हुए ब्राह्मण समाज और शिखा से जुड़ा तंज कसा। इस टिप्पणी पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई, जिससे कुछ समय तक सदन में शोरगुल की स्थिति बनी रही। इसी क्रम में जब मंत्री दिनेश प्रताप सिंह अपने विभाग की ओर से कराए गए विकास कार्यों का उल्लेख कर रहे थे, तब विपक्ष की ओर से बीच-बीच में जवाबी टिप्पणियां भी की गईं। वहीं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप निर्धारित समय से अधिक देर तक बोलते रहे, जिस पर विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें समय सीमा के पालन की सलाह दी। सदन में उस समय हल्का हास्य भी देखने को मिला, जब सपा विधायक आरके वर्मा द्वारा सवाल स्पष्ट न रख पाने पर विधानसभा अध्यक्ष ने हल्के अंदाज में चुटकी ली, जिस पर सदन में मुस्कान फैल गई।

ऑनलाइन मिलेंगे जाति प्रमाण पत्र

जाति प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया अब और अधिक सरल और पारदर्शी होने जा रही है। राजस्व परिषद इसके लिए नया सॉफ्टवेयर तैयार करा रही है, जिससे ऑनलाइन प्रमाण पत्र घर बैठे मिलेंगे। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने यह जानकारी विधानसभा में दी।

लाउडस्पीकर से एलान की प्रासंगिकता नहीं

सपा विधायक कमाल अख्तर द्वारा रमजान में लाउडस्पीकर की अनुमति को लेकर उठाए गए सवाल पर से संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सदन में स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर से एलान करने की परम्परा उस समय की है, जब घड़ियों का प्रचलन नहीं था और लोगों को समय की जानकारी देने के लिए इस माध्यम का उपयोग किया जाता था। वर्तमान परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता सीमित हो गई है। मंत्री खन्ना ने कहा कि लाउडस्पीकर के उपयोग को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं, जिनका सख्ती से पालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने लाउडस्पीकर बजाने की समय-सीमा तय की है और किसी भी परिस्थिति में उसके उल्लंघन की अनुमति नहीं है। सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए मंत्री ने कहा कि कानून और न्यायालय के आदेश सभी पर समान रूप से लागू हैं और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जापान और सिंगापुर सिटी के लिए 500-500 एकड़ भूमि प्रस्तावित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यीडा ने शासन को भेजा औपचारिक प्रस्ताव

अमृत विचार: यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने जापान सिटी और सिंगापुर सिटी के विकास को लेकर औपचारिक प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। 18 फरवरी 2026 को जारी पत्र के माध्यम से प्राधिकरण ने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन को अवगत कराया कि प्राधिकरण क्षेत्र में दोनों प्रस्तावित शहरों के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है।

यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि दोनों परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण से संबंधित विस्तृत योजना तैयार कर ली गई है। प्रस्ताव के अनुसार, ग्रेटर नोएडा स्थित सेक्टर-5ए में 500 एकड़ क्षेत्र जापान सिटी के लिए तथा सेक्टर-7 में 500 एकड़ भूमि सिंगापुर सिटी के लिए प्रस्तावित की गई है। दोनों परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है और विकास कार्य ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) मोड पर कराए जाने की योजना है।

बीएलओ नहीं बैठेंगे मतदाता सहायता केंद्रों पर

अमृत विचार: एसआईआर के कार्य में लगे बीएलओ को बड़ी राहत दी गई है। अब वह मतदाता सहायता केन्द्रों पर नहीं बैठेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि अभी तक बीएलओ प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक मतदाता सहायता केन्द्रों पर बैठकर एसआईआर का कार्य कर रहे थे। लेकिन अब केंद्रों पर नहीं बैठेंगे। इस तरह का आदेश प्रदेश के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को जारी कर दिया गया है।

रिश्वत लेते तीन को रंगेहाथ दबोचा

राजस्व निरीक्षक व वरिष्ठ सहायक के साथ एक अन्य गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अयोध्या व मुरादाबाद में एंटी करप्शन की ट्रैप कार्रवाई

अमृत विचार: भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती लगातार बढ़ती जा रही है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) की अयोध्या व मुरादाबाद की टीम दो ऑपरेशन में राजस्व निरीक्षक व वरिष्ठ सहायक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट दर्ज कर कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन उत्तर प्रदेश की अयोध्या इकाई को अमेठी जनपद के पीपरपुर निवासी बृजेश कुमार सिंह की ओर से शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले समस्त देयकों को निकलवाने के नाम पर अवैध धनराशि की मांग की जा रही है। जांच के बाद इंस्पेक्टर हरि ओम मिश्रा के नेतृत्व में टीम ने गौरीगंज स्थित अधिशासी अभियंता कार्यालय के पास जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान नलकूप खण्ड गौरीगंज, अमेठी में तैनात वरिष्ठ सहायक एहसान अहमद को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी मूलतः सुल्तानपुर का रहने वाला है।

नक्शा दुरुस्तीकरण की रिपोर्ट के नाम पर रिश्वत : उधर, मुरादाबाद यूनिट को सम्भल जनपद के ढंडूमरा निवासी बलवीर द्वारा शिकायत मिली। जिसमें बताया कि नक्शा दुरुस्तीकरण के बाद रिपोर्ट प्रेषित करने के लिए धनराशि की मांग की जा रही है। जांच के बाद इंस्पेक्टर नवल मारवाह के नेतृत्व में टीम ने तहसील परिसर गुन्नौर के पास ट्रैपिंग की गई। इस दौरान राजस्व निरीक्षक तस्लीम अहमद (तहसील गुन्नौर, सम्भल) और एक निजी व्यक्ति महेन्द्र पाल को 14 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया गया। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

आरटीई में आवेदनों की संख्या हुई दुगुनी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) योजना को लेकर अभिभावकों का भरोसा इस वर्ष ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। सत्र 2026-27 के प्रथम चरण में आरटीई के तहत कुल 2,61,501 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि पिछले वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में यह संख्या 1,32,446 थी। इस प्रकार आवेदनों में लगभग 97 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा चलाए गए जनजागरूकता अभियानों के तहत प्रचार-प्रसार और ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के सरलीकरण से बड़ी संख्या में लोग योजना से जुड़े।

रणनीति

मोहन भागवत ने मुख्यमंत्री योगी के बाद केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक से की मुलाकात

संघ प्रमुख से मिले दोनों उप मुख्यमंत्री, सियासी चर्चाएं तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश मंत्रिमंडल समेत संगठन में बदलाव की अटकलें

केशव प्रसाद मौर्य

मोहन भागवत

ब्रजेश पाठक

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार सुबह प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्रियों से भी अलग-अलग मुलाकात की। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक से हुई इन भेंटों को औपचारिक रूप से शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे आने वाले बड़े सियासी घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है।

संघ प्रमुख ने दोनों उप मुख्यमंत्रियों से गुरुवार सुबह करीब 10-10 मिनट तक बातचीत की। इससे पहले बुधवार रात राजधानी के निराला नगर स्थित संघ कार्यालय परिसर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मोहन भागवत के बीच बंद कमरे में करीब 35 मिनट तक एकांत में बातचीत हुई थी। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार, संगठनात्मक फेरबदल और आगामी रणनीतियों को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं।

संघ प्रमुख का दो दिवसीय लखनऊ प्रवास बुधवार को समाप्त हुआ। हालांकि, इस प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों से अलग-अलग मुलाकातों ने राजनीतिक सरगर्मी को और तेज कर दिया है। सत्तारूढ़ दल के भीतर भी इन मुलाकातों को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि संगठन और सरकार के बीच समन्वय को लेकर अहम संदेश दिए गए होंगे।

2027 के चुनाव में संघ की भूमिका के संकेत

सूत्रों के अनुसार, जिस तरह हाल के महीनों में संघ प्रमुख का फोकस उत्तर प्रदेश पर बढ़ा है और वह लगातार किसी न किसी कार्यक्रम के बहाने प्रदेश आ रहे हैं, उससे साफ संकेत मिलते हैं कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के तानाबाने में संघ परिवार की भूमिका अहम रहने वाली है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राजनीतिक राज्य है और यहां की राजनीति का असर राष्ट्रीय स्तर पर भी पड़ता है। ऐसे में सरकार और संगठन के शीर्ष नेतृत्व के बीच संवाद को 2027 की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

योगी-भागवत की लगातार मुलाकातों की चर्चा

पिछले कुछ समय से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संघ प्रमुख मोहन भागवत की लगातार हो रही मुलाकातें राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। भले ही इन बैठकों को औपचारिक और शिष्टाचार बताया जा रहा हो, लेकिन प्रदेश की राजनीति में संभावित बदलावों के मद्देनजर इन्हें हल्के में नहीं लिया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि सरकार के कामकाज, संगठन की भूमिका और भविष्य की रणनीति को लेकर विचार-विमर्श होना स्वाभाविक है। खासकर तब, जब विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा हो।

बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करेगा गोरखपुर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोरखपुर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए इंडियन ऑयल देगा 60 करोड़ रुपये

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रस्तावित गोरखपुर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम 392.94 करोड़ की लागत से विकसित किया जाएगा। इसमें 30 हजार दर्शकों की बैठने की क्षमता होगी। यह बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करने में सक्षम बनेगा। परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया है।

वे गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश सरकार और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के दौरान बोल रहे थे। गोरखपुर में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड 60 करोड़ रुपये का सहयोग देगा। योगी ने कहा कि स्टेडियम में अत्याधुनिक पिच, प्रैक्टिस एरिया, फ्लडलाइट्स, आधुनिक ड्रेसिंग रूम, मीडिया सेंटर और हाई-एंड स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होगा, जिससे यह बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करने में सक्षम बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर का यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम केवल एक खेल संरचना नहीं, बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश की उभरती खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा।

न्यूज ब्रीफ

तबीयत बिगड़ने से युवक की मौत

रसूलाबाद। कछपुरवा गांव अचानक हालत बिगड़ने के बाद एक युवक की मौत हो गई, घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। कछपुरवा उसरी निवासी मजदूर राजवीर उर्फ कल्लू 35 पुत्र आसाराम कुशवाहा रात खाना खाने के बाद सो गया। रात करीब एक बजे अचानक राजवीर के सीने में तेज दर्द हाने लगा। हालत बिगड़ने पर परिजन आनन फानन सीएचसी लेकर पहुंचे जहां ईएमओ डॉक्टर बृजेश कुमार ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। अनहोनी घटना से मृतक की पत्नी पूजा, भाई रामू, शैलेंद्र मासूम बेटी रिया व बेटा ऋषभ बेटा बेटी बिलखने लगे। परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम नहीं कराने के अनुरोध पर डॉक्टर बृजेश कुमार ने शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया।

थाना पुरवा की कथा में मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

कानपुर देहात: थाना पुरवा गांव में चल रही भागवत कथा में भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव की कथा का वर्णन किया गया। कथा व्यास मोहित कृष्ण जी महाराज ने बताया कि भाद्रपद कृष्ण अष्टमी तिथि की आधी रात को मथुरा के कारागार में वासुदेव की पत्नी देवकी के गर्भ से भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया था। श्रीकृष्ण के जन्म की इसी शुभ घड़ी का उत्सव पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा था। द्वापर युग में श्रीकृष्ण ने बुधवार के दिन रोहिणी नक्षत्र में जन्म लिया था। अष्टमी तिथि को रात्रिकाल अवतार लेने का प्रमुख कारण उनका चंद्रवंशी होना है।

गोरखपुर में होगी बालिका हॉकी स्पर्धा

कानपुर देहात। जिला कीड़ा अधिकारी नीलम सिद्दीकी ने बताया कि 23 से 28 फरवरी तक गोरखपुर में प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालिका हॉकी प्रतियोगिता होगी। इसमें प्रतिभाग हेतु जनपद स्तर पर चयन प्रक्रिया आयोजित की जानी है। प्रतियोगिता में प्रतिभाग हेतु जनपद कानपुर देहात में जिला एवं मंडल स्तरीय ट्रायल/चयन प्रक्रिया होगी। जिला और मंडल स्तरीय ट्रायल्स हो चुके हैं। जिला क्रीड़ाधिकारी ने जनपद की पात्र जूनियर बालिका हॉकी खिलाड़ियों से अधिकाधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है, ताकि जनपद का प्रतिनिधित्व प्रदेश स्तर पर सशक्त रूप से किया जा सके।

गहरे खड्ड में गिरा बेकाबू ट्रक

कानपुर देहात। कानपुर-झांसी हाईवे पर मावर मजार से पहले देवीपुर की ओर जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर हाईवे की रेलिंग तोड़ते हुए गहरे गड्ढे में जा गिरा। दुर्घटना में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल चालक की पहचान कानपुर देहात के भोगनीपुर थाना क्षेत्र स्थित इमलिया सराय निवासी मो. असलम पुत्र अली हसन के रूप में हुई है। उसे तत्काल सरकारी वाहन से देवीपुर के नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। चालक के चेहरे और सिर में गंभीर चोटें आई हैं। यातायात प्रभारी विवेक यादव ने बताया कि असलम के अनुसार सामने आए एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में ट्रक अनियंत्रित हो गया और पलट गया। हालांकि, चालक की हालत नशे में लग रही थी।

तीन सौ स्थानों पर जलेगी होली, 17 जगह होगी नमाज

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः नमाज निर्धारित स्थान मस्जिद या मदरसे में ही पढ़ें। नमाज के दौरान किसी भी प्रकार से कोई रास्ता अवरोधित नहीं की जाएगी। होलिका दहन स्थलों को चिन्हित कर पुलिस व राजस्व टीम होलिका दहन स्थल पर आयोजकों से वार्ता कर लें ताकि संभावित विवाद व समस्याओं का निस्तारण समय से हो सके। रसूलाबाद तहसील क्षेत्र में 300 स्थानों पर होलिका दहन एवं 17 स्थान पर नमाज अदा की जाएगी।

यह बातें गुरुवार को थाना परिसर में आयोजित पीस कमेटी (शांति समिति) की बैठक के दौरान एसडीएम ने उपस्थित दोनों समुदाय के जिम्मेदार लोगों से कही है। बैठक के दौरान एसडीएम ने उपस्थित लोगों को निर्देश देते हुए बताया कि रमजान में जुमा की नमाज व तरावीह पढ़ने के लिए शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित स्थल मस्जिद/मदरसा व ईदगाह में ही नमाज पढ़ी जाएगी। इस दौरान कस्बा की चार मस्जिदों समेत थाना क्षेत्र के 17 स्थानों पर नमाज पढ़ी जाएगी। नमाज पढ़ने वाले स्थान की साफ सफाई नगर क्षेत्र में नगर पंचायत व ग्रामीण क्षेत्र में खंड विकास अधिकारी के कर्मियों द्वारा कराई जाएगी।

रसूलाबाद थाना परिसर में शांति समिति की बैठक करते अधिकारी। अमृत विचार

- एसडीएम ने शांति पूर्ण ढंग से त्योहार मनाने की अपील की

रसूलाबाद थाना क्षेत्र में 300 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन 2 मार्च की रात को किया जाएगा। होलिका दहन स्थलों का निरीक्षण राजस्व निरीक्षक लेखपाल व पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रूप से किया किया जाएगा, जिससे संभावित विवाद या समस्या का समय से निस्तारण हो सके। होली के दौरान बाइक व कार सवारों द्वारा यातायात नियमों का पालन किया जाए व रंग खेलते समय सावधानी बरतने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख रूप से प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह, नायब तहसीलदार शिव दर्शन, कानूनगो कुंवर सिंह, अनिल कुमार, चिरौंजी नाथ, एसडीओ विद्युत शहादत सलीम, नगर पंचायत कर्मी प्रत्यूष राजपूत, वन दरोगा अतुल सिंह के साथ-साथ श्री धर्मगढ़ बाबा सत्संग मंडल के अध्यक्ष महेंद्र यादव, मुरारी लाल कुशवाहा, संजय मिश्रा, हाजी फैजान खान, पेश इमाम अब्दुल रऊफ खान बकाई, अकील खान समेत कई ग्राम प्रधान रहे।

मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलटा भूसी लदा ट्रक

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: रसूलाबाद बिसधन दिन रोड पर सिकंदरपुर गांव के समीप हिंदुस्तान पेट्रोलियम पेट्रोल पंप के निकट मोड़ पर धान की भूसी से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। संयोग से उसे समय अन्य किसी के वाहन के न आने और सड़क के किनारे खेतों में किसी किसान के मौजूद न होने से एक बड़ा हादसा टल गया।

बताया गया कि ट्रक रसूलाबाद की ओर से आ रहा था। मौके पर मौजूद ग्रामीण अमित, दीपक आदि ने ट्रक के पलटते ही चालक को सकुशल ट्रक से बाहर निकाला।

सड़क के किनारे भूसी लदा पलटा पड़ा ट्रक।

ग्रामीणों की माने तो ट्रक चालक नशे में था। इसके कारण मोड पर वह अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक चालक कन्नौज निवासी मोहम्मद अनीस ने बताया कि वह रसूलाबाद से कन्नौज जा रहा था। तब अचानक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया।

बूंदाबांदी से बदला मौसम फिर निकले गर्म कपड़े

अधिक बारिश से आलू की फसल को हो सकता है नुकसान

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः बुधवार रात हुई हल्की बूंदाबांदी से मौसम का मिजाज बदल गया है। जिससे पिछले दो-तीन दिनों से हो रही गर्मी कम हो गई है और तापमान गिर गया है। हल्के कपड़ों में आ गए लोग फिर गर्म कपड़ों में दिखाई पड़ने लगे हैं। हल्की हुई बारिश से गुलाबी सर्दी का एहसास देने वाला मौसम का यह बदलाव रबी की फसलों के लिए लाभदायक है। यद्यपि उपल वृष्टि होने पर फूल वाली फसलों धनिया, चना आदि के लिए यह घातक हो सकता है।

इस संबंध में अनेक किसानों और कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि अधिक बारिश होने से फसलों में झुलसा या फफूंद रोग का खतरा बढ़ जाता है जब कि वर्तमान में हुई हल्की वर्षा से मिट्टी में नमी बनी रहेगी और फसलों के बढ़ने को बल मिलेगा। किसानों के लिए यह हल्की बूंदाबांदी राहत वाली है इससे फसलों को कोई नुकसान नहीं होगा। किसानों ने बताया कि यह बारिश रबी की फसलों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

अधिक बारिश होने से रुक सकती है आलू की खोदाई। अमृत विचार

- अधिक बारिश होने से फसलों में फफूंद रोग का खतरा बढ़ सकता

खेतों में नमी आने से सिंचाई की आवश्यकता भी कुछ हद तक कम हो जाएगी। बारिश के बाद चली ठंडी हवाओं ने मौसम को और भी खुशनुमा बना दिया है। दिन में हल्की धूप और सुबह-शाम की ठंडक ने फरवरी की श्गुलाबी सर्दीश् का आनंद फिर से लौटा दिया है। कुल मिलाकर, यह मौसम परिवर्तन जनपदवासियों के लिए राहत और किसानों के लिए अच्छी खबर लेकर आया है।

एआरटीओ कार्यालय में आज और कल लगेगा परिवहन मेला

कानपुर देहात। परिवहन विभाग द्वारा एकमुश्त कर की व्यवस्था लागू की गई है। इसे लेकर 20 और 21 फरवरी को एआरटीओ कार्यालय में परिवहन मेले का आयोजन किया जाएगा। अलग-अलग श्रेणियों के वाहन स्वामी इसमें भाग लेकर व्यवस्था का लाभ उठा सकते हैं। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा परिवहन कर प्रणाली में व्यापक सुधार करते हुए उत्तर प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, 1997 में वर्ष 2025 में संशोधन उपरांत परिवहन यानों पर एकमुश्त कर की व्यवस्था लागू की गई है। यह व्यवस्था वाहन पोर्टल पर तकनीकी रूप से प्रभावी कर दी गई है, जिससे वाहन स्वामी ऑनलाइन माध्यम से इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य वाहन स्वामियों को बार-बार कर भुगतान की जटिल एवं समय-साध्य प्रक्रिया से राहत प्रदान करना, कर प्रशासन को सरल बनाना तथा राजस्व संग्रह प्रणाली को अधिक सुदृढ़ करना है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

नापी गई ग्राम समाज की जमीन पूर्व प्रधान का चल रहा उपचार

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः पूर्व ग्राम प्रधान वीरेंद्र तिवारी के साथ मारपीट से क्षुब्ध होकर जान देने के प्रयास के बाद तनाव पनपा हुआ है। गंभीर अवस्था में कानपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है। दूसरी तरफ बैरी सवाई सवाई में राजस्व निरीक्षक नंदकिशोर व लेखपालों द्वारा ग्राम समाज की जमीन की नापजोख शुरू करने से घटना में शामिल आरोपियों के अवैध कब्जे पर बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई की चर्चा गुरुवार को चर्चा तेज रही।

पूर्व प्रधान के साथ बैरी सवाई में बुधवार को हुई मारपीट की घटना के बाद शिवशक्ति अखाड़ा प्रमुख मधु राम जी की अगुवाई में राघवेन्द्र कुमार ने नायब तहसीलदार अनिरुद्ध कुमार को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि गांव के पूर्व प्रधानपति हनीफ मोहम्मद ने बैरी तिराहे के पास कल्याणपुर शिवली मुख्य मार्ग के किनारे ग्राम समाज की वेशकीमती जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर मकान बना लिया है। मामला यहीं तक सीमित नहीं रहा पूर्व प्रधान पति ने ग्राम समाज की बहुमूल्य भूमि पर अपना आवास बना लिया। प्रधानी के दौरान हनीफ दबंगई के बल पर ग्राम सूरजपुर के पास सरकारी तालाब की जमीन व तिराहे के पास प्राइमरी स्कूल के बगल में ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा कर अवैध रूप से निर्माण कर रखा है। ग्राम सभा का कोई भी व्यक्ति अवैध कब्जे का जब विरोध करता है तो पूर्व प्रधानपति हनीफ व उसके परिवार के लोग मारपीट पर आमादा हो जाते है। उसने बंबा के पुल के पास की भी ग्राम समाज की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। दूसरी तरफ, गुरुवार को एसडीएम मैथा राजकुमार पांडेय के निर्देशन राजस्व निरीक्षक नंदकिशोर, राजकुमार राठौर, लेखपाल कामता प्रसाद, नितिन बाजपेई, राजीव पांडेय, धर्मेंद्र गौतम, अवधेश गुप्ता, नन्दलाल पटेल की टीम बनाकर शिवली कोतवाली पुलिस व पीएसी की मौजूदगी में बैरी सवाई में अवैध कब्जों की जांच शुरू की।

बैरी सवाई में नाप जोख करती राजस्व टीम।। अमृत विचार

चार आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल : पूर्व प्रधान वीरेंद्र तिवारी उर्फ सोनू के साथ बैरी सवाई में पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी की। चार आरोपियों को पुलिस ने शांति भंग करने में गिरफ्तार कर उप जिला मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया। वहां से जेल भेज दिया गया।

किसानों की समस्याओं का कराएं त्वरित निस्तारण

कानपुर देहात। विकास भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डीएम ने की।

निर्देशित किया कि किसानों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करते हुए, कृत कार्रवाई से शिकायतकर्ता किसान को भी अनिवार्य रूप से अवगत कराना सुनिश्चित करें। शासन द्वारा किसानों की आय को दोगुनी करने हेतु अनकों योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किया जा रहे है, वर्तमान में यह आवश्यक हो गया है कि किसान संगठित हो समूह गठित कर कृषि कार्यों को करें, जिससे उनको जहां उनकी लागत में कमी आयेगी, वहीं उनकी आय में आशा से अधिक वृद्धि होगी। उनके द्वारा जैविक खेती एवं सहफसली पद्धति को अपनाने एवं नकदी फसलों का उत्पादन करने हेतु किसानों को जागरूक किया गयां। उप कृषि निदेशक, हरीशंकर भार्गव ने विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। ग्राम फरीदपुर निटरा के किसान बाबूलाल निषाद ने मुख्य विकास अधिकारी एवं जिलाधिकारी को काला आलू भेट के रूप में दिए। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि किसान बागवानी मिशन योजना का लाभ उठा कर फलों के बाग व सब्जियों की खेती कर सकते है। जिला कृषि अधिकारी जिला कृषि रक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता, पशु चिकित्साधिकारी, मत्स्य निरीक्षक अधिशासी अभियंता सिंचाई, अवर अभियंता नलकूप, कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलील खां, भारतीय किसान यूनियन के मंडल अध्यक्ष रशीद अहमद आदि रहे।

फांसी पर लटका मिला मूक-बधिर किशोर का शव, परिजनों में कोहराम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः जनपद के गजनेर थाना क्षेत्र के जलालपुर नागिन गांव में एक किशोर ने बीती रात घर के बाहर खड़े नीम के पेड़ से रस्सी के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजा है। घटना के बाद किशोर के परिजनों में कोहराम मच गया। घर की महिलाओं का रोकर बुरा हाल रहा।

गजनेर थाना क्षेत्र के जलालपुर नागिन गांव निवासी ब्रज किशोर ने बताया कि वह ट्रक चालक है। उनका बेटा आदित्य उर्फ गोरे 16 वर्ष जन्म से गूंगा व बहरा था। उसने कक्षा आठ तक पढ़ाई करने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। वह घर में रहकर पशुओं की देखभाल करता था। बुधवार को वह शाम को हिम्मा पुरवा में एक वैवाहिक कार्यक्रम में गया था। घर के अन्य लोग अंदर सो गए। बताया कि देर रात डेढ़ बजे के करीब जब वह घर लौटे तो उन्होंने नीम के पेड़ से किसी को लटकते देखा।

- गजनेर थाना क्षेत्र के गांव जलालपुर नागिन की घटना
- पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

टार्च की रोशनी से देखने पर उन्होंने अपने बेटे को लटका देख शोर मचाया। इस पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। सभी लोगो ने उसे नीचे उतारा तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। उधर, बेटे की मौत से मां रीता देवी, भाई विशाल, सुधीर बहिन नंदनी का रो रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक तीन भाईयो में सबसे छोटा था इस संबंध में गजनेर के कार्यवाहक थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चलेगा। पिता बृज किशोर की सूचना पर कार्रवाई की जा रही है।

नलकूप की लाइन ठीक करते लाइन मैन को लगा करंट, भर्ती

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः राजपुर के बैना फीडर पर शटडाउन लेने के बाद काम कर रहा लाइन मैन अचानक बिजली चालू होने से करंट की चपेट में आ गया। वह पोल से नीचे आ गिरा। इससे उसे गंभीर चोटें आई। हालत नाजुक देख डाक्टरों ने उसे कानपुर के लिए रिफर किया है। वहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

सब स्टेशन जैनपुर के बैना फीडर मे तैनात संविदा कर्मी नीरज बाबू उर्फ गुंजन ने सुबह करीब 9 बजे उपकेंद्र पर एसएसओ प्रदीप व सहायक सूरज से शटडाऊन लिया था। इसके बाद नैनपुर के समीप पोल पर चढ़कर नलकूप की 11 हजार की लाइन सही करने लगा। इसी दौरान अचानक करंट आ गया। इससे वह झुलस कर पोल से नीचे गिरा और गंभीर रुप से घायल हो गया। ग्रामीणो ने उसे पीएचसी राजपुर मे भर्ती कराया जहां पर डॉक्टरो ने गम्भीर अवस्था को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया वहीं जिला अस्पताल से कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया जहां पर उसकी हालत चिंता जनक बताई जा रही है।

- जैनपुर सब स्टेशन के बैना फीडर पर काम कर रहा था लाइन मैन, अचानक सप्लाई छोड़ दिए जाने पर पोल से गिरा

दूसरी तरफ, घटना पर संविदा कर्मियो ने नाराजगी जाहिर करते हुए बताया कि सब स्टेशन जैनपुर मे तैनात एक अधिकारी की लापरवाही शुरूआत से रही है। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। अक्सर होती लापरवाही का भुगतना संविदा कर्मियों को पड़ता है। इसके पूर्व राजपुर निवासी मनोज कुमार की दर्दनाक मौत चुकी है। सट्टी फीडर में तैनात लाइन मैन रोहित यादव की भी इसी तरह मौत हुई थी। कई और लाइन मैन गंभीर रुप से झुलस चुके है। इसके बावुजूद विभाग के आला अधिकारी कोई सहायता भी नही करते है और अपना पलड़ा झाड़ लेते है।

समस्या — बड़े गड्ढों के कारण जोखिम भरा हो गया सफर

मिर्जापुर-लकोठिया संपर्क मार्ग की दशा खराब

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः मिर्जापुर लखोटिया गांव जाने वाला मुख्य संपर्क मार्ग अत्यंत बदहाल एवं जर्जर स्थिति में है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने के कारण आवागमन अत्यंत जोखिम भरा हो गया है। इस मार्ग पर गांव के आवागमन के लिए बने हुए पुल के पास सड़क दोनों ओर से धंस गई है जिससे किसी भी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। मिर्जापुर लखोटिया निवासी रामावतार, पछायं पुरवा निवासी राजू, राम सजीवन, सुरेश, अच्छे अली सहित अनेक ग्रामीणों व महिलाओं ने बताया कि, यह मार्ग लखोटिया, पछायं पूर्वा, धौकन पूर्वा, कोला, गडरियन पुरवा, बंदरहा, बखोठिया, गंगूपुरवा डिब्बा पूर्वा एवं सीमावर्ती गांव सोनपुरवा, सिंहपुर, शामुद्दीन पुर आदि लगभग डेढ़ दर्जन गांवों को जोड़ता है। इसके साथ ही रसूलाबाद, बिल्हौर रोड एवं कानपुर बिषधन रोड तक पहुंचने का प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसके बावजूद पिछले लगभग दो वर्षों से सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई है। जिससे क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की खराब स्थिति के कारण लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और गड्ढों की वजह से कई छोटे-बड़े हादसे भी हो चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों को अवगत कराया गया लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मार्ग के दुर्दशाग्रस्त होने के कारण चार पहिया वाहनों का गुजरना लगभग असंभव हो गया है। पुल व सड़क के जॉइंट पर डाले गए लेंटर की सरिया दिखाई पड़ रही है और सड़क नीचे से खोखली हो चुकी है जिससे वह कभी भी धंस सकती है। इससे बड़ा हादसा हो सकता है। अनेक ग्रामीणों ने बताया कि स्थानीय लोग सड़क की स्थिति से परिचित हैं लेकिन गांव में किसी कार्यक्रम के दौरान बाहर से आने वाले बाइक व कार सवार गड्ढों में गिरकर दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। इन स्थितियों के चलते सरकार के गड्ढा मुक्त सड़क अभियान पर सवालिया निशान लग गया है और यह योजना इस क्षेत्र में केवल कागजों तक सीमित है।

पुल और सड़क के जॉइंट पर लेंटर की दिखाई पड़तीं सरियां। अमृत विचार

इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता विवेक कनौजिया ने बताया कि मार्ग के मरम्मती करण कार्य स्वीकृत हो जाने के बाद टेंडर हो गया है।

भगवत प्राप्ति के लिए सच्चे मन की प्रार्थना बहुत आवश्यक

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः परीक्षित संसार का हर जीव है और काल रूपी तक्षक का श्राप हर जीव को लगा है। सभी को इसका ग्रास बनना पड़ता है। कलयुग में भगवान को प्राप्त करने का सबसे अच्छा उपाय उनकी भक्ति है इसलिए अधिक से अधिक भगवन्नाम का नाम जप करें। यह बात श्री धनेश्वर धाम मुर्री में हो रही सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथावाचक कृष्णानंद रसिक ने परीक्षित जन्म की कथा के प्रसंग में श्रोताओं को बताई।

उन्होंने कहा कि वास्तव में संसार में जन्म लेने वाला हर जीव काल रूपी तक्षक के द्वारा ग्रसित है। कथावाचक ने बताया कि जन्म लेते ही परीक्षित सबके चेहरे की ओर देखने लगे और विचार करने लगे कि किस-किस को मैंने मां के गर्भ में देखा था। जिनको मैंने देखा था वह चतुर्भुजी गदा लिए पीतांबर धारी, श्याम वर्ण प्रभु कहां है। उनकी इन्हीं कलाओं को देखकर लोगों ने उनका नाम परीक्षित रख दिया। आगे की कथा कहते हुए उन्होंने कहा कि वास्तव में संसार का हर जीव परीक्षित ही है और वह तक्षक रूपी काल के द्वारा डसे जाने के श्राप से श्रापित है जिससे बचने का एकमात्र उपाय भगवान नाम का संकीर्तन ही है।

कथा वाचक कृष्णानंद रसिक।

इससे लोगों को अधिक से अधिक भगवान नाम का जप एवं कीर्तन करना चाहिए। इसके पूर्व उन्होंने इस सृष्टि के वर्णन की कथा विस्तार से लोगों को सुनाई। रसिक जी की रसमई कथा सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए। इस अवसर पर कथा पंडाल में अमर सिंह, घनश्याम यादव रिंकू पूर्व प्रधान, अभय सिंह, संदीप यादव, संजू, हरिओम, राहुल, गोविंद सहित सैकड़ो भक्त मौजूद रहे।

ईको पार्क में आज लगेगा वृहद ऋण वितरण शिविर

कानपुर देहात। अग्रणी जिला प्रबंधक राकेश कुमार ने बताया कि माती के ईको पार्क में शुक्रवार को वृहद ऋण वितरण शिविर आयोजित होगा। जिलाधिकारी कपिल सिंह इसका शुभारंभ करेंगे।

प्रदेश की सीडी रेशियो को मार्च 2026 तक 62 प्रतिशत तक पहुंचाने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में आयोजन किया जा रहा है। शिविर में कृषि एवं एमएसएमई क्षेत्र से संबंधित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को ऋण वितरण किया जाएगा। उन्होंने जनपद में कार्यरत समस्त बैंकों के जिला समन्वयकों एवं शाखा प्रबंधकों से अपील की है कि वे शिविर में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए चयनित लाभार्थियों को चेक के माध्यम से ऋण वितरण करें तथा अधिक से अधिक जनसामान्य को योजनाओं से लाभान्वित कराएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि शाखाएं जन धन योजना एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को जोड़ने तथा अनक्लेम्ड एसेट्स के निस्तारण की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

न्यूज ब्रीफ

विधायक की शिकायत पर मुख्यालय से अटैच किये गये बीडीओ

घाटमपुर। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत भीतरगांव विकासखंड के खंड विकास अधिकारी को जिला मुख्यालय में अटैच कर दिया गया है। वहीं पतारा विकासखंड के खंड विकास अधिकारी शिवरेश को भीतरगांव का चार्ज दिया गया है। जानकारी के अनुसार घाटमपुर विधायक सरोज कुरील की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई है। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत भीतरगांव विकासखंड में तैनात खंड विकास अधिकारी बलराम को घाटमपुर विधायक सरोज कुरील की शिकायत पर उन्हें यहां से हटाकर जिला मुख्यालय में संबंध किया गया है। लोगों ने बताया कि भीतरगांव के बीडीओ बलराम की तमाम शिकायतें विधायक सरोज के पास लगातार आ रही थीं और साथ ही गौशालाओं को लेकर भी वे मनमानी कर रहे थे। इन्हीं सब मामलों को लेकर उक्त कार्रवाई की गई है। वहीं पतारा के खंड विकास अधिकारी शिव नरेश को पतारा से हटा कर भीतरगांव में तैनात किया गया है।

महिला पूरक पोषण में लगाया अनियमिताओं का आरोप

घाटमपुर। भीतरगांव के गंभीरपुर गांव में महिलाओं को मिलने वाले महिला पूरक पोषण में अनियमिताएं बरती जा रही हैं। इसके चलते लाभार्थी महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। जानकारी के अनुसार बेहटा गंभीरपुर द्वितीय में बने आंगनबाड़ी केंद्र में महिला पूरक पोषण को लेकर महिलाओं शिवकुमारी व प्रेम कुमारी ने बताया कि 25 में दिन में मिलने वाले राशन को दो-दो महीने में वितरित किया जा रहा है। महिलाओं को बुलाकर हस्ताक्षर करवा लिये जाते हैं और मोबाइल में राशन मिलने का मैसेज भी आ जाता है। इस अनियमितता के चलते महिलाओं ने जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

अवैध मस्जिद के निर्माण पर भड़के बजरंग दल के कार्यकर्ता

घाटमपुर। घाटमपुर के थाना साढ़ के अंतर्गत बौहारा गांव में मुस्लिमों द्वारा अवैध ढंग से मस्जिद का निर्माण किया जा रहा है। इस मस्जिद में लाउडस्पीकर लगाकर नमाज़ भी अदा की जा रही है। इस मामले की जानकारी गांव के लोगों ने बजरंग दल के शुभम शौर्य अग्निहोत्री दी। जानकारी होते ही शुभम के द्वारा पुलिस और उपजिलाधिकारी नरवल को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे राजस्व कर्मियों को ग्राम समाज की भूमि पर मस्जिद का निर्माण होता मिला तथा लाउडस्पीकर भी लगे पाए गए। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार उक्त मस्जिद पर रोज माइक से पांचों टाइम नमाज पढ़ने गांव तथा आसपास के गांव के लोग आते हैं। साढ़ थाना पुलिस ने तुरंत लाउडस्पीकर उतरवाकर कार्यवाही की है।

गांजा के साथ आरोपी हुआ गिरफ्तार

हमीरपुर। कस्बे के बेरी तिराहे के पास मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 400 ग्राम सूखे गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। बेरी तिराहे में एक संदिग्ध व्यक्ति द्वारा खड़े होने की सूचना मुखबिर ने थाना पुलिस को थी। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा जिसके पास से 400 ग्राम अवैध सूखा गांजा बरामद हुआ। आरोपी ने अपना नाम छुट्टन पुत्र घसीटा वार्ड नंबर दो मटेहना मोहाल कस्बा कुरारा बताया।

नहर में कार गिरने से इटावा के कारोबारी दंपती व पुत्र की मौत

औरैया में भांजी के तेल पूजन कार्यक्रम से जालौन जाते समय हुआ हादसा

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। अछल्दा थाना क्षेत्र के तुरकपुर गांव के पास बुधवार देर रात निचली गंगा नहर में कार गिरने से इटावा के कारोबारी दंपति और बेटे की मौत हो गई। तीनों रात भर नहर में गिरी कार में ही फंसे रहे। सुबह हादसे का पता चलने पर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां तीनों को मृत घोषित कर दिया गया। कारोबारी दंपति भांजी के तेल पूजन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद जालौन एक शादी समारोह में जा रहे थे।

इटावा जनपद के भरथना कस्बे के मोतीगंज निवासी राजीव कुमार पोरवाल (60) अपनी पत्नी मधु

राजीव पोरवाल।

मधु गुप्ता।

शिवम गुप्ता।

- रात भर नहर में गिरी कार में ही फंसे रहे तीनों, सुबह हादसे का पता चला

गुप्ता (55) और पुत्र शिवम गुप्ता (27) के साथ दिबियापुर के भगवतीगंज में बहनोई अशोक पोरवाल के यहां भांजी तान्या गुप्ता के तेल कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। बुधवार रात करीब 11 बजे दिबियापुर से जालौन जाते समय उनकी डस्टर कार तुरकपुर गांव के पास अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। नहर में कार पूरी तरह डूब गई थी। तीनों लोग रात भर कार में ही फंसे रहे। गुरुवार सुबह 7 बजे तुरकपुर गांव के पूर्व प्रधान प्रेमकृष्ण राजपूत उधर से गुजर रहे थे, तभी नहर में कार के टायर दिखाई पड़े, जिस पर उन्होंने ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। सिपाही धीरज कुमार और नीरज मिश्रा नहर में उतरे और कार के भीतर लोगों के फंसे होने की पुष्टि की। स्थानीय लोगों की मदद से ट्रैक्टर और जेसीबी के जरिए कार को बाहर निकाला गया। कार में फंसे तीनों लोगों को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी पंकज मिश्रा ने बताया कि कपड़ों की तलाशी में मिले मोबाइल फोन के आधार पर मृतकों की पहचान की गई। मोबाइल से संपर्क करने पर पता चला कि हादसे का शिकार हुए लोग भरथना के किराना कारोबारी हैं। हादसे की सूचना पर जिलाधिकारी इंद्रमणि त्रिपाठीसमेत तीन थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घटना स्थल पर मौजूद लोगों की भीड़। अमृत विचार

कार को नहर से निकालते लोग। अमृत विचार

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

तीन लोगों की मौत से कस्बे में शोक की लहर

- भरथना (इटावा)। हादसे में कारोबारी, उनकी पत्नी और छोटे बेटे की मौत की जानकारी होने से कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई। भरथना कस्बे के मोहल्ला मोतीगंज निवासी कारोबारी राजीव कुमार पोरवाल (65) पुत्र राम किशोर चीनी और डालडा के व्यापारी थे। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख पुकार के साथ कोहराम मच गया। जानकारी होते ही परिजन शव लेने के लिए औरैया रवाना हो गये।

दम घुटने से हुई मौत

- कार नहर में गिरते ही बेटे ने जान बचाने के लिए गेट खोलने का प्रयास किया, लेकिन तब तक पानी वाहन के अंदर भर चुका था। परिवार को चिल्लाने तक का मौका नहीं मिला। दिबियापुर से जालौन जा रहे तीनों सदस्य कार में ही फंस गए और दम घुटने से मौत हो गई।

सोनल वरिष्ठ उपाध्यक्ष व भगवतदास बने कोषाध्यक्ष

बार चुनाव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बार एसोसिएशन चुनाव में गुरुवार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष समेत छह पदों के परिणाम घोषित हुए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सोनल पाठक व मंत्री पद पर कृष्णकांत तिवारी ने जीत दर्ज की। अनिल बाबू चौधरी संयुक्त मंत्री पुस्तकालय बने। संयुक्त मंत्री प्रकाशन अभय त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष भगवतदास व संयुक्त मंत्री प्रशासन पद पर विवेक सिंह जीते।

बार एसोसिएशन चुनाव में एक दिन पहले बुधवार रात आए परिणाम में अध्यक्ष योगेंद्र अवस्थी व महामंत्री पद पर विनय कुमार मिश्रा ने जीते थे। गुरुवार को सबसे

अभय।

अनिल बाबू।

विवेक सिंह।

केके तिवारी

सोनल।

भगवत दास।

- मंत्री, संयुक्त मंत्री, पुस्तकालय प्रकाशन और प्रशासन के नतीजे भी हुए घोषित

पहले वरिष्ठ उपाध्यक्ष के नतीजे की घोषणा हुई। जिसमें सोनल पाठक को 1768 वोट मिले। उन्होंने 1391 वोट पाने आनंद सेठी को हराया। मंत्री पद पर 1115 वोट पाकर कृष्ण कुमार तिवारी ने 190 वोटों से अजय प्रताप सिंह को हराया। 747 वोटों से संयुक्त मंत्री पुस्तकालय अनिल बाबू चौधरी जीते। उन्हें 1966 वोट मिले। उनकी प्रतिद्वंदी गायत्री मिश्रा को 1219 वोट मिले।

संयुक्त मंत्री प्रकाशन पद पर अभय त्रिपाठी ने 2101 वोट हासिल कर सिद्धार्थ वर्मा को 475 वोटों से हराया। सिद्धार्थ को 1626 वोट मिले। 1578 वोट पाकर भगवतदास कोषाध्यक्ष बने। श्याम कुमार दीक्षित को उन्होंने 170 वोटों से हराया। संयुक्त मंत्री प्रशासन पद पर विवेक सिंह ने 429 वोटों से धर्मेंद्र कुमार गुप्ता को पीछे छोड़ा। विवेक सिंह को 1788 वोट मिले। बतादें कि शाम करीब चार बजे के बाद कोषाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री प्रकाशन व संयुक्त मंत्री प्रशासन पदों की गिनती शुरू हुई। जीत की घोषणा पर कचहरी परिसर में समर्थकों ने जमकर आतिशबाजी की। प्रत्याशियों के सामने मतपेटियों को खोला गया।

आरती जौहरी बनीं मिस इंटरनेशनल रनवे विनर

कानपुर। शहर की आरती जौहरी 'मिस इंटरनेशनल रनवे विनर' का खिताब जीता है। वे डीजी पीजी गर्ल्स कॉलेज से पीएचडी कर रहीं है। आरती नेभारतीय पारंपरिक परिधान में भारतीय सभ्यता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया।

आरती जौहरी ने पतियोगिता के दौरान केनिया, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, चीन , रूस, जापान जैसे विभिन्न देश से आए हुए मॉडल में भारत से आरती जौहरी ने इंटरनेशनल रनवे रिप्रेजेंट किया। उनका कहना है कि पश्चिमी सभ्यता के दौर में अपने भारतीय पारंपरिक परिधानों को गर्व से पहनना हमारी पहचान को जीवित रखना है। उन्होंने शिक्षा को सभी के लिए पंख बताया हैं। आत्मनिर्भरता, कड़ी मेहनत, अनुशासन हमारी ताकत है और दया की आत्मा चमक है। इन तीनों का मेल ही एक इंसान को वास्तव में सुंदर बनाता है।

आरती जौहरी।

आरती जौहरी ने इससे पहले मिस लखनऊ विनर, मिस दिल्ली विनर, मिस यूनिवर्स अवध क्षेत्र से प्रतिनिधित्व कर चुकी है। इसके अलावा मिस इंडिया में फर्स्ट रनरअप भी रह चुकी है और 2026 में उन्होंने मिस इंटरनेशनल विनर बन के कानपुर का नाम रोशन किया है। शिक्षा की बात की जाए तो वे दो बार गोल्ड मेडल जीत चुकी है। यूनिवर्सिटी टॉपर भी रही है, एलएलबी करने के बाद वे वर्तमान में कानपुर विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रही हैं।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल

मौदहा (हमीरपुर)। हाईवे पर गुरुवार को एक ट्रक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नारायच गांव निवासी सबूरउद्दीन (18) पुत्र शरीफ उद्दीन और मुश्ताक अली (17) पुत्र मुहम्मद दोपहर हेलमेट लगाकर बाइक से मौदहा कस्बा आ रहे थे। तभी राठ तिराहे के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों की सूचना पर ट्रैफिक पुलिस के हेड कांस्टेबल जितेंद्र सिंह, कांस्टेबल जयप्रकाश और कांस्टेबल वीरेंद्र त्रिवेदी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में लिया।

ऑस्ट्रेलिया में टीएसएच के शिवम ने जीते तीन पदक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। टीएसएच (द स्पोर्ट्स हब) के प्रतिभाशाली पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी शिवम पाल ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट शहर में हुई आईटीटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर गोल्ड कोस्ट 2026 प्रतियोगिता में शिवम ने पुरुष एकल और मिश्रित युगल स्पर्धा में रजत पदक तथा पुरुष युगल वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। एक ही अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में तीन पदक जीतकर उन्होंने भारतीय पैरा खेल जगत में अपनी सशक्त पहचान स्थापित की है।

प्रतियोगिता के दौरान शिवम ने विश्वस्तरीय खिलाड़ियों के विरुद्ध अद्भुत आत्मविश्वास, संयम और तकनीकी दक्षता का परिचय दिया।

- पैरा टेबल टेनिस में अपना और कानपुर का नाम किया रोशन

शिवम पाल।

मिश्रित युगल मुकाबलों में उनकी आपसी समझ, तीव्र प्रतिक्रिया क्षमता और सटीक प्रहार निर्णायक सिद्ध हुए।

वहीं पुरुष युगल वर्ग में उनकी धारदार सेवा, सशक्त प्रत्युत्तर और रणनीतिक खेल ने प्रतिद्वंद्वियों को लगातार दबाव में रखा। प्रशिक्षक सत्यम मिश्रा ने बताया कि पुरुष एकल समेत सभी खिताबी मुकाबले में उन्होंने अंतिम अंक तक संघर्ष करते हुए रजत व कांस्य पदक सिरमौर करने में सफलता प्राप्त की है।

शिवम की इस उपलब्धि के पीछे टीएसएच में मिला सुनियोजित और वैज्ञानिक प्रशिक्षण महत्वपूर्ण रहा है। संस्थान में आधुनिक सुविधाओं के साथ शारीरिक सुदृढ़ता, सहनशक्ति, मानसिक दृढ़ता और तकनीकी अभ्यास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास और प्रतिस्पर्धी वातावरण ने उनके खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

घायल को देखने पहुंचे जनप्रतिनिधि

घाटमपुर। कुछ दिनों पहले सड़क दुर्घटना में रेउना निवासी संजय मिश्रा घायल हो गये थे। उनका कानपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। अब वे अपना इलाज कराकर अपने घर आ गये ।

रेउना कस्बा निवासी समाजसेवी अरविंद मिश्रा के भतीजे संजय मिश्रा का कुछ दिनों पहले सड़क हादसे में घायल हो गये थे। इस दुर्घटना में उनका पैर फैक्चर हो गया था। कानपुर के प्राइवेट नर्सिंग होम में उनका इलाज चलता रहा। जैसे ही वह अस्पताल से निकलकर अपने गांव पहुंचे वैसे ही उनके शुभचिंतकों ने पहुंचकर संवेदनाएं व्यक्त की । गुरुवार को गिरसी ग्राम प्रधान अशोक यादव, पंडित अवधेश अवस्थी समेत तमाम लोग उनका हालचाल लेने पहुंचे और उनके जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की।

घाटमपुर में युवती ने फांसी लगाकर दी जान, कोहराम

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के साढ़ थाना क्षेत्र के चिरली गांव में गुरुवार को एक युवती ने फांसी लगाकर जान दे दी। दोपहर के बाद जब उसकी मां बिमला घर पहुंची तो उसने देखा की उसकी सोलह वर्ष की पुत्री पंखे के सहारे साड़ी के फंदे से लटकी थी।

जानकारी के अनुसार परमेश दिवाकर के दो लड़के शोभित, शिवम व एक लड़की है, जिसका नाम शेजल उर्फ काजल है। उन्होंने बताया कि काजल अपने मामा के घर प्रयागराज में रहकर पढ़ाई करती थी। वह बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। वह बुधवार को अपने गांव चिरली आई थी। काजल की

- अपने मामा के घर प्रयागराज में रह कर पढ़ रही थी युवती
- आत्महत्या करने का कारण नहीं बता सके परिजन

मां आंगनबाड़ी में कार्यरत है। गुरुवार को वह स्कूल गई थी। वहां से वापस आने पर उसने देखा कि उसकी पुत्री पंखे के सहारे लटक रही थी। उसने शोर मचाया तो पड़ोसियों ने आकर देखा तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं साढ़ थाना प्रभारी ने बताया की काजल के चाचा के चाचा के तहरीर एवं सूचना के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

आयोजन | करौली शंकर महादेव मुक्ति धाम में आयोजित किया गया ध्यान योग साधना शिविर

नकारात्मकता के नाश व मानवता के कल्याण का लिया संकल्प

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री करौली धाम आश्रम में करौली शंकर महादेव के सानिध्य में आयोजित दो दिवसीय 'ध्यान योग साधना शिविर' का समापन हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य जनमानस को असाध्य शारीरिक रोगों, मानसिक संताप और नकारात्मक स्मृतियों के चक्रव्यूह से मुक्त करना था। देशभर से साधकों ने ध्यान की उन गहराइयों को छुआ। साधना की पूर्णाहुति के बाद साधकों ने अनुभव साझा किए।

करौली शंकर महादेव ने कहा कि मानव जीवन में बाधा उत्पन्न करने वाली समस्त असुरी और नकारात्मक शक्तियां जो 84 लाख योनियों के चक्र और मोक्ष में बाधा

शिविर में उपस्थित श्रद्धालु।

बनती हैं वे भगवान शिव, मां शक्ति द्वारा शापित हैं। इस अनुष्ठान के संकल्प से इन शक्तियों के क्षय और साधकों में आध्यात्मिक बल के संचार का मार्ग प्रशस्त हुआ है। कहा कि इस अनुष्ठान का पुण्य लाभ केवल वहां उपस्थित साधकों तक ही सीमित नहीं है। द्वितीय दिवस का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय रहा।

साधकों के साथ करौली शंकर महादेव ने रुद्राभिषेक किया। करौली शंकर महादेव ने कहा कि साधना का वास्तविक लक्ष्य व्यक्ति को स्वस्थ बनाना है। रोग चाहे शारीरिक हों या मानसिक, उनका मूल हमारी स्मृतियों में होता है। ध्यान कोई यांत्रिक या कृत्रिम क्रिया नहीं है, बल्कि यह एक 'घटना' है,

संबोधित करते करौली शंकर महादेव ।

जो सही समय और सही सानिध्य में स्वतः घटित होती है। इसीलिए हर साधक के अनुभव अलग और अद्वितीय होते हैं। उन्होंने आगे दोहराया कि दरबार का संकल्प पूरे विश्व को 'रोग, शोक और भय मुक्त' बनाना है। पूर्ण गुरु जी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह साधना केवल आश्रम तक सीमित नहीं है; आधुनिक तकनीक के माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति वीडियो के जरिए इस साधना से जुड़ सकता है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मेरे पुत्र के नगर पालिका परिषद फर्रूखाबाद द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र संख्या 930 दिनांक 26/07/2007 में पुत्र का नाम भूलवश जीत सिंह अंकित हो गया है, जबकि सही नाम आयुष सिंह (Ayush Singh) है। मेरे पुत्र को उपरोक्त दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। – **सुरजीत सिंह पुत्र राम प्रकाश निवासी 79 शिव नगर शहर व जिला फर्रूखाबाद।**

सूचना
मेरे पिता का नाम मेरे ड्राइविंग लाइसेंस नम्बर यूपी76 20150007445 में ब्रजभूषण दर्ज है, जबकि पिता का सही नाम ब्रजभूषण नाथ प्रधान है, जो मेरे आधार कार्ड व पैन कार्ड में भी दर्ज है। ड्राइविंग लाइसेंस में पिता का सही नाम ब्रजभूषण नाथ प्रधान (Brijbhushan Nath Pradhan) दर्ज किया जावे। **विनय प्रधान पुत्र श्री ब्रजभूषण नाथ प्रधान निवासी 4/51बी, मोहल्ला बजरिया हरलाल शहर व जिला फर्रूखाबाद।**

सूचना
मेरा नाम नरोत्तम पुत्र आनंद स्वरूप (Anand Svroop) और पता आलापुर पोस्ट सेरुआ, अलापुर कानपुर देहात है। यही नाम–पता वास्तविक और सही है। इसे विधिक मान्यता प्रदान की जाए। नरोत्तम पुत्र आनंद स्वरूप (Anand Svroop) निवासी आलापुर पोस्ट सेरुआ, अलापुर कानपुर देहात।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **गार्गी शुक्ला उर्फ पप्पी देवी पत्नी दिनेश कुमार निवासी पूरे सरवरियन का पुरवा मजरे पारी थाना जगतपुर, जिला रायबरेली** के नाम एलआईसी पालिसी संख्या 275181482 है। इसमें नाम पप्पी देवी है, जबकि अन्य दस्तावेजों में नाम गार्गी शुक्ला अंकित है। दोनों नाम एक ही महिला के हैं। भविष्य में किसी प्रकार की आपत्ति या भ्रम से बचने हेतु यह सूचना प्रकाशित कराई जा रही है।

सूचना
मैने अपना नाम SHEKHER PRATAP SINGH से बदलकर SHEKHAR PRATAP SINGH रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।S/0-SHANKAR PRATAP SINGH ADD-FLAT No-315 FI GANGA SAGAR APARTMENT 53 RAM TIRATH MARG NARHI DIST-LUCKNOW-226001 (U.P.)

सूचना
सर्व साधारण को सूचित करना है कि मैंने अपने पुत्र का नाम MHD NAWAZ AHMAD KHAN के स्थान पर MOHD NAWAZ AHMAD KHAN रख दिया है भविष्य में मेरे पुत्र को इसी नाम से जाना वा पहचाना जाए। **परवेज अहमद खान मियां सराय खैराबाद सीतापुर**

सूचना
पहले मेरा नाम MOHD SAHADAT HUSAIN था अब मैने बदलकर अपना नाम SAHADAT HUSSAIN रख लिया है भविष्य में मुझे SAHADAT HUSSAIN के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O-ALI HUSSAIN R/O- MOHALLA THOK POST-MISRIKH, SITAPUR

सूचना
पहले मेरा नाम MOHD FAISAL AHMAD था अब मैने बदलकर अपना नाम SYED FAISAL AHMAD रख लिया है भविष्य में मुझे SYED FAISAL AHMAD के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- SYED MUJEEB AHMAD R/O- 295/5-ASHARFABAD BALDA, LUCKNOW

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सर्विस बुक में मिथिलेश कुमारी एवं अन्य अभिलेखों आधार कार्ड आदि में मिथिलेश सिंह पत्नी अशोक कुमार सिंह निवासी चकसुंडा पोस्ट रहवां रायबरेली उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही है।

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD FIROJ KHAN से बदलकर FIROZ AHMAD KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-NAZEER ALI ADD-532 A/60 CHAUDHARI TOLA ALIGANJ DIST-LUCKNOW-226024 (U.P.)

सूचना
सूच्य हो कि मैं अपने सेवा तैनाती स्थल कंपोजिट विद्यालय कोटरा बहादुर गंज से दिनांक 18/02/2026 को ऊंचाहार आते समय रास्ते में मेरे कागजात कही खो गए है। जिसमें मेरा बीटीसी प्रमाण पत्र सन 1985– 86 भी खो गया है । **ओम प्रकाश त्रिपाठी पुत्र चंद्रिका प्रसाद त्रिपाठी निवासी ग्राम - मियां का पुरवा मजरे लौंदा , पोस्ट - रढौली तहसील - कुंडा (प्रतापगढ़)**

सूचना
सूचित हो कि मैं **कु0 गायत्री पुत्री परमात्मा ग्राम व पोस्ट कटरिया याकूबपुर तहसील अकबरपुर जनपद अम्बेडकर नगर** का स्थाई निवासी हूँ। मेरा हाईस्कूल अंक सह प्रमाण पत्र 2013 अनुक्रमांक 2725441 व प्रमाण पत्र संख्या 6435400 तथा इण्टरमीडिएट 2015 अनुक्रमांक 1770048 व प्रमाण पत्र क्रमांक 16430871 वास्तव में कही खो गया है। बहुत खोजबीन के बाद नहीं मिला।

सूचना
आधार कार्ड में मेरा नाम शोभा जायसवाल है, जबकि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम शोभा रानी जायसवाल अंकित है। ये दोनों नाम (शोभा जायसवाल और शोभा रानी जायसवाल) मेरे हैं एवं मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है।**–शोभा जायसवाल पत्नी रविन्द्र नाथ जायसवाल, निवासी 3/1/102 नियावां रोड, मुकेरीटोला, फैजाबाद, अयोध्या।**

सूचना
पहले मेरा नाम WASEULLA था अब मैने बदलकर अपना नाम VASI ULLA रख लिया है भविष्य में मुझे VASI ULLA के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O-FAJANULLA R/O- EKDANGA PURWA HARRAIYA JHUMAN INTYATHOK, GONDA

सूचना
सूचित किया जाता है की मैं **संजीव चन्द्र कॉजीलाल पुत्र स्व0 अमीया चन्द्र कॉजीलाल निवासी–153 एल्डिको ग्रीन्स गोमती नगर लखनऊ,** के अपने पुराने निवास भूखण्ड संख्या 440/11ए टी0जी0 न्यू सिविल लाईन्स लखनऊ की लीज डीड, रसीदे अन्य दस्तावेज रास्ते मे कही गिर गए। मो0–9839416738

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता का नाम माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र वर्ष 2019 अनुक्रमांक 5031935 और सीनियर स्कूल सेकेंडरी प्रमाणपत्र 2021 अनुक्रमांक 23601638 में इंग्लिश में RAMMURATH PAL दर्ज है जबकि मेरे पिता का वास्तविक नाम RAM MURAT PAL है। जिसको संशोधन करना अनिवार्य है। **शिवम पाल पुत्र राम मूरत पाल ग्राम– मालीपुर तहसील जलालपुर जनपद अम्बेडकरनगर**

सूचना
मैं **गौरव सिंह पुत्र परमजीत सिंह निवासी– तेलीबाग, मजिस्द के पीछे पी.जी.आई. रोड, लखनऊ,** मेरा नाम गौरव गाँधी व पिता का नाम धीरज गाँधी सभी दस्तावेजों पर अंकित है। मेरा नाम गौरव गाँधी व पिता का नाम धीरज गाँधी के स्थान पर नाम परिवर्तन करके अपना नाम गौरव सिंह एवं पिता का नाम परमजीत सिंह मेरे नये दस्तावेजों पर अंकित किया जाय।

सूचना
सूचित हो कि मेरे हाईस्कूल अंकपत्र में मेरे पिता का नाम Mohd Shaban Ali तथा माता का नाम Shabeena Bano अंकित है जो गलत है। जबकि मेरे आधार कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम Mohd Shaban तथा माता का नाम Shabeena अंकित है जो सत्य व सही है। अतः मेरे पिता का नाम Mohd Shaban तथा माता का नाम Shabeena ही मान्य समझा जाये। **अब्दुल अहद अली पुत्र मो0 शाबान निवासी– 105/109, मस्जिद वाली गली, हुसैनगंज, फूलबाग, लखनऊ, उ0प्र0।**

सूचना
सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र मोबिन का चाल चलन ठीक न होने के कारण उसे दिनांक 16.03.2017 को अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया था किंतु अब उसका चाल–चलन उत्तम हो गया है एवं अब वह मेरा कहना भी मानता है। इसलिए मैं अपने पुत्र को पूर्व में की गई बेदखली से बहाल करता हूँ और अपनी चल–अचल सम्पत्ति में पूर्ण अधिकार देता हूँ। यदि उसका चाल चलन कार्य भविष्य में उत्तम रहा। **मो0 फारूख पुत्र खालिक उर्फ सहजादे, निवास– फुलबाग मस्जिद, नई बस्ती पीरबटावन, तहसील नवाबगंज, जिला बाराबंकी, उत्तर प्रदेश।**

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

इफ्तार शुक्रवार शाम
सुन्नी: 6:07
शिया: 6:17

सहरी शनिवार सुबह
सुन्नी: 5:18
शिया: 5:10

पैगंबर मोहम्मद साहब ने फरमाया: रमजान में सहरी किया करो क्योंकि सहरी करने में बरकत है।

सिटी ब्रीफ

कुकर्म कर बनाया वीडियो, मुकदमा

कानपुर। चकेरी में नाबालिग के साथ इलाके के किशोर ने कुकर्म किया और वीडियो भी बना लिया। बच्चे ने जब आपबीती बताई तो पिता ने आरोपी के घर जाकर शिकायत की। आरोपी के परिजनों ने धमकाया। पीड़ित के अनुसार 13 वर्षीय बेटे को आरोपी कुछ दिन पहले अपने घर ले गया था, जहां उसने कुकर्म किया व वीडियो बनाया। बेटा डरा सहमा था। फुसलाकर पूछने पर उसने बताया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की गई है।

कुत्ते की पिटाई के वीडियो वायरल

कानपुर। हनुमंत विहार में गुरुवार को कुत्तों को डंडे से पीटने के दो वीडियो सोशल मीडिया वायरल हुए। दोनों सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए। एक व्यक्ति अलग-अलग समय पर कुत्तों की पिटाई करता दिख रहा है। कानपुर रेस्क्यू संस्था के संचालक राहुल भल्ला के साथी अमन शुक्ला ने बताया कि वीडियो में दिख रहा युवक अक्सर बेजुबान जानवरों को पीटता है। हनुमंत विहार थाना प्रभारी राजीव सिंह ने कहा कि तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

नशे में दौड़ाई कार पेड़ से टकराई

कानपुर। बर्रा के 80 फीट रोड पर गुरुवार को तेज रफ्तार कार ने कई लोगों को टक्कर मारी और बरगद के चबूतरे से जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार तेज रफ्तार थी। हादसे में बर्रा-2 निवासी अभिषेक सविता को टक्कर लगी। एक अन्य राहगीर भी चपेट में आया। हादसे में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस कार सवार अमन व अजय को कार समेत थाने ले गई। कार बर्रा-8 निवासी मोहित के नाम है।

देश के नौ राज्यों के विश्वविद्यालयों तक फैला था नेटवर्क, बाबुओं की मिलीभगत से चल रहा था खेल

ढाई लाख में बीटेक, डेढ़ लाख में लॉ कराने वाला गिरोह हत्थे चढ़ा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

किदवई नगर पुलिस के हाथ लगे गिरोह के चार आरोपी। अमृत विचार

- गिरोह के पास 900 डिग्रियां, मार्कशीट और मुहरें बरामद
- सरगना समेत 4 सदस्य दबोचे गए, बाकी की तलाश तेज

अमृत विचार। पुलिस कमिश्नरेट की किदवई नगर पुलिस ने बिना परीक्षा बीटेक, डी-फार्मा, बी-फार्मा व एलएलबी की डिग्रियां और हाईस्कूल-इंटरमीडिएट की मार्कशीट उपलब्ध कराने वाले सिंडीकेट का खुलासा किया है। सिंडीकेट का नेटवर्क देश के नौ राज्यों में फैला है। विश्वविद्यालय के बाबुओं की मिलीभगत से सालसाजी का गिरोह चल रहा था। डेढ़ से ढाई लाख रुपये में डिग्रियां देने वाले गैंग लीडर के साथ चार शातिरों को पुलिस ने दबोचा है, जबकि फरार सदस्यों की तलाश तेज हो गई है। पुलिस ने अलग-अलग विवि की 900 से अधिक मार्कशीट बरामद की हैं।

पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने सिंडीकेट का खुलासा करते हुए बताया कि मूलरूप से रायबरेली के ऊंचाहार का रहने वाला शैलेंद्र कुमार मुख्य सरगना है। वह किदवई नगर थाना क्षेत्र के साकेत नगर में कविशा अपार्टमेंट में रहता है। जूही गौशाला में उसका कार्यालय है। गणित से एमएससी पास शैलेंद्र पहले निजी स्कूल में शिक्षक था। इसके बाद दसवीं-बारहवीं के बच्चों को पास कराने का ठेका लेने लगा। इसके बाद अपना गैंग तैयार किया।

उन्होंने बताया कि गैंग का नेटवर्क यूपी, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, दिल्ली, मणिपुर, सिक्किम समेत कई राज्यों में फैला है। गिरोह के सदस्य विश्वविद्यालयों में जाकर बाबुओं से मेल-जोल बढ़ाकर उन्हें लालच देते। मोटी रकम और महंगे तोहफे देकर बाबुओं से मार्कशीट लेते और उसकी ऑनलाइन एंट्री भी कराते। मार्कशीट की जांच में असली ही लगती। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि शातिरों के पास से सीएसजेएमयू के प्रवासन प्रमाणपत्र (माइग्रेशन बुकलेट) और डिप्टी रजिस्ट्रार की नकली मुहर, 80 फर्जी माइग्रेशन सर्टिफिकेट बरामद किए गए हैं।

खुद दसवीं और इंटर पास: सरगना शैलेंद्र कुमार के अलावा पुलिस ने कौशांबी जनपद के चौराडीह निवासी नागेश मणि त्रिपाठी और पश्चिमी दिल्ली के रोहिणी सेक्टर पांच के जोगेंद्र को दबोचा है। दसवीं पास जोगेंद्र मौजूदा समय में गाजियाबाद के इंदिरापुरम में रहता है। वहीं चौथा आरोपी शुक्लागंज के इंदिरानगर का रहने वाला अश्वनी कुमार सिंह है, जो इंटर पास है।

सिंडीकेट के इन आरोपियों की तलाश: पूरे गिरोह का खुलासा होने के बाद पुलिस को कानपुर के शुभम दुबे, छतरपुर मध्य प्रदेश के मयंक भारद्वाज, हैदराबाद के मनीष उर्फ रवि, गाजियाबाद के विनीत, भोपाल मध्य प्रदेश के शेखू, रनियां कानपुर देहात निवासी छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के बाबू दिलीप और सिक्किम विश्वविद्यालय के आनंद की तलाश है।

इन यूनिवर्सिटी की मार्कशीट बरामद

- कानपुर सीएसजेएमयू की 357 मार्कशीट, फरीदाबाद लिंग्या विवि की 100 मार्कशीट, अलीगढ़ की मंगलायतन विवि की 40 मार्कशीट बरामद हुई है। सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की तीन मार्कशीट, झारखंड की प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की 23 मार्कशीट, मेरठ के स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी की 10 और उत्तराखंड की हिमालयन गढ़वाल यूनिवर्सिटी की 7 बी-फार्मा व एमपी छतरपुर की श्रीकृष्णा यूनिवर्सिटी की 102 मार्कशीट बरामद हुई है। वहीं फिरोजाबाद जेएस यूनिवर्सिटी, मणिपुर एशियन यूनिवर्सिटी, प्रयागराज माध्यमिक शिक्षा परिषद, सहारनपुर ग्लोकल यूनिवर्सिटी, ईटानगर हिमालयन यूनिवर्सिटी, हापुड़ मोनाड यूनिवर्सिटी व अलीगढ़ की जामिया यूनिवर्सिटी का नेटवर्क मिला है।

विश्वविद्यालय से लेते थे फेल छात्रों की जानकारी

- पुलिस के अनुसार यह सिंडीकेट वर्ष 2012 से शहर में काम कर रहा है। फेल होने वाले छात्रों का डेटा विश्वविद्यालय से जुटाते थे। इसके बाद छात्रों से संपर्क कर उसे बिना परीक्षा के पास कराने का लालच देते। छात्र के राजी होने पर उससे बदले में मोटी रकम की डिमांड करते। इस पूरे मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस गैंग से जुड़े सदस्यों की तलाश कर रही है। उन लोगों की भी जांच की जा रही है, जिन लोगों ने गैंग के माध्यम से डिग्रियां हासिल की हैं।

लोन और ठेकेदारी में डिग्रियों का प्रयोग

- पुलिस के अनुसार सिंडिकेट के पास डी-फार्मा, बी-फार्मा व बीटेक समेत अन्य प्रोफेशनल कोर्स की डिग्रियों के लिए ज्यादा लोग आते थे। पता चला कि लोग सार्टिफिकेट का प्रयोग अधिकांश ठेकेदारी व लोन पास कराने में करते थे। वहीं एलएलबी की मार्कशीट का प्रयोग अधिवक्ताओं को मुंशियों को दिलाया जाता था। वहीं कानपुर के नौशाद, सुजान, संदीप सिंह, रनधीर सिंह, रत्ना शुक्ला, विजय यादव, विशाल पाल, फैजान, शमशाद समेत दो दर्जन लोगों की एलएलवी की मार्कशीट बरामद हुई है।

> किदवई नगर पुलिस ने फर्जी मार्कशीट बनाने वाले अंतरराज्यीय गैंग का खुलासा कर सरगना समेत चार शातिरों को गिरफ्तार किया है। जल्दी ही फरार आरोपियों को दबोचा जाएगा। पकड़े गए आरोपियों को जेल भेजा गया है।
>
> – रघुबीर लाल, पुलिस कमिश्नर

भूखंड पर लगाए गए बोर्ड के साथ एसडीएम और तहसीलदार। अमृत विचार

बीआईसी की 11.26 हेक्टेयर नजूल भूमि पर प्रशासन ने ली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सिविल लाइंस, कूपरगंज और चुन्नीगंज में स्थित 11 भूखंडों की लीज समाप्त होने पर कार्रवाई

अमृत विचार। शहर के सिविल लाइंस, कूपरगंज व चुन्नीगंज में स्थित बीआईसी की लगभग 11.26 हेक्टेयर बहुमूल्य नजूल भूमि पर प्रशासन ने निर्णायक कार्रवाई करते हुए कब्जा ले लिया। अब यह भूमि प्रशासन के नाम दर्ज हो गई है। यह भूमि ब्रिटिश इंडिया कॉर्पोरेशन (बीआईसी) की मिल को आवंटित की गईं थीं। पट्टे पर दी गई नजूल की भूमि की लीज खत्म हो चुकी है। बीआईसी ने इसका किराया भी जमा नहीं किया था। ऐसे में इस भूमि का मालिकाना हक अब पुनः प्रशासन के पास आ गया है।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में एसडीएम सदर अनुभव सिंह व तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी के नेतृत्व में राजस्व एवं नजूल विभाग की संयुक्त टीम ने ब्लॉक संख्या 9, 11, 13 एवं 82-85 पर स्थित इन भूखंडों पर मौके पर पहुंचकर कब्जा लिया। प्रत्येक भूखंड पर सरकारी संपत्ति/नजूल भूमि होने का सूचनापट्ट स्थापित किया गया। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इन 11 संपत्तियों की पट्टा अवधि समाप्त हो चुकी थी। न तो लिक्विडेटर नियुक्त था, न फ्री-होल्ड कराने हेतु कोई धनराशि जमा की गई थी और न ही पट्टावधि विस्तार के लिए कोई वैध आवेदन नजूल अनुभाग में उपलब्ध था। लीज रेंट भी जमा नहीं किए गए थे तथा मौके पर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित पाई गईं, जो पट्टे की शर्तों के विपरीत हैं। शासन के 16 जनवरी 2026 के निर्देशों के अनुपालन में इन सभी भूखंडों पर पुनर्प्रवेश करते हुए उन्हें स्पष्ट रूप से अनावंटित सरकारी भूमि के रूप में दर्ज कर लिया गया है।

अब इन भूखंडों का प्रबंधन पूर्णतः शासकीय नियंत्रण में रहेगा और अभिलेखीय प्रविष्टियों की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश इंडिया कॉर्पोरेशन की मिल परिसंपत्तियों से जुड़ी यह भूमि लंबे समय से वैधानिक परीक्षण के दायरे में थी। नजूल मैनुअल के प्रावधानों के अनुसार शाश्वत पट्टा प्रतिबंधित है तथा निर्धारित सीमा से अधिक अवधि का नवीनीकरण संभव नहीं है।

सीएसए विवि के संघर्ष में 31 छात्र दोषी मिले

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- छात्रों पर अर्थदंड लगाने के साथ ही हॉस्टल से हुआ निष्कासन

अमृत विचार। सीएसए विवि में छात्रों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट में दोषी छात्रों को दंड दिया गया है। पूरे मामले में 31 छात्रों पर कार्रवाई हुई है। इनमें सभी छात्रों को दंड व कुछ को आर्थिक दंड की जद में लाया गया है। छात्रों को भविष्य में इस तरह के कृत्य न किए जाने की भी चेतावनी दी गई है।

विश्वविद्यालय में छात्रों के बीच हुई मारपीट के मामले में एक कमेटी गठित की गई थी। इस कमेटी ने अपनी जांच रिपोर्ट कुलपति को सौंपी थी। गुरुवार को सभी आरोपी छात्रों को दंड सुनाया गया। इनमें मुख्य आरोपी सात छात्रों को हॉस्टल से निकालने का आदेश जारी करते हुए उनपर आर्थिक दंड भी लगाया गया है। इसके अलावा अन्य आरोपी छात्रों को आर्थिक दंड तक सीमित रखा गया है। हॉस्टल खाली करने वाले छात्रों को 24 घंटे के भीतर अपना सामान लेकर हॉस्टल से जाना होगा। पूरा मामला शनिवार देर रात का है। सीएसए परिसर में वरुणा, शेखर व डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम छात्रावास के छात्रों में लाठी डंडे चले थे, जिनमें चार के सिर में चोट आई थी। डीएसडब्ल्यू ने पुलिस के साथ स्थिति संभाली थी। इसके बाद हॉस्टल में कड़ी सुरक्षा बरती जा रही थी। तीनों हास्टल के छात्रों को आफिस बुलाकर पूछताछ की गई थी। इसके बाद डीएसडब्ल्यू, चीफ वार्डेन, वार्डेन व सिक्योरिटी अफसर की बैठक हुई थी। बैठक के बाद छात्रों पर दंड तय किए गए हैं।

बच्ची की मौत पर भड़का गुस्सा, अस्पताल सील

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। कस्बे के एक नर्सिंग होम में उपचार के लिए भर्ती आठ वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। परिजनों ने गलत इंजेक्शन से मौत होने का आरोप लगा अस्पताल प्रबंधक व चिकित्सकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत की। पोस्टमार्टम के बाद गुरुवार सुबह शव को अस्पताल गेट के बाहर रखकर हंगामा काटा। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने जांच- पड़ताल कर अस्पताल को सील कर दिया है।

क्षेत्र के भट्ठाकोठी गांव निवासी जितेंद्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि उसकी 8 वर्षीय बेटी शिवानी को बुखार के चलते गत 16 फरवरी को उपचार के लिए कस्बा स्थित प्रकाश नर्सिंग होम में भर्ती कराया था।जहां

शिवानी।

- परिजनों ने गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगा काटा हंगामा

अस्पताल के संचालक व चिकित्सक डॉ अमित विश्वकर्मा व डॉ अखिलेश विश्वकर्मा ने प्लेटलेट्स कम होने की बात कह जांचें कराईं।रात भर चले उपचार के बाद अगले दिन मंगलवार सुबह छुट्टी देकर शाम को दोबारा अस्पताल आकर इंजेक्शन लगवाने की बात कही।

आरोप लगाया कि शाम को इंजेक्शन लगाने के 10 मिनट बाद ही बच्ची की हालत बिगड़ गई। जिस पर चिकित्सकों ने बच्ची को रामा अस्पताल ले जाने को कहा। जब तक अस्पताल ले जाने की तैयारी करते, बच्ची की मौत हो गई। जिस पर अस्पताल प्रबंधन ने शव को घर ले जाने का दबाव बनाया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

बच्ची की मौत के बाद बेसुध मां को संभालतीं महिलाएं। अमृत विचार

मामले में कोई कार्रवाई न होने से आक्रोशित परिजनों ने पोस्टमार्टम के बाद शव को अस्पताल गेट के बाहर रख कर हंगामा काटना शुरू कर दिया।

पुलिस के समझाने के बावजूद परिजन अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। लगभग 4 घंटे तक हंगामे के बाद कार्रवाई के आश्वासन पर परिजन शांत हुए और शव को अंत्येष्टि के लिए लेकर गए। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

एसीएमओ के साथ जांच टीम पहुची : प्रकाश नर्सिंग होम में उपचार के दौरान बच्ची की मौत की जानकारी पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने स्वास्थ्य टीम गठित पर जाकर जांच व कार्रवाई के निर्देश दिए। एसीएमओ डॉ रमित रस्तोगी टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। जांच-पड़ताल के दौरान स्वास्थ्य टीम को कई तरह की खामियां मिलीं, जिस पर टीम ने अस्पताल को सील कर दिया। गौरतलब है कि 9 फरवरी को बिठूर के राजा नर्सिंग होम में अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के चलते एनआईसीयू में भर्ती बच्ची की जलने से मौत हो गई थी। जांच के बाद उस अस्पताल को सील कर दिया गया था।

गर्मी का एहसास

24 घंटे में 6 डिग्री सेल्सियस बढ़ा न्यूनतम तापमान, अधिकतम तापमान भी सामान्य से 2 .7 डिग्री अधिक

मौसम का मिजाज बदला, सामान्य से अधिक तापमान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में मौसम ने तेज करवट ली है। इस करवट की वजह मौसम विशेषज्ञों ने पश्चिमी विक्षोभ को बताया है। हालात यह हुए कि न्यूनतम तापमान ने 24 घंटे के भीतर 6 डिग्री सेल्सियस की बढोतरी दर्ज की है। मौसम के इस बदलाव से वायरल फीवर जैसे लक्षण लोगों में दिखने लगे हैं। परेशनी की बात यह है कि इसमें बोर्ड परीक्षा के परीक्षार्थी भी शामिल है।

शहर में पश्चिमी विक्षोभ के असर से बुधवार रात बादल छाए रहे। जिससे रात के तापमान में बढोतरी दर्ज हुई। इसके अलावा गुरुवार भोर हुई बूंदाबादी से मौसम में लगभग 6 डिग्री सेल्सियस की बढोतरी की गई। जाती ठंड के बीच मौसम के इस बदलाव से न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो बुधवार को 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

उधर, अधिकतम तापमान की बात की जाए तो यह भी 27.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.7 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम में बदलाव लगातार जारी रह सकता है। शनिवार तक तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस का बदलाव संभव हो सकता है।

पश्चिमी विक्षोभ की कमजोरी से बदला मौसम: शहर में फरवरी का महीना इस बार बेईमान रहा। जाती हुई ठंड के बीच इस महीने अब तक बारिश नहीं हुई। मौसम वैज्ञानिक डॉ.एसएन सुनील पाण्डेय इसकी वजह कमजोर पश्चिमी विक्षोभ और इनकी संख्या में कमी को मान रहे हैं। उनका कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ मैदानी इलाकों में बारिश व पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी लाते हैं, जिससे सर्दियों का तापमान सामान्य रहता है। इस बार ऐसा न होने से तापमान में लगातार बढोतरी दर्ज की जा रही है। इनकी कमी से मौसम शुष्क और गर्म बना हुआ है।

परेशान करने लगी खांसी-जुकाम: फरवरी महीने में मौसम के बेईमान होने का असर शहरवासियों के स्वास्थ्य पर भी पड रहा है। क्लीनिक व अस्पतालों में वायरल फीवर, पेट की खराबी सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याएं लेकर लोग पहुंचने लगे हैं। ऐसे में बीमारी से ग्रसित लोग व बुजुर्गों को भी मौसम परेशान कर रहा है। खांसी व जुखाम बुजुर्गों व बच्चों में आम लक्षण डॉक्टर बता रहे हैं।

16.4 डिग्री सेल्सियस पहुंचा न्यूनतम तापमान

27.9 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया

परीक्षार्थियों के लिए मुसीबत बना मौसम

- इन दिनों बोर्ड की परीक्षाएं चल रही हैं। मौसम में यह बदलाव लगभग सवा लाख बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए भी मुसीबत भी माना जा रहा है। ऐसे में डॉक्टर परीक्षा दे रहे बच्चों को विशेष सतर्कता बरतने का सुझाव दे रहे हैं। उनका कहना है कि लापरवाही बरतने से मौसम में यह परिवर्तन तेजी से बीमारी ला सकता है। इसलिए बच्चों को अपने खानपान और जीवन शैली का खास ख्याल रखने की जरूरत है।

फिजीशियन की सलाह, भरपूर नींद और पौष्टिक आहार लेना जरूरी

- परीक्षा के बीच बदल रहे मौसम के दौरान बच्चों को सेहत का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है। वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. मनमीत सिंह ने बताया कि अभिभावकों को चाहिए कि बच्चे या परीक्षार्थी बीमार न पड़े इसके लिए उन्हें पर्याप्त नींद व पौष्टिक आहार का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। पौष्टिक आहार में फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन शामिल होना चाहिए। बहुत अधिक देर के कटे हुए फल और ठंडे पानी से बचाव करना चाहिए। 7 से 8 घंटे की नींद बच्चों को मिलनी चाहिए जिससे शरीर और दिमाग ताजगी महसूस करें। नियमित व्यायाम जरूरी है। इसके लिए योग या वॉक किया जा सकता है। इससे शरीर सक्रिय रहता है। बच्चों को चाहिए कि वे पर्याप्त पानी पिएं, जिससे शरीर हाइड्रेटेड रहे।

हिंदी परीक्षार्थियों का बदला प्रश्न पत्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कक्ष निरीक्षक से हुई बड़ी चूक यूपी बोर्ड तक पहुंचा मामला
- गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज पहुंचे छात्राओं के अभिभावक

अमृत विचार। यूपी बोर्ड परीक्षा में बुधवार को हुई हिंदी विषय की परीक्षा में गलत प्रश्न पत्र दे दिया गया। गुरुवार को अभिभावकों ने कॉलेज पहुंचकर केंद्र व्यवस्थापक को बताया। मामला खुलते ही शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। मामला सही पाए जाने पर अधिकारियों की ओर से इसकी सूचना बोर्ड को भेजी गई है। अधिकारी अब इन 8 परीक्षार्थियों के मूल्यांकन पर सहूलियत दिए जाने की बात कर रहे हैं। मामले में कक्ष निरीक्षक को भी नोटिस जारी किया गया है।

यूपी बोर्ड परीक्षा के दौरान बुधवार को हिंदी विषय का पेपर था। इस दौरान गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज सुंदर नगर परीक्षा केंद्र में कक्ष निरीक्षक ने सामान्य हिंदी के बजाय हिंदी व हिंदी के बजाय सामान्य हिंदी का प्रश्न पत्र वितरित कर दिया। 8 परीक्षार्थियों के बीच हुई इस चूक को परीक्षार्थी भी भांप नहीं सकीं। वे प्रश्न पत्र को हल कर घर चली गईं। घर में प्रश्नों के मिलान के दौरान यह सामने आया कि उन्हें गलत प्रश्न दिया गया है।

गुरुवार को इसकी सूचना देने छात्राओं के अभिभावक परीक्षा केंद्र पहुंचे। तब जाकर मामले का खुलासा हुआ। मामले की गंभीरता देख केंद्र व्यवस्थापकों की ओर से शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। जांच के दौरान मामला सत्य पाया गया। उधर अभिभावक कक्ष निरीक्षक की इस चूक की वजह से छात्राओं का भविष्य खराब होने की दुहाई देते रहे। ऐसे में शिक्षा विभाग के अधिारियों की ओर से यूपी बोर्ड को इसकी सूचना दी गई और छात्राओं के मूल्यांकन में सहूलियत दिए जाने की भी संस्तुति की गई है।

उधर, इस मामले में दोषी कक्ष निरीक्षक व केंद्र व्यवस्थापक को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। पूरे मामले में जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार राय ने बताया कि यूपी बोर्ड को सूचना भिजवा दी गई है। किसी भी छात्रा का हित प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। केंद्र व्यवस्थापक और कक्ष निरीक्षकों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।

नोटिस के बाद ड्यूटी पर पहुंचे कक्ष निरीक्षक

- उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा के पहले दिन ड्यूटी पर नहीं आए कक्ष निरीक्षक नोटिस जारी होने के बाद गुरुवार को परीक्षा केंद्रों में पहुंच गए। परीक्षा के पहले दिन परीक्षा कार्य से नदारद होने की वजह से 80 कक्ष निरीक्षकों को नोटसि जारी किया गया है। फिलहाल 15 ऐसे शिक्षक अभी भी हैं जिन्होंने अभी तक अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। शिक्षा विभाग की ओर से ऐसे शिक्षकों पर कार्रवाई किए जाने की बात की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

151 मोबाइल बरामद पाकर खिले चेहरे

कानपुर। सेंट्रल जोन सर्विलांस टीम ने करीब 31 लाख रुपये कीमत के 151 खोए मोबाइल बरामद कर मालिकों को लौटाए। मोबाइल पर पुरानी फोटो पाकर महिलाओं के चेहरे खिल उठे। डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव और सर्विलांस टीम ने गुरुवार को कार्यालय में 151 खोए मोबाइल उनके मालिकों को दिए। सर्विलांस टीम ने सीडीआर, सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन ट्रैकिंग से बरामद किए हैं।

बेटे का अपहरण कर बेचने का आरोप

कानपुर। जेके कालोनी की महिला के अनुसार 7 फरवरी को पड़ोसी आरती, उसकी मां व रिश्तेदार ने बहलाकर उनके बेटे का अपहरण कर लिया। खोजबीन में पता चला कि बेटे को आरती और उसके परिजनों ने भिक्षावृत्ति के लिए दिल्ली में बेचा है। थाने में सुवाई न होने पर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से शिकायत की। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह सेंगर ने बताया कि आरोपियों की तलाश है।

बादशाहीनाका थाने के करीब 38 लाख की चोरी

कुली बाजार में सूने मकान से 1.30 लाख कैश, 20 तोला सोना व ढाई किलो चांदी ले गए चोर, कलक्टरगंज एसीपी मौके पर पहुंचे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कलक्टरगंज एसीपी कार्यालय के पास बादशाहीनाका थाने से 60 मीटर दूर लोहा व्यापारी के बंद मकान को चोरों ने निशाना बनाया। ताले तोड़कर शातिर नकदी-जेवर समेत करीब 38 लाख का माल चोरी कर ले गए। अस्पताल में पत्नी का इलाज करा रहे व्यापारी गुरुवार सुबह घर पहुंचे तो चोरी का पता चला। ताले टूटे व सामान बिखरा देखकर व्यापारी सन्न रह गए। सूचना पाकर पहुंचे व्यापारी नेताओं ने पुलिस को खबर दी। एसीपी कलक्टरगंज आनंद ओझा को घटना की जानकारी देते व्यापारी फफक पड़े। एसीपी ने जांच-पड़ताल के बाद जल्द चोरों की गिरफ्तारी का भरोसा दिया है।

कलक्टरगंज एसीपी के सामने फफककर रो पड़ा पीड़ित।

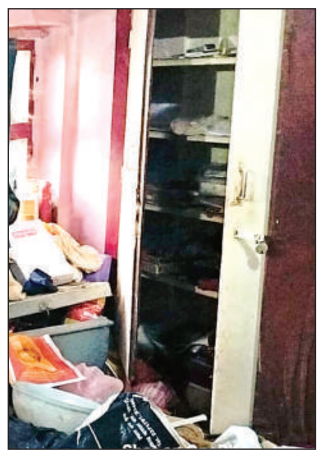

इसी अलमारी से नकदी-जेवर ले गए चोर।

- अस्पताल में भर्ती पत्नी की देखरेख कर रहे थे लोहा व्यापारी
- अस्पताल से सुबह घर नहाने पहुंचे तो मुख्य द्वार का टूटा था ताला

कुली बाजार निवासी संजय गुप्ता लोहा मंडी में दलाली के साथ इंश्योरेंस एजेंट का काम भी करते थे। कोरोना के समय अस्वस्थता के चलते उन्होंने काम बंद कर दिया था। संजय ने बताया कि एकलौती बेटी की शादी के बाद से वह पत्नी रोशनी के साथ रहते हैं। मंगलवार को पत्नी की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। इस पर उन्होंने पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया था। अकेले होने के कारण अस्पताल में ही रुककर पत्नी की देखरेख कर रहे थे।

गुरुवार सुबह जब घर नहाने गए तो मुख्य द्वार का ताला टूटा देखा। अंदर जाकर देखा तो सामान अस्त-व्यस्त था। अलमारी से नकदी-जेवर गायब देखकर पुलिस व व्यापारी नेताओं को चोरी की खबर दी। व्यापारी नेता विनोद गुप्ता, शेष नारायण त्रिवेदी ने पुलिस अधिकारियों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे एसीपी कलक्टरगंज आनंद ओझा ने जांच-पड़ताल की। संजय के अनुसार घर से करीब 1.30 लाख रुपये व 20 तोला सोना और ढाई किलो चांदी के जेवर समेत करीब 38 लाख का माल चोरी गया है। बादशाहीनाका थाना प्रभारी राहुल कटियार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्जकर की गई है। फिलहाल घटना संदिग्ध लग रही है। पीड़ित से ही पता चला है कि बुधवार रात 12 बजे तक उनकी बेटी घर पर मौजूद थी। जिस अलमारी से जेवर चोरी हुआ, उसका लॉक नहीं तोड़ा गया है। जांच की जा रही है। जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

एक दिन पहले कलक्टरगंज थाने के पास हुई थी चोरी

- कलक्टरगंज थाना व एसीपी कार्यालय से महज 60-70 कदम के दायरे में एक दिन पहले ही मंगलवार रात को चोरों ने तीन दुकानों में सेंध लगाकर चोरी की थी। दुकानों में गल्ला तोड़कर करीब एक लाख रुपये व दो गत्ता काजू ले गए थे। चोरी का पता चलने पर व्यापारियों ने नाराजगी जताई थी। शक्कर पट्टी निवासी व्यापारी राजेश गुप्ता, अंशुल गुप्ता व रोहित जैन की दुकान में चोरी हुई थी। दूसरे दिन बादशाहीनाका थाने के पास चोरों ने बंद घर के ताले तोड़ दिए।

विवाद में स्वास्थ्य कर्मी पर हमला

कानपुर। किदवईनगर के निराला नगर में मामूली विवाद के बाद दबंगों ने हैलट कर्मचारी पर जानलेवा हमला कर दिया। बीच-बचाव में युवकों को भी पीटा। पुलिस ने छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बर्रा निवासी जय तिवारी हैलट में कार्यरत हैं। सोमवार रात करीब साढ़े 8 बजे वह ड्यूटी पर जा रहे थे, तभी निराला नगर चौराहा के पास उनके बगल से एक कार लापरवाही से निकली। उन्होंने चालक को सही से कार चलाने को कहा तो कार सवार भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कुछ ही देर बाद वह छह साथियों के साथ पहुंचा और मिलकर उसे पीट दिया। राहगीरों ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो हमलावरों ने उन्हें भी पीटा। गाड़ियों पर तोड़फोड़ की। सूचना पुलिस पहुंची। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि बाइक सवार से मारपीट में तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हादसे में महिला की मौत, हेलमेट से बची पति की जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी में गुरुवार भोर पहर तेज रफ्तार दुग्ध वाहन ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। दंपति बाइक से उछलकर दूर जा गिरे। भागने के प्रयास में वाहन ने पत्नी को रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई, जबकि गंभीर घायल पति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। युवक हेलमेट लगाए था। बीते साल फरवरी माह में शादी हुई थी।

पनकी के सरायमीता निवासी दीपक कुमार रनिया के जैनपुर स्थित फैक्ट्री में नौकरी करते हैं। बीते साल आठ फरवरी को उसकी शादी चकेरी के अहिरवां की रहने वाली 28 वर्षीय निशा से हुई थी। परिवार में दीपक के पिता कमलेश, मां मुन्नीदेवी व दो भाई गोलू व ललित हैं। परिजनों ने बताया कि निशा करीब पांच दिन से अपने मायके में थी। पत्नी को विदा कराने दीपक गुरुवार भोर पहर बाइक से ससुराल गया था। दोनों घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में पटेलनगर स्थित एचएएल बाउंट्री के पास सुबह करीब छह बजे सामने से आए तेज रफ्तार दुग्ध वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी।

निशा।

हादसे के बारे में जानकारी देते परिजन।

घायल पति दीपक । अमृत विचार

- चकेरी के पटेन नगर में ओवरटेक करने के चक्कर में दुग्ध वाहन ने बाइक में सीधी टक्कर मारी

परिजनों के अनुसार सिंगल रोड पर सड़क किनारे कोई वाहन खड़ा था। जिसे तेज गति दुग्ध वाहन ने ओवरटेक किया और दंपती की बाइक में सीधी टक्कर मार दी। दोनों बाइक से उछलकर सड़क पर गिरे, तभी भागने के प्रयास में वाहन ने निशा को रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर घायल दीपक के कंधे व हाथ में फ्रैक्चर हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौत की खबर पर रोते-बिलखते परिजन पहुंचे। चचेरे भाई राजेश ने बताया कि दीपक को ड्यूटी पर जाना था, इसलिए सुबह 4 बजे घर से निकला था। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। चकेरी थाना प्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दुग्ध वाहन के बारे में पता लगाया जा रहा है। परिजनों की तहरीर पर कार्रवाई की जाएगी।

चकनाचूर हो गया हेलमेट, मगर बचा ली जान

- राजेश ने बताया कि दीपक हेलमेट पहनता था। दुग्ध वाहन की टक्कर के बाद वह बाइक से उछलकर सिर के बल गिरा, जिससे उसका हेलमेट चकनाचूर हो गया, लेकिन हेलमेट ने जान बचा ली। अगर दीपक हेलमेट न पहने होता तो सिर पर गंभीर चोट आती। ऐसे में उसे भी बचाना मुश्किल हो जाता।

रिश्तेदार ने चुराए 95 लाख के गहने

संवददाता, कल्याणपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर में जीएसटी इंस्पेक्टर के घर बचपन से रह रहे रिश्तेदार युवक ने अलमारी का लॉकर खोल उसमें रखें लगभग 95 लाख रुपए कीमत के गहने कई बार में पार कर उन्हें फतेहपुर के एक सर्राफा कारोबारी को बेंच दिए। पुलिस ने आरोपी रिश्तेदार व सर्राफा कारोबारी को गिरफ्तार कर चोरी का कुछ माल बरामद कर लिया है।

कल्याणपुर के आवास विकास तीन अंबेडकरापुरम निवासी मनोज कुमार कस्टम में जीएसटी इंस्पेक्टर है। जो वर्तमान समय बेंगलुरु में कार्यरत है। जिसके चलते उनकी पत्नी अनीता सरोज भी ज्यादा समय बेंगलुरु में ही रहती है। यहां घर पर उनकी मां सूरजकली व उनकी देखभाल के लिए ममेरा भाई आकाश उर्फ छोटू रहता है। पिछले हफ्ते अनीता जब घर आई, तो अलमारी में रखें गहनें मिले। शक होने पर उन्होंने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

पूछताछ में आकाश ने पिछले आठ माह के दौरान कई बार में गहने चोरी कर फतेहपुर के खागा निवासी सर्राफा कारोबारी अनिल कुमार उर्फ प्रिंस को बेचने की बात कबूली। जिस पर खागा पहुंची पुलिस ने आरोपी सर्राफा कारोबारी प्रिंस को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी का कुछ माल भी बरामद कर लिया। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पकड़ा गया रिश्तेदार और सर्राफ।

- रिश्तेदार समेत सराफा कारोबारी गिरफ्तार, जीएसटी इंस्पेक्टर के घर से चोरी का कुछ माल बरामद

लॉकर की डुप्लीकेट चॉबी बनवाई

- पूछताछ में ममेरे भाई आकाश ने बताया कि अलमारी का लॉकर खोलने के लिए उसने ताला- चाभी बनाने वाले को घर लाकर डेढ़ सौ रुपए में लॉकर की डुप्लीकेट चाभी बनवाई थी। जिसे इस्तेमाल कर उसने धीरे-धीरे लॉकर में रखें लाखों के गहने पार किए थे।

वकीलों को बुला दबाव बनाने का प्रयास

- पूछताछ के बाद आकाश को साथ लेकर पुलिस सर्राफा कारोबारी की दुकान खागा पहुंची, जहां सर्राफा कारोबारी प्रिंस के फोन पर दुकान पहुंचे कई वकीलों ने पुलिस पर गिरफ्तारी न करने का दबाव बनाने लगे। इस दौरान आरोपी प्रिंस ने पीड़िता से भी अभद्रता की। हालांकि चोरी का माल बरामद होने के बाद पुलिस के सख्ती करने पर वकील वहां से निकल गए।

घर में अकेली युवती ने फंदा लगा दी जान

कानपुर। सचेंडी में काम पर गई युवती फैक्ट्री से एक घंटे में ही घर लौट आई और कमरे में फंदा वगाकर जान दे दी। छोटे भाई स्कूल से लौटे तो शव लटका देखकर चीख-पुकार मच गई। पड़ोसियों ने काम पर गई मां को जानकारी दी। पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

भीमसेन के रामपुर निवासी स्व. अनिल कुमार की 20 वर्षीय बेटी सोनम इलाके की फैक्ट्री में नौकरी करती थी। मां चंद्रावती और दो छोटे भाई हैं। सोनम के पिता की करीब 15 साल पहले मौत हो गई थी। खर्च का चलाने के लिए मां फैक्ट्री में नौकरी करती है। तीन-चार माह से सोनम भी नौकरी करने लगी थी। गुरुवार सुबह मां के बाद सोनम भी काम पर गई थी, लेकिन एक घंटे बाद ही घर लौट आई। दोनों भाई स्कूल गए थे। दोपहर में भाई स्कूल से आया तो कमरे में बहन फंदे से लटकी थी। रोने की आवाज सुनकर पड़ोसियों ने उसकी मां व पुलिस को खबर दी। पुलिस की मौजूदगी में शव फंदे से उतारा गया।

गंभीर मुसीबत | नवाबगंज क्षेत्र में दहशत में डूबे लोग, नगर निगम का अभियान पड़ा ठप

चूहे खोखला कर रहे मकान, सांसत में जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नवाबगंज में चूहे शैतान बनकर पूरे क्षेत्र में घूम रहे हैं, जिनकी वजह से सैकड़ों लोग डर के साये में जीवन बीताने को मजबूर है। चूहें नवाबगंज में मकान की नींव और दीवारों में सुरंग खोदकर उनको जर्जर कराने का काम कर रहे हैं, जिसकी वजह से पूरी जमीन तक धंस जा रही है। लोगों को बल्लियों के सहारे मकान की छत गिरने से बचानी पड़ रही है। वहीं, नीचे सीवर का पानी भी भर जा रहा है।

शहर में बीते दिनों ब्रह्मनगर चौराहा, रामबाग ढाल व पीरोड पर नाला धंस गया था, जिनके मरम्मत का कार्य अब तक जारी है, लेकिन इसी बीच नवाबगंज क्षेत्र में चूहे ने एक मकान को इस कदर खोदा की उनकी नींव कमजोर होने से वह खोखली हो गई और फर्श पूरी तरह से धंस गई। नवाबगंज निवासी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि क्षेत्र में छोटे व बड़े काफी चूहें हैं, जिनके बिल कई जगहों पर है। बुधवार रात को वह अपने घर के बेड पर सोए थे, तभी देर रात अचानक उनका बेड जमीन के नीचे धंस गया और पक्की फर्श मलबे में तब्दील हो गई। इससे पूरा परिवार व आसपास पड़ोस के लोग काफी दहशत में आ गए और मामले की जानकारी क्षेत्रीय पार्षद राज किशोर यादव को दी।

नवाबगंज क्षेत्र में धंसी फर्श और उस पर भरा सीवर का पानी। अमृत विचार

गुरुवार सुबह जब मलबे को हटाने का प्रयास किया गया तो वहां पर सीवर का काफी पानी भर गया, जिसकी दुर्दंध से लोग और परेशान हो गए। इसी बीच मौके पर पहुंचे पार्षद ने जलकल विभाग की टीम को जानकारी देकर बुलाया। टीम ने मौके पर आकर काफी प्रयासों के बाद सीवर का पानी निकाला। पानी निकासी के बाद जब जलकल विभाग की टीम ने गहनता से जांच की तो पता चला कि चूहों ने जमीन के अंदर इतने सुराख कर दिए हैं कि पूरी जमीन ही पोली हो गई। साथ ही सीवर लाइन के चेबरों को भी खोखला कर दिया था।

कार्यालय : जिला कार्यक्रम अधिकारी, चित्रकूट

पत्रांकः 1644/जि0का0अधि0/ बा0वि0परि0/ विज्ञप्ति / 2025–26 दिनांकः 31–01–26

आंगनवाड़ी कार्यकत्री के पदों पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आंगनवाड़ी कार्यकत्री के पदों पर सीधी भतह्र हेतु निदेशालय पत्र संख्या सी–4332 / बा0वि0परि0/ आ0वा0स्था0/ दिनांक 27.01.2026 शासनादेश संख्या–1/1092245/ 2025/3313/58–1–2025 (1917687) दिनांक 17.09.2025 में वर्णित व्यवस्थानुसार जनपद के ग्रामीण परिक्षेत्रों में संचालित बाल विकास परियोजनाओं में आंगनवाड़ी कार्यकत्री के मानदेय पर आधारित रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सीधी भर्ती प्रकिया के तहत विभागीय वेब साइट http://upanganwadibharti.in पर ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। रिक्त पदों का परियोजनावार विवरण निम्नवत् हैः–

क्र0 सं0	परियोजना का नाम	ग्रामीण/शहरी	रिक्त पदों का विवरण
			आगंनवाड़ी कार्यकत्री
1	कर्दी	ग्रामीण	18
2	रामनगर	ग्रामीण	17
3	मानिकपुर	ग्रामीण	20
4	शहर	शहरी	02
5	पहाड़ी	ग्रामीण	17
6	मऊ	ग्रामीण	12
		कुल योग–	86

उपरोक्त पदों का ग्रामसभा/आंगनवाड़ी केन्द्रवार विवरण एवं आरक्षण सहित अर्हता का पूर्ण विवरण जनपद के कलेक्ट्रेट, विकास भवन, तहसील एवं विकास खण्ड इत्यादि कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है साथ ही विभागीय वेबसाइट http://upanganwadibharti.in पर अपलोड है।

विज्ञापित पदों की अर्हता एवं आवेदन पत्र भरने हेतु विशेष निर्देशः–

1. विज्ञापित पदों हेतु केवल महिला अभ्यर्थी ही पात्र होगें।
2. रिक्त पदों (आंगनवाड़ी कार्यकत्री) हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट एवं उसके समकक्ष तथा अधिकतम शैक्षिक योग्यता परास्नातक के आधार पर मेरिट तैयार की जायेगी।
3. आवेदिका को रिक्त पद के वार्ड/ ग्राम सभा की स्थाई निवासी होना अनिवार्य होगा। ग्राम सभा में उक्त श्रेणी में पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की स्थिति में सम्बन्धित न्याय पंचायत का स्थायी निवासी होना अनिवार्य होगा। नगरीय क्षेत्र में रिक्त पदों पर आवेदन करते समय ऑनलाइन जारी निवास प्रमाण पत्र में सम्बन्धित वार्ड क्रमांक / संख्या एवं सम्बन्धित वार्ड का नाम अनिवार्य रूप से अंकित होना चाहिए।
4. निवास व जाति प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में तहसील से ऑनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से निर्गत अद्यतन निवास व जाति प्रमाण पत्र ही मान्य होंगे, जिनका ऑनलाइन सत्यापन संभव हो।
5. कार्यकत्री पद के लिए आवेदिका की न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु 35 वर्ष के मध्य होना चाहिए। आयु की गणना हेतु कट ऑफ तिथि 01 जनवरी, 2026 होगी।
6. कार्यकत्री पद पर भर्ती हेतु बी0पी0एल0 श्रेणी के आवेदिकाओं को वरीयता प्रदान की जायेगी। बी0पी0एल0 श्रेणी का निर्धारण समाज कल्याण अनुभाग–2 उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश संख्या–22/2015/2123/26–2–2015 दिनांक 14 सितम्बर 2015 (यथा संशोधित) के अनुसार किया जायेगा।
7. आय प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में उ0प्र0 शासन के राजस्व अनुभाग–9 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या–3959/1–9–11–राज0–9 दिनांक 30.09.2011 (यथा संशोधित) के क्रम में सक्षम स्तर से निर्गत आय प्रमाण पत्र ही मान्य होगें, जिनका ऑनलाइन सत्यापन संभव हो।
8. विधवा हेतु ग्राम पंचायत अधिकारी / सम्बन्धित नगर निकाय द्वारा निर्गत मृत्यु प्रमाण पत्र एवं परिवार पंजिका की प्रमाणित नकल मान्य होगी।
9. तलाकशुदा एवं परित्यक्ता के सम्बन्ध में मा0 न्यायालय द्वारा निर्गत विधिक आदेश मान्य होंगे।
10. विज्ञापित पदों हेतु केवल विभागीय वेबसाइट http://upanganwadibharti.in पर ऑनलाइन आवेदन पर फार्म निर्धारित समयावधि के अन्दर ही स्वीकार्य होगें। ऑफलाइन आवेदन पत्र किसी भी दशा में मान्य/ स्वीकार नही किये जायेगें।
11. आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध फार्मेट ऑनलाइन व सही–सही सावधानी पूर्वक भरे जायेंगे। आवेदिका द्वारा अभिलेखों के स्व हस्ताक्षरित प्रति जो स्वच्छ व पठनीय हो पोर्टल http://upanganwadibharti.in पर अपलोड की जायेगी, जिनका उल्लेख उनके द्वारा ऑनलाइन फार्म में किया गया होगा। कोई भी आवेदन या अभिलेख / प्रपत्र ऑफ लाइन या डॉक द्वारा मान्य नहीं होगे। यदि आवेदन करने में कोई त्रुटि होती है या कोई तथ्य/ऑकड़े/ शैक्षिक अभिलेखों के प्राप्तांक / पूणांक गलत या कूट रचित पाये जायेंगे तो अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।
12. विज्ञापित पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि दिनांक 22.02.2026 की मध्य रात्रि 12:00 बजे तक होगी।
13. उपरोक्त विज्ञापित पदों की अर्हता एवं आवेदन करने की प्रकिया सहित विस्तृत प्रपत्र एवं सूचना विभागीय वेबसाइट http://upanganwadibharti.in पर उपलब्ध है साथ ही अधिक जानकारी हेतु विकास खण्ड के वाल विकास परियोजना कार्यालय अथवा विकास भवन में जिला कार्यक्रम अधिकारी (बाल विकास विभाग) कार्यालय से कार्यालय दिवस में निर्धारित समयानुसार जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
14. रिक्त पदों की संख्या घट–बढ़ सकती है। रिक्त पदों पर भर्ती करने अथवा न करने/भर्ती निरस्त करने का अधिकार चयन समिति में निहित होगा।

(पी0डी0 विश्वकर्मा)
जिला कार्यक्रम अधिकारी /
नियुक्ति प्राधिकारी
चित्रकूट।

सिटी ब्रीफ

आज और कल यहां नहीं आएगा पानी

कानपुर। बर्रा में हाईवे के किनारे गंदे नाले के ऊपर से गुजैनी वाटर प्लांट की 1100 एमएम व्यास की मुख्य पाइप लाइन है, जिसमें लीकेज होने के कारण दिनभर पानी बहता रहता है। इसको दुरुस्त करने के लिए जलकल विभाग के गुजैनी प्लांट से शुक्रवार की शाम से शनिवार की सुबह तक जलापूर्ति बंद रहेगी। इसके चलते 25 मुहल्लों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। जल निगम के जोन पांच के अधिशासी अभियंता ईश्वर सिंह ने बताया कि बर्रा एक से सात, रतनलाल नगर, दबौली, गुजैनी, साकेतनगर व उस्मानपुर समेत कई इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

सड़क हादसे में चली गई राहगीर की जान

कानपुर। चकेरी के श्यामनगर पीएसी मोड़ पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से पैदल राहगीर की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस पहचान के प्रयास कर रही है। पीएसी मोड़ बाइपास से गुरुवार दोपहर को एक युवक विपरीत दिशा से यशोदानगर की तरफ जा रहा था। तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन युवक को टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि युवक की जेब से पहचान के लिए कुछ भी नहीं मिला। शव पोस्टमार्टम भेजा गया है।

कोचिंग जाने के लिए निकली छात्रा लापता अपहरण की रिपोर्ट

कानपुर। बाबूपुरवा के बगाही भट्टा इलाके से 17 वर्षीय छात्रा लापता है। परिजनों ने अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई है। छात्रा की मां के अनुसार सोमवार शाम करीब चार बजे बेटी कोचिंग जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लगा। परिजनों का कहना है कि छात्रा मोबाइल पर किसी युवक से बात करती थी और आशंका है कि वही उसे ले गया है। पुलिस कॉल डिटेल खंगाल रही है। निरीक्षक महेंद्र सिंह ने बताया कि छात्रा पहले भी घर से जा चुकी है, मामले को गंभीरता से लेकर उसकी तलाश की जा रही है।

शेयर पर लगा ब्रेक, निवेशकों को 1800 करोड़ का झटका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। तीन दिन से शेयर बाजार में चली आ रही तेजी पर गुरुवार को ब्रेक लग गया। गुरुवार के सुबह बाजार खुला तो पॉजिटिव मूड में था, मगर अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध की आहट से थोड़ी ही देर में बिकवाली शुरू हो गई। इससे शहर के निवेशकों को 18 सौ करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

युद्ध की आशंका के चलते कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा गया और भाव 71 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए। अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले कमजोर संकेतों ने भी निवेशकों के सेंटीमेंट को प्रभावित किया। बाजार में गिरावट इतनी तेज थी कि बीएसई सेंसेक्स के सभी 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

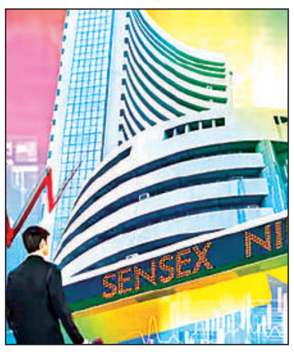

गिरावट के प्रमुख कारण ये रहे

अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ता तनाव
मुनाफावसूली का दबाव
कच्चे तेल की कीमतों में तेजी
इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स में उछाल

क्या करें निवेशक

- शेयर बाजार विशेषज्ञ राजीव सिंह ने बताया कि अमेरिका-ईरान तनाव जैसी भू-राजनीतिक घटनाएं अक्सर बाजार में अल्पकालिक घबराहट पैदा करती हैं। ऐसे में निवेशकों को जल्दबाज़ी में निर्णय लेने से बचना चाहिए। बाजार में आई तेज गिरावट भावनात्मक निर्णय लेने को उकसाती है, लेकिन लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह रणनीति नुकसानदेह हो सकती है। म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों के लिए यह गिरावट अवसर भी बन सकती है, क्योंकि कम एनएवी पर अधिक यूनिट्स मिलती हैं। अनुभवी निवेशक ऐसे समय में चरणबद्ध निवेश और एसेट एलोकेशन संतुलन की रणनीति अपनाते हैं।

ज्यादा जोखिम में निवेश अधिक

कानपुर। लम्बे समय से उठापटक के बावजूद म्यूच्यूअल फण्ड के शेयर बाजार आधारित योजनाओं में निवेशकों का रुझान बना हुआ है। इस बात की तस्दीक कर रहा है एम्फी द्वारा जारी किया गया नवीनतम डाटा। रिपोर्ट के मुताबिक, कानपुर सहित यूपी के निवेशकों का करीब 75 फीसदी रकम इक्विटी उन्मुख योजनाओं में लगा है। यानि हर सौ रुपये में लगभग 75 रुपये शेयर बाजार आधारित योजनाओं में निवेश हो रहा हैं। यह रुझान बताता है कि निवेशक लंबी अवधि के बेहतर रिटर्न के लिए शेयर बाजार आधारित विकल्पों पर भरोसा जता रहे हैं। एम्फी (असोसिएशन ऑफ़ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया) के द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, म्यूच्यूअल फण्ड निवेश में कानपुर देश में 14वें और प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। देश के औसत एयूएम में कानपुर की हिस्सेदारी 0.47 फीसदी है। अकेला कानपुर उत्तर प्रदेश राज्य के कुल निवेश का लगभग करीब 10 फीसदी योगदान देता है। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य का औसत एसेट अंडर मैनेजमेंट 3,87,958 करोड़ रूपये है। उत्तर प्रदेश के अन्य जिले देवरिया, जौनपुर, बस्ती, बलिया, गोंडा, मिर्ज़ापुर, ग़ाज़ीपुर, सीतापुर, उन्नाव, सुल्तानपुर, शाहजहाँपुर एम्फी के जोन-6 में शामिल हैं। इसका मतलब ये हुआ कि जिलों में म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

> कानपुर में निवेश का लगभग 3/4 हिस्सा इक्विटी योजनाओं में लगा हुआ है, जिससे यह साफ़ होता है कि निवेशक अब सुरक्षित विकल्पों से आगे निकलकर बाज़ार उन्मुख रणनीतियों को अपनाने लगे हैं।
>
> –राजीव सिंह, शेयर बाजार विशेषज्ञ

योजनाओं में निवेश

- इक्विटी उन्मुख योजनाएँ 74.63 फीसदी
- डेट उन्मुख योजनाएँ 11.30 फीसदी
- संतुलित योजनाएँ 6.83 फीसदी
- लिक्विड योजनाएँ 4.74 फीसदी
- एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स 2.12 फीसदी
- अन्य योजनाएं 0.38 फीसदी
- **इक्विटी योजनाएं :** शेयरों में निवेश, उच्च रिटर्न की संभावना, अधिक उतार-चढ़ाव।
- **डेट योजनाएं :** बॉन्ड/सरकारी प्रतिभूतियां, कम जोखिम, स्थिर आय।
- **संतुलित योजनाएं :** इक्विटी डेट का मिश्रण।
- **लिक्विड योजनाएं :** अल्पकालिक सुरक्षित निवेश।
- **एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) :** इंडेक्स/एसेट ट्रैकिंग, कम लागत, बाजार में ट्रेडिंग।

निजी हाथों में सौंपा गया बिजली बिल का जिम्मा

केस्को के कैश काउंटर की बागडोर संभालेगी फिनटेक कंपनी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

94 काउंटरों में जमा किए जाएंगे बिजली के बिल

123 कैशियर और गनमैन को हटाया गया

- अब चेक के जरिए इन काउंटर पर नहीं जमा हो सकेंगे बिजली बिल
- सैनिक कल्याण निगम के गनमैन और कैशियर को थमाया नोटिस

अमृत विचार। कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी ने अपने 94 कैश काउंटरों को निजी हाथों में सौंप दिया है। इन काउंटरों से केस्को ने सैनिक कल्याण निगम के 123 कैशियरों के साथ ही गनमैन को हटाने का भी नोटिस जारी किया है। हालांकि कुछ कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें बिना किसी सूचना या नोटिस के हटा दिया गया है। केस्को प्रबंधन के इस फैसले का दबी जुबान से विरोध भी शुरू हो गया है।

कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी के अंतर्गत करीब साढ़े सात लाख बिजली उपभोक्ता हैं, इनमें से अधिकांश उपभोक्ता केस्को के 94 कैश काउंटरों पर बिजली के बिल का भुगतान करते हैं। इन कैश काउंटरों पर अभी तक सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से बिजली के बिल की वसूली होती थी, लेकिन केस्को ने कुछ दिन पहले सैनिक कल्याण निगम के 123 कैशियरों के साथ ही गनमैन को हटाने का नोटिस जारी किया था। दोनों को मिलाकर करीब 600 कर्मचारी है।

वहीं, केस्को ने कैश वसूली के लिए फिनटेक कंपनी को पूरे काम का जिम्मा सौंपा है। केस्को के 40 काउंटरों में कंपनी ने ट्रायल के रूप में अपना काम शुरू कर दिया है। इस निजी कंपनी के कर्मचारी न सिर्फ बिजली बिल जमा करेंगे, बल्कि पूरे राजस्व की जिम्मेदारी भी इसी कंपनी की होगी. लेकिन उपभोक्ताओं को अब बिजलीघर को छोड़कर अन्य बिल और कैश काउंटरों में चेक स्वीकार करने की सुविधा भी उपभोक्ताओं को नहीं मिलेगी।

हालांकि केस्को प्रबंधन का कहना है कि यह कदम राजस्व प्रबंधन को अधिक पारदर्शी व प्रभावी बनाने के लिए उठाया गया है। वहीं, चेक व्यवस्था खत्म किए जाने का कारण केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक प्रतिमाह औसतन 20 चेक बाउंस हो रहे थे। इससे न केवल केस्को को राजस्व नुकसान होता था, बल्कि उपभोक्ताओं और विभाग दोनों के लिए विवाद की स्थिति बनती थी। केस्को में आधुनिकीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

एआई समिट में शामिल सीएसजेएमयू की टीम

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई समिट में अपने दो स्टार्टअप शामिल किए हैं। इस दौरान विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और उद्योग संगठनों के साथ बहु-संस्थागत एमओयू की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। समिट के दौरान विश्वविद्यालय के स्टार्टअप को सराहा भी गया।

समिट में विशेष रूप से हाल ही में निवेश प्राप्त करने वाले एआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म नेयसा और कौशल विकास व नवाचार को प्रोत्साहन देने वाले वाधवानी समूह के साथ हुई वार्ता को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बातचीत का केंद्र बिंदु पाठ्यक्रमों को दुनिया की कम्प्यूटिंग, डेटा गवर्नेंस और अनुप्रयुक्त शोध से जोड़ना रहा। विश्वविद्यालय की दो उभरती स्टार्टअप पहलों एसएनएस इनोविशन लैब्स (संस्थापकः सत्यान श्रीवास्तव) और अमैंडी लैब्स (संस्थापकः अमन सिंह) ने विशेष आकर्षण बटोरा। इन स्टार्टअप्स ने न केवल तकनीकी नवाचार प्रस्तुत किया, बल्कि छात्र-शिक्षक आधारित उद्यमिता मॉडल को भी रेखांकित किया।

रज्जन बाबू पार्क में आज से काम की शुरुआत नहीं हुई तो देंगे धरना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में इस बार ऐतिहासिक गंगा मेला 10 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा। गंगा मेला के संबंध में गुरुवार को हटिया रज्जन बाबू पार्क में मेला कमेटी की बैठक हुई, जिसमें पार्षद ने मेले में विघ्न डालने का आरोप लगाया। निर्णय लिया गया कि अगर शुक्रवार सुबह तक पार्क में अधूरे कार्य नहीं शुरू किए तो हटिया बाजार बंद रहेगा और धरना दिया जाएगा।

कमेटी के पदाधिकारियों का कहना है कि वार्ड 104 के भाजपा पार्षद अमित गुप्ता का फोन आया, पार्षद अमित ने फोन में कहा कि पार्क के गेट पर मेरे नाम का पत्थर लगेगा तो सब ने कहा कि पत्थर लगने की कोई परम्परा नहीं हैं, किसी का होली में आज तक कोई पत्थर नहीं लगा हैं। कोई नई परम्परा नहीं होगी तो उसने कहा की होली मेले का कोई कार्य नहीं होने देगें, कार्य हम अभी बंद करा देगे। जबकि पार्क की टीने टूटी है और पार्क का गेट भी तोड़ दिया गया। पार्क में टाइल्स लगने के लिए खोदकर छोड़ दिया हैं। पार्क की रगाई नहीं हुई है लाइटे बंद पड़ी है। पार्क की काफी दुर्दशा हैं। रंग ठेले मार्ग में बडे-बडे. गड्ढें हैं। वहीं, शाम को करीब साढ़े पांच बजे कार्य करें रहे ठेकेदार ने काम बंद करा दिया। जब हम लोगों ने पूछा कार्य क्यों बंद कर रहे हैं तो उसनें कहा मेरे पास मुख्य अभियंता ने कार्य बंद करने के लिए कहा हैं। जब नगर निगम के मुख्य अभियंता सैय्यद जैदी अफरीदी को कई बार फोन किया, लेकिन फोन नहीं रीसीव किया गया। अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र विश्नोई, महामंत्री विनय सिंह, कृतिग तिवारी, रोहित बाजपेई, सुशील सिंह व ऋषि तिवारी ने कहा कि अगर कार्य शुरू नहीं होता है तो बाजार बंद कर धरना दिया जाएगा।

रज्जन बाबू पार्क का गेट भी टूटा पड़ा है। अमृत विचार

- मेला कमेटी की बैठक में लिया गया निर्णय, कार्य शुरू नहीं होने पर बंद रहेगा हटिया बाजार

सदन में बोलते भाजपा विधायक अभिजीत सिंह सांगा। अमृत विचार

'बदलाव की जगह बदनाम बोल गए अखिलेश यादव'

कानपुर। विधानसभा में बजट सत्र के दौरान विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने चर्चा में हिस्सा लिया। कानपुर के विकास की चर्चा की। पिछले दिनों कानपुर आए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जाम को लेकर कानपुर को बदनामपुर कहा था। इस पर सांगा ने तंज कसा। कहा कि कानपुर का इतिहास पुराना है। कानपुर ने ही 1857 की क्रांति में अहम योगदान दिया। साथ ही कानपुर ही वह धरती है जो नानाराव पेशवा की कर्म भूमि रही है। अगर अखिलेश यादव कानपुर की मेट्रो, रिंग रोड और चौड़ी सड़कें देखते तो शायद कानपुर को बदनामपुर बोलने की गलती ना करते। उन्होंने वहां विकास की अनदेखी की।

आज इन इलाकों में नहीं रहेगी बत्ती

कानपुर। बसंत विहार, सिंहपुर, नवशील धाम, बर्रा चार, तीन व सात, तिकोनिया पार्क व गुजैनी में बिजली शुक्रवार सुबह 10 बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक नहीं रहेगी। झकरकटी में सुबह 11 बजे से शाम को साढ़े चार बजे तक, चैन फैक्ट्री, शिवली रोड में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक, स्वरूप नगर व खलासी लाइन में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक नहीं रहेगी।

तार टूटे, बत्ती गुलः पोखरपुर उपकेंद्र के गोल्फ क्लब फीडर में गुरुवार तड़के तीन बजे एचटी लाइन क्षतिग्रस्त होने से बत्ती गुल हो गई। मरम्मत के बाद सुबह करीब 9 बजे बिजली आई। इधर, विनायकपुर में एचटी लाइन व डिस्क क्षतिग्रस्त होने से सुबह नौ बजे से 11 बजे तक बिजली गुल रही।

उन्नाव के मगरवारा में गोकुलधाम योजना का 163 लोगों को लाभ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- लॉटरी के माध्यम से आवेदकों को मिला योजना का लाभ

अमृत विचार। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत गुरुवार को मेसर्स ट्रेड स्टोन लिमिटेड ने प्रस्तावित मगरवारा (उन्नाव) के गोकुलधाम योजना के तहत 163 आवेदकों को फ्लैट लाटरी के माध्यम से दिया गया। 25 आवेदकों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया। केडीए के मुताबिक योजना में पूर्व में आवंटित फ्लैट में कोई आवंटी रिफंड व निरस्तीकरण कराता है तो उसे आरक्षण के आधार पर आवंटन किये जायेगें।

उप जिलाधिकारी व विशेष कार्याधिकारी डॉ.रवि प्रताप सिंह ने बताया कि यह फ्लैट निजी विकासकर्ता मेसर्स ट्रेड स्टोन लिमिटेड द्वारा मगरवारा (गोकुलधाम) योजना उन्नाव में आरक्षित श्रेणी के अवशेष रिक्त फ्लैटों के आवंटन के लिए उपलब्ध कराये गये थें। चार फरवरी 2025 से पांच मार्च 2025 तक तक पंजीकरण फार्म निर्धारित बैंक के माध्यम से जमा कराये गए। बैंक द्वारा निर्धारित तिथि में 242 पंजीकरण फार्म उपलब्ध कराए गए, जिसके सापेक्ष सूडा व डूडा द्वारा पात्र चयनित 221 आवेदकों की सूची तैयार की।

आवेदनकर्ता के विवरणानुसार प्राधिकरण सूचना पट व प्राधिकरण की वेबसाइट पर अपलोड कर सात जनवरी 2026 से 15 जनवरी 2026 तक आपत्ति मांगी गई, जिनके सापेक्ष प्राप्त आपत्तियों का सुधार करते हुए लाटरी कार्यक्रम प्राधिकरण भवन के भूतल पर स्थित अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षागृह में निर्धारित किया गया। लाटरी की शुरुआत सचिव अभय कुमार पाण्डेय ने की और लाटरी में नामित सदस्यों में उन्नाव डीएम द्वारा नामित एडीएम व परियोजना अधिकारी द्वारा नामित अधिकारी परियोजना अधिकारी के साथ प्राधिकरण स्टाफ, प्राधिकरण सुरक्षा बल व क्षेत्रीय स्वरूप नगर थाना के पुलिस बल की मौजूदगी में संपन्न हुई।

जन्मोत्सव कार्यक्रम में अपने विचार रखते वक्ता। अमृत विचार

शिवाजी की जयंती पर मना उत्सव

कानपुर। कल्याणपुर के केशवपुरम आवास-विकास-1 में छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव मनाया गया। उन्हें हिंदू धर्म का ध्वजवाहक बताते हुए स्मरण किया गया। मुख्य वक्ता एसपी वर्मा, अवधेश करियार, शशि सचान, सुनील करिभार, शैलेन्द्र गंगवार व राजू कटियार ने चित्र पर माल्यार्पण कर भगवाध्वज फहराया। एसपी वर्मा ने कहा कि शिवाजी ने औरंगजेब की बर्बरता के बाद भी हिंदु धर्म की रक्षा का प्रण नहीं छोड़ा। उन्होंने दासता की जंजीरों को तुड़वाकर लोगों की रक्षा की। मुगल सल्तनत की कट्टरता और अनीति के खिलाफ लोगों को जागृत किया। इस दौरान सीके वर्मा, आदित्य सचान, रामतीरथ, अरविन्द, रामेन्द्र सिंह सचान, राजन सिंह, नमिता, ऐके सिंह, शुशी कुरील, दिनेश, विपिन कनौजिया व मुकेश रहे।

बदलेंगे दिन | सीएम वैश्विक नगरोदय योजना से बदलेगा कॉलेज का स्वरूप, बुनियादी ढांचे को मिलेगा नया विस्तार

एएनडी व नगर निगम इंटर कॉलेज होंगे हाईटेक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। योगी सरकार प्रदेश में बेटियों की शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास के लिए लगातार बड़े कदम उठा रही है। इसी क्रम में नगर निगम द्वारा संचालित आचार्य नरेंद्र देव (एएनडी) महिला महाविद्यालय और सर्वोदय नगर स्थित नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज का कायाकल्प होगा। नगर निगम की ओर से सीएम वैश्विक नगरोदय योजना के तहत एएनडी कॉलेज के लिए 5 करोड़ रुपये और नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज, काकादेव के लिए 3 करोड़ रुपये की धनराशि की मांग की गई है।

अब तक नगर निगम द्वारा संचालित होने के बावजूद एएनडी कॉलेज बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। कक्षाओं का इंफ्रास्ट्रक्चर पुराना हो चुका है, जिससे छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होती है, लेकिन योगी सरकार के इस 'बड़े मास्टरप्लान' के बाद, कॉलेज के स्वरूप को पूरी तरह री-डिजाइन किया जाएगा।

यहां बिल्डिंग का सुदृढ़ीकरण और आधुनिक लैब की स्थापना होगी। सर्वोदय नगर स्थित नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज के लिए भी 3 करोड़ रुपये मांगे गए हैं, जिससे माध्यमिक स्तर पर भी छात्राओं को बेहतर माहौल मिले। इस धनराशि से स्कूल का इंफ्रास्ट्रक्चर ठीक किया जाएगा। पढ़ाई को स्मार्ट बनाया जाएगा।

आचार्य नरेंद्र देव नगर निगम महिला महाविद्यालय के दिन जल्द ही बहुरेंगे। अमृत विचार

08 करोड़ रुपये से किया जाएगा कायाकल्प

02 कालेजों का शासन स्तर से किया गया चयन

> मुख्यमंत्री की प्राथमिकता नगर निगम के स्कूलों और कॉलेजों को निजी संस्थानों से भी बेहतर बनाना है। दो कॉलेजों के लिए 8 करोड़ का फंड मांगा गया है। फंड मिलते ही जल्द टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करेंगे ताकि कक्षाओं को हाईटेक इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस किया जा सके।
>
> – कैलाश पति, अधिशाषी अभियंता नगर निगम

> बेटियों की बेहतर और प्रतिस्पर्धी शिक्षा के लिए हमें 'हाईटेक संसाधनों' की सख्त जरूरत है। पुरानी और खस्ताहाल कक्षाओं के कारण चुनौतियां बहुत हैं, लेकिन अब डिजिटल बोर्ड और स्मार्ट सुविधाओं से हमारी छात्राएं देश के बड़े कॉलेजों के साथ कंधे से कंधा मिला सकेंगी। यह योगी सरकार का बेटियों के भविष्य के प्रति अटूट विश्वास है।
>
> – डॉ. ऋतंभरा, प्रिंसिपल एएनडी कॉलेज

महिला से चेन लूटी, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

कानपुर। रावतपुर थाना क्षेत्र के नमक फैक्ट्री के पास गुरुवार देर शाम घर के बाहर टहल रही एक महिला से बाइक सवार बदमाशों ने सोने की चेन लूट ली और फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मूल रूप से प्रतापगढ़ निवासी 55 वर्षीय सुशीला वर्तमान में चंडीगढ़ के सेक्टर-32 में रहती हैं। करीब एक माह पूर्व वह अपने पैतृक घर प्रतापगढ़ आई थीं। बुधवार को वह चंडीगढ़ लौटने के लिए घर से निकली थीं और लखनऊ से ट्रेन की सीट बुक कराई थी, लेकिन रास्ते में देरी के कारण ट्रेन छूट गई। इसके बाद वह रावतपुर स्थित नमक फैक्ट्री के पास रहने वाली अपनी छोटी बहन पुष्पा देवी के घर आ गईं। गुरुवार देर शाम वह बहन के घर के बाहर टहल रही थीं।

चुनाव अधिकारी का हुआ चयन

गुमटी व्यापार मंडल के चुनाव अधिकारी बनाए गए मुकेश शुक्ला का माल्यार्पण कर स्वागत करते व्यापारी। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुमटी नं 5 व्यापार मण्डल की गुरुवार को एक बैठक हुई। बैठक में व्यापार मण्डल के वर्तमान पदाधिकारियो ने मार्च मे होने वाले मण्डल के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी को नियुक्त किया।

इसमें व्यापार मण्डल के चुनाव कुशलतापूर्वक करा चुके पुर्व नगर व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष (कांग्रेस) मुकेश शुक्ला का नाम सर्वसम्मति से तय किया गया। बैठक मे अन्य मुद्दे भी तय किये गये।

बताया गया कि कुल पांच पदो के लिए चुनाव होंगे। पिछले चुनाव तीन पदो के लिए थे। अब वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के अतिरिक्त पदो के चुनाव भी सम्पन्न कराये जायेगें। चुनाव बाद 21 व्यापारिओ की कार्यकारणी भी घोषित की जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता वर्तमान अध्यक्ष राजे गुप्ता, महामंत्री नरेश भाटिया, अशोक अरोडा, रमेश भाटिया, गुरूमीत सागरी, राजेश भसीन, परवीन गुप्ता, अजायब सिंह, प्रताप नारायन मिश्रा, नरेश अरोडा, टोनी खनूजा उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

किसानों को दिया प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में बिहार सरकार के कृषि विभाग द्वारा 30 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने किसानों को पशुपालन तथा उसके प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। उन्होंने किसान से कहा कि बकरी पालन व्यावसायिक उत्तम व्यवसाय है। जिसे एटीएम भी कहा जाता है।

छात्रों ने मनाई जयंती

कानपुर। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर छात्रों ने मोतीझील स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। छात्र नेताओं ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक किया। इस दौरान अमन यादव, गौरांग पांडेय, शुभम सिंह, आर्यन ठाकुर, युवराज ठाकुर, आर्यन शुक्ला, अभिनव श्रीवास्तव, संजय सिंह, देव राय, विष्णुपाल, अमन वाजपेयी मौजूद रहे।

टेककृति के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

कानपुर। सबसे बड़े तकनीकी और उद्यमिता महोत्सव टेकक्रिति के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है। पंजीकरण ऑनलाइन हो रहे हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा आयोजित यह महोत्सव 32वें संस्करण में प्रवेश कर चुका है। संस्थान की ओर से बताया गया कि टेकक्रिति छात्रों, नवप्रवर्तकों और तकनीकी उत्साही लोगों के लिए एक प्रमुख मंच है। जो भारत और विदेशों से प्रतिभागियों को आकर्षित करता है। इस महोत्सव में तकनीकी प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं, विशेषज्ञ व्याख्यानों और नवाचार प्रदर्शनियों जैसी विविध गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। टेकक्रिति में प्रतिभागियों को उद्योग के विशेषज्ञों के साथ संवाद करने, नवाचार प्रस्तुत करने और प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता के नवीनतम विकासों का अनुभव करने का अवसर मिलेगा। यह महोत्सव प्रतिभागियों के लिए एक जीवंत मंच तैयार करता है, जहां सीखने, सहयोग करने और वैश्विक स्तर के साथियों, मेंटर्सऔर नवप्रवर्तकों से संपर्क बनाने का अवसर है। तकनीकी उत्साही और नवप्रवर्तक अब https://techkriti.org पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

साथी एप को वैश्विक एआई शिक्षा केसबुक में मिला स्थान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एआई सक्षम साथी एप का नया संस्करण हुआ लांच

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर के साथी एप को वैश्विक एआई शिक्षा केसबुक में स्थान हासिल हुआ है। जिसका विमोचन इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में किया गया है। साथी (सेल्फ एसिस्मेंट, टेस्ट एंड हेल्प फॉर इंट्रेंस एक्जाम) एप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर की ओर से विकसित किया गया है। जिसे शिक्षा मंत्रालय का समर्थन प्राप्त है।

आईआईटी कानपुर की ओर से बताया गया कि यह सम्मान साथी की उस भूमिका को दर्शाता है, जिसके माध्यम से यह एक बड़े स्तर का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म बनकर पूरे भारत के छात्रों, खासकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों के विद्यार्थियों, को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यक्तिगत परीक्षा तैयारी की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। बताया गया कि इस दौरान टीम ने साथी प्लेटफॉर्म के नए एआई-सक्षम संस्करण के लॉन्च की भी घोषणा की। यह भी बताया गया कि इसमें कई उन्नत सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के तरीके को और प्रभावी बनाने के लिए तैयार की गई हैं। उन्नत साथी प्लेटफ़ॉर्म में एआई कन्वर्सेशनल ट्यूटर द्वारा कॉन्सेप्ट समझने में मार्गदर्शन, एआई डाउट सॉल्वर और विजुअल प्रॉब्लम सॉल्वर से तुरंत समाधान, व्यक्तिगत अध्ययन योजना और एडैप्टिव लर्निंग पाथ, एआई मॉक टेस्ट शामिल किया गया है। इसी तरह विस्तृत प्रदर्शन विश्लेषण, कन्फ्यूजन डिटेक्शन और मेमोरी सपोर्ट टूल, एआई स्मार्ट समरी, कटऑफ प्रिडिक्शन और करियर काउंसलिंग सहायता, शिक्षकों के लिए एआई टीचिंग असिस्टेंट टूल, तथा छात्रों की निरंतर पढ़ाई के लिए मोटिवेशन और एंगेजमेंट फीचर शामिल हैं।

साथी जेईई, नीट, सीयूईटी, क्लेट, एसएससी, आरआरबी, आईबीपीएस और आईसीएआर सहित कई प्रमुख राष्ट्रीय परीक्षाओं की तैयारी में सहायता प्रदान करता है। यह छात्रों को बहुभाषी अध्ययन सामग्री पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध कराता है। इस उपलब्धि पर आईआईटी कानपुर के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म दिखाता है कि एआई का जिम्मेदारी के साथ राष्ट्रीय स्तर पर उपयोग करके सीखने के परिणामों को बेहतर बनाया जा सकता है। इसके साथ ही सभी के लिए पहुंच और समावेशन भी सुनिश्चित किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय केसबुक में शामिल होना एआई आधारित शिक्षा नवाचार के क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक पहचान और समान अवसर वाली शिक्षा के लिए तकनीक के उपयोग की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

हर छात्र तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना लक्ष्य

- साथी का लक्ष्य है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर छात्र तक पहुंचे। चाहे उसकी आर्थिक स्थिति या भौगोलिक स्थान कुछ भी हो। यह प्लेटफॉर्म पूरी तरह निशुल्क लर्निंग संसाधन, एआई आधारित व्यक्तिगत तैयारी और अनुभवी शिक्षकों व विषय विशेषज्ञों से मेंटरशिप सहायता प्रदान करता है। छात्र बिना किसी शुल्क के वीडियो लेक्चर, अभ्यास प्रश्न, मॉक टेस्ट, डाउट सॉल्विंग टूल, एडैप्टिव स्टडी प्लान और करियर गाइडेंस प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, साथी संरचित मेंटरशिप भी देता है ताकि छात्र प्रेरित रहें, आत्मविश्वास बढ़ाएं और लगातार मार्गदर्शन से बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

यूनाइटेड पब्लिक स्कूल पहुंचे अभिनेता गौरव खन्ना। अमृत विचार

म्यूजिक एंड आर्ट गैलरी पहुंचे अभिनेता

कानपुर। अभिनेता गौरव खन्ना ने रोहतगी म्यूजिक एंड आर्ट गैलरी, यूनाइटेड पब्लिक स्कूल का दौरा किया। टेलीविजन जगत के अभिनेता गौरव खन्ना कानपुर के निवासी है। वे बिग बॉस सीजन19 के और मास्टर शेफ के विजेता के रूप में सुर्खियों में हैं। गुरुवार को अपने माता-पिता बाला और विनोद खन्ना के साथ रोहतगी म्यूजिक एंड आर्ट गैलरी, यूनाइटेड पब्लिक स्कूल पहुंचे। छात्रों और शिक्षकों के बीच उनका यह दौरा बेहद उत्साहजनक रहा। गौरव खन्ना ने कानपुरवासियों से उनकी उपलब्धियों के बारे में बातें साझा कीं और कला व संगीत के महत्व पर प्रकाश डाला।

पॉलिटेक्निक में 'स्मार्ट' पढ़ाई से निखरेगा युवाओं का 'स्किल'

10 स्मार्ट क्लास रूम किए जा रहे तैयार, तीन का काम लगभग हो चुका पूरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 3-डी एनीमेशन, वर्चुअल लैब से सुलझेंगे जटिल फॉर्मूले और मिलेगा बेहतर प्लेसमेंट
- राजकीय पॉलिटेकनिक को हाईटेक बनाने की तैयारी शुरू प्रतिस्पर्धा में सक्षम होंगे युवा

अमृत विचार। योगी सरकार का डिजिटल इंडिया मिशन प्रदेश के तकनीकी संस्थानों में जमीन पर तेजी से उतर रहा है। इसी क्रम में राजकीय पॉलिटेक्निक को पूरी तरह हाईटेक बनाने की तैयारी चल रही है। तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए यहां 10 स्मार्ट क्लासरूम बनाए जा रहे हैं। इससे न केवल पढ़ाई का तरीका बदलेगा बल्कि प्रदेश के युवा सीधे वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकेंगे।

हाईटेक पॉलिटेक्निक के लिए जरूरी डिजिटल बोर्ड, हाई-डेफिनिशन प्रोजेक्टर, इंटरेक्टिव स्क्रीन और हाई-स्पीड इंटरनेट उपकरणों की पूरी खेप कॉलेज परिसर में पहुंच चुकी है। तीन स्मार्ट क्लासरूम लगभग बनकर तैयार हो चुके हैं, जिनमें टेस्टिंग का काम सफल रहा है। बाकी सात क्लासरूम का काम भी जल्दी ही पूरा कर लिया जाएगा। यह नई व्यवस्था किसी एक विभाग तक सीमित नहीं रहेगी। मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस जैसी सभी कोर ब्रांच के छात्रों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

स्मार्ट क्लास से छात्रों में रटने की प्रवृत्ति खत्म होगी और उनका प्रैक्टिकल ज्ञान बढ़ेगा, जो सीधे तौर पर उनके प्लेसमेंट और स्किल डेवलपमेंट में मददगार साबित होगा।

इन पर रहेगा ज्यादा फोकस

- 1. मैकेनिकल और सिविल : जटिल इंजनों की कार्यप्रणाली और बड़े ब्रिजों के स्ट्रक्चरल डिजाइन को अब 3-डी एनीमेशन के जरिए क्लास में ही 'लाइव' देखा जा सकेगा।
- 2. इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स : कठिन सर्किट डायग्राम और चिप लेवल की कोडिंग को शिक्षक बड़ी स्क्रीन पर वीडियो ट्यूटोरियल के माध्यम से समझा पाएंगे।
- 3. वर्चुअल सिमुलेशन : कई बार महंगी मशीनों पर प्रैक्टिकल करना जोखिम भरा होता है, जिसे अब स्मार्ट बोर्ड पर सिमुलेशन के जरिए सुरक्षित रूप से सीखा जा सकेगा।

> हम तकनीकी शिक्षा को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ला रहे हैं। हमारे पास सभी जरूरी उपकरण और एलईडी स्क्रीन आ चुकी हैं। इंस्टालेशन का काम बहुत तेजी से चल रहा है। हमारा लक्ष्य है कि पॉलिटेक्निक से निकलने वाला हर छात्र सीधे इंडस्ट्री की आधुनिक मशीनों पर काम करने के लिए पूरी तरह से सक्षम हो।
>
> -मुकेश चंद्र आनंद, प्रधानाचार्य, राजकीय पॉलिटेक्निक, कानपुर

'किराए के मकान' ने खूब गुदगुदाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

'किराए का मकान' नाटक का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

- प्रयागराज की माध्यम' संस्था ने प्रस्तुत किया भावपूर्ण नाटक

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित संभागीय नाट्य समारोह के अंतिम दिन हास्य नाटक प्रस्तुत किया गया। 'माध्यम' संस्था प्रयागराज द्वारा प्रस्तुत और डॉ. विनय श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित नाटक 'किराए का मकान' ने सामाजिक संदेश भी दिया। नाटक में शहरी जीवन की विसंगतियों पर गहरा कटाक्ष भी कलाकारों ने किया।

इस आयोजन की मुख्य अतिथि आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक रहीं। उन्होंने कहा कि नाटक समाज में संदेश देने में अहम भूमिका निभाते है। नाटक की कहानी एक ही कमरे को दो अलग-अलग लोगों (एक युवक साजन और एक युवती मंजूबाला) को किराए पर देने के इर्द-गिर्द घूमती है। दो चतुर नौकरों, प्रीतम और बालम की ''''एक्स्ट्रा इनकम'''' की लालसा ने जो भ्रम की स्थितियां पैदा कीं, उसने दर्शकों को लोटपोट कर दिया। मंच पर जब साजन और मंजूबाला की वस्तुएं आपस में टकराती हैं, तो उत्पन्न होने वाला संशय और नौकरों द्वारा उसे छिपाने के लिए बोले गए झूठ के जाल ने 'कॉमेडी ऑफ एरर्स' का बेहतरीन उदाहरण पेश किया।

यह नाटक केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि महानगरों में 'स्पेस' की कमी और 'बेड-शेयरिंग' जैसी कड़वी सच्चाइयों का एक आईना भी था। इस नाटक में कौस्तुभ पांडेय (साजन) और दिव्या शुक्ला (मंजूबाला) ने अपनी सहज उपस्थिति से पात्रों को जीवंत किया।अनुज कुमार (प्रीतम) और प्रत्यूष वार्ष्णेय (बालम) की जुगलबंदी ने मंच पर ऊर्जा का संचार किया। विपिन गौड़, अविनाश कुमार और आदर्श दुबे ने सहायक भूमिकाओं में नाटक की गति को बनाए रखा। स्वामी हरिदास नाट्य अकादमी के निर्देशक डॉ.राज कुमार त्रिपाठी, प्रशांत यादव, डॉ रश्मि गोरे, उत्कर्ष सिंह चंदेल, आराधना प्रजापति, अंशिका कटियार मौजूद रहे ।

युवाओं को दिए उद्यमिता के टिप्स

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कार्यक्रम में शामिल हुए प्रोफेसर। अमृत विचार

- एचबीटीयू में डीएसटी प्रायोजित प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम

अमृत विचार। हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग विषय पर आयोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम रसायन विज्ञान विभाग एवं रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा एचआरडी सेल, एचबीटीयू के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस दौरान युवाओं को उद्योग के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

इस दौरान कार्यक्रम में प्रो. जीएल देवनानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि एआई एवं एमएल जैसी उभरती तकनीकों को उद्यमिता से जोड़ना नवाचार और रोजगार सृजन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं एचआरडी सेल के समन्वयक प्रो. संजीव कुमार ने कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियों को रेखांकित किया तथा आयोजक टीम, संसाधन व्यक्तियों और प्रतिभागियों के योगदान की सराहना की। एचआरडी समन्वयक प्रो. संजीव कुमार ने बताया कि 42 में से 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कुल 46 विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों एवं विषय-विशेषज्ञों ने एआई व एमएल के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर उद्यमिता, वित्त, प्रबंधन एवं नवाचार पर मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रो. कृष्ण कुमार, डॉ. दान बहादुर पाल, डॉ. अंजलि अवस्थी, डॉ. ज़ीनत आरिफ, डॉ. प्रणव चौधरी रहे।

वर्कशॉप में छात्राओं ने सीखे पॉटरी के गुर

कानपुर। राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ की ओर से दयानंद गर्ल्स पीजी कॉलेज के चित्रकला विभाग में पॉटरी कार्यशाला हुई। सीएसजेएमयू के प्रशिक्षक सहायक आचार्य जेबी यादव ने छात्राओं को मिट्टी के पात्र बनाने का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

कार्यशाला की संयोजिका प्रो शुभम शिवा ने बताया कि इसमें 30 छात्राएं भाग ले रहीं हैं। छात्राएं तीन दिन तक चलने वाली इस कार्यशाला में टेराकोटा पात्रों का निर्माण करेंगी। अंतिम दिन भट्ठी में पकाकर अंतिम रूप देना सिखाया जाएगा। ये कार्यशाला छात्राओं के कौशल में वृद्धि करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाएगी। इस दौरान कॉलेज की प्राचार्या डॉ वंदना निगम व निदेशक डॉ अर्चना वर्मा ने छात्राओं की रचनात्मकता को सराहा।

डफरिन में एनआईसीयू सुविधा नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एमएलसी विधायक सलिल विश्नोई ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

अमृत विचार। डफरिन अस्पताल में एनआईसीयू की सुविधा नहीं होने से बच्चों को अन्य अस्पताल भेजा जाता है, जिसकी वजह से परिजनों को काफी भटकना पड़ता है। कई बार तो बच्चों की मौत भी हो जाती है। ऐसे में बच्चों का जीवन बचाने की पहल एमएलसी विधायक सलिल विश्नोई ने की है। उन्होंने बीमार बच्चों के लिए डफरिन में एनआईसीयू और अस्पताल में डॉक्टरों की कमी को पूरा करने का मुद्दा विधानसभा में उठाया। साथ ही उन्होंने प्रमुख सचिव को पत्र भी लिखा है।

विधायक सलिल विश्नोई ने विधानसभा में कहा कि आर्य नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत एकमात्र महिला जिला चिकित्सालय (एनएचएम) में नवजात बच्चों की देखभाल के लिए एनआईसीयू केंद्र कार्यान्वित नहीं है, जिसके कारण नवजात शिशुओं को जान का खतरा सदैव बना रहता है। जबकि सिजेरियन आपरेशन से जन्म होने वाले अधिकांश शिशुओं को एनआईसीयू की तो तुरंत जरूरत होती है। ऐसे में यहां पर एनआईसीयू नहीं शुरू होने से नवजात बच्चों के परिजनों को अन्य अस्पतालों में भटकना पड़ता है।

वहीं, डफरिन अस्पताल में रात को डॉक्टरों की कमी होने कारण प्रसव के लिए स्थानीय महिलाओं को अन्य दूसरे अस्पतालों में जाना पड़ता है। अस्पताल में एनआईसीयू केंद्र में डॉक्टरों की कमी से स्थानीय लोगों में असंतोष व आकोश व्याप्त है। स्थिति गम्भीर व विस्फोटक है। विधायक ने मौखिक व लिखित दोनों तरह से डफरिन अस्पताल में एनआईसीयू व डॉक्टरों की कमी दूर किये जाने की मांग की है। वहीं, डफरिन अस्पताल की प्रमुख अधीक्षक डॉ.रूचि जैन ने बताया कि अस्पताल में 12 बेड का एसएनसीयू है। इसमे चार बेड और बढ़ाएं जाने हैं। इसके अलावा चार बेड का यहां पर एनआईसीयू बनना है, जिसके लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है। बजट मिलते ही कार्य शुरू होगा।

डीबीएस में 21 को होगा रोजगार मेला

कानपुर। सेवायोजन विभाग की ओर से 21 फरवरी को रोजगार मेला आयोजित होने जा रहा है। इस मेले में विभाग की ओर से लगभग 1 हजार युवाओं को रोजगार दिए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि डीबीएस कॉलेज में लगने वाले रोजगार मेले में युवा साक्षात्कार देने आ सकते हैं। यह साक्षात्कार निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों की ओर से लिया जाएगा। मेले में इस बार निजी कंपनियां 40 हजार रुपये तक की युवाओं को ऑफर करने आ रहीं है।

सिटी डायरी

जेईई मेंस में उत्कृष्ट प्रदर्शन

परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी। अमृत विचार

कानपुर। कात्यायन स्कूल द्वारा संचालित कात्यायन अकादमी आईआईटी की तैयारी निशुल्क प्रदान कर रही है। अकादमी के तीन विद्यार्थियों ने जेईई मेंस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का गौरव बढ़ाया है। विदित सिंह ने 99 .33, आर्यन वर्मा ने 98 फीसदी तथा अनिरुद्ध यादव ने 93 .5 फीसदी अंक अर्जित कर शीर्ष स्कोरर्स में स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अकादमी के सुव्यवस्थित कक्षा कार्यक्रम, नियमित मॉक टेस्ट, अनुशासित अध्ययन वातावरण एवं अनुभवी शिक्षकों के सशक्त मार्गदर्शन को देते हुए कात्यायन प्रबंधन के प्रति आभार जताया।

वार्षिकोत्सव में दिखाई प्रतिभा

कानपुर। गार्डेनिया पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव 'जेनेसिस' की शुरुआत हुई। कार्यक्रम की शुरुआत मैनेजिंग डायरेक्टर सुमन द्विवेदी, फाउंडर अनिल द्विवेदी, डायरेक्टर नीलम द्विवेदी एवं चीफ डायरेक्टर सौरभ द्विवेदी द्वारा किया गया। गार्डेनिया पब्लिक स्कूल की नई शाखा के विद्यार्थियों ने अपने अद्भुत प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया। विशेष रूप से प्रस्तुत किए गए काली एक्ट और छाबा एक्ट ने दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए तथा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। संगीत प्रस्तुति कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। कार्यक्रम के में नई शाखा की हेडमिस्ट्रेस मनीषा पांडेय ने धन्यवाद दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देते आयोजक।

आज से होगी ब्रिज प्रतियोगिता

कानपुर। ऑल इंडिया सर पदमपत सिंहानिया स्मारक ब्रिज प्रतियोगिता की शुरुआत 20 फरवरी से होगी। तीन दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में पूरे देश के ब्रिज के खिलाड़ी शामिल होने आ रहे हैं। कानपुर क्लब में होने वाली इस प्रतियोगिता में चार लाख रुपये की ईनाम राशि वितरित की जाएगी। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में जेके सीमेंट के एमडी अजय सरावगी मौजूद रहेंगे। प्रतियोगिता सुबह 10 :30 बजे से शुरू होगी। प्रतियोगिता के विजेताओं को 22 फरवरी को पुरस्कृत किया जाएगा।

बाजार गुलजार

सुपरमैन, स्पाइडरमैन के साथ अनार और हंटर वाली पिचकारियां आईं

आया होली का त्योहार, सज गए रंग के बाजार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

बाजार में सजी पिचकारी और रंग की दुकानें। अमृत विचार

अनार से होगी रंगों की फुहार। अमृत विचार

अमृत विचार। होली का बाजार सज गया है। रंगों की वैराइटी के साथ ही कई तरह की पिचकारियां भी धूम मचा रही हैं। बाजार में सबसे अधिक कार्टून कैरेक्टर की पिचकारियों ने दस्तक दी है। इनके अलावा पारंपरिक पिचक्का के भी कई रूप खरीदारों को रिझा रहे हैं। होली में जलने के लिए पटाखे भी अपनी अलग पहचान बाजार में बनाए हुए हैं।

शहर में आर्य नगर, मेस्टन रोड, लाल बंगला, गुमटी सहित अन्य बाजारों में होरियारों के उत्पाद मिलना शुरू हो गए। गुलाल की बात की जाए तो बाजार में सामान्य गुलाल से लेकर ब्रांडेड और सॉफ्ट आर्गेनिक गुलाल इस बार सबसे अधिक मिल रहे हैं। इसी तरह रंगों की बात की जाए तो बगैर केमिकल के रंगों की मांग सबसे अधिक बताई जा रही है।

उधर, पिचकारी में सबसे अधिक बच्चों के पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर की पिचकारी बहुतायत में हैं। खासतौर पर मोटू-पतलू, सुपरमैन, स्पाइडरमैन सहित अन्य कार्टून कैरेक्टर की मांग सबसे अधिक बताई जा रही है। बड़ों की पहली पसंद पिचक्का अभी भी ऑल टाइम हिट मानी जा रही है। बाजार में आए पिचक्का में 25 मीटर तक रंग का पहुंचना इसकी खासियत बताया जा रहा है। प्लास्टिक के साथ पीतल जैसे दिखने वाले पिचक्का भी बाजार में मौजूद हैं। कारोबारियों की मानी जाए तो होली नजदीक आते ही बाजारों में होरियारों के लिए और अधिक उत्पाद बाजारों में उपलब्ध हो सकेंगे। इनमें सबसे अधिक रंगों के ब्रांडेड और इस बार फ्लेवर रंग आने की उम्मीद कारोबारी सबसे अधिक जता रहे हैं।

पटाखे से होगी रंगों की बौछार

- होली में दीपावली की तरह पटाखे जलाने के शौकीनों के लिए भी इस बार बाजार में कई तरह के पटाखे मौजूद हैं। इनमें सबसे अधिक पसंदीदा पटाखा छह रंग छोड़ने वाला माना जा रहा है। यह एक बार आग लगाने पर छह बार अलग-अलग हवा में फायर करते हुए छह तरह के रंग निकालता है। इसके अलावा पारंपरिक अनार, मेहताब भी विभिन्न रंगों में बाजार में दस्तक दे दी है।

लगाने के कुछ देर बाद छूमंतर होगा गुलाल

- होली पर इस बार बच्चे रंगों से भी खेले और उनके शरीर पर देर तक रंग न चिपके, इसके लिए भी इस बार बाजार ने तैयारी कर ली है। बाजार में इस बार पीले रंग के छूमंतर गुलाल ने दस्तक दी है। इस गुलाल की खासियत यह है कि यह अधिक देर तक शरीर में चिपकता नहीं है। रंग खेलने के थोड़ी देर बाद यह खुद ब खुद उड़ जाता है। यह गुलाल खासतौर पर गुलाबी व पीले रंगों में बाजार में मौजूद है। कारोबारियों का कहना है कि जल्द ही इसके और भी रंग के विकल्प बाजार में उपलब्ध हो सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

डंपर की टक्कर से ई-रिक्शा चालक घायल

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार दोपहर हुए सड़क हादसे में ई-रिक्शा चालक घायल हो गया। गड़रियन पीपरखेड़ा निवासी रामनरेश ई-रिक्शा लेकर मरहला चौराहे से आजाद मार्ग होते हुए घर जा रहा था। तभी सामने से आ रहे मौरंग लदे अनियंत्रित डंपर ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया और चालक रामनरेश सड़क पर गिरकर घायल हो गया। हादसा देख आसपास के लोग पहुंचे और घायल की मदद कर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस पहुंची और घायल को नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डंपर तेज रफ्तार में था जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। पुलिस मामले की जांच कर कार्रवाई कर रही है।

बंद घर से चोरों ने पार किये नकदी व जेवर

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के गदन खेड़ा मोहल्ला निवासी संदीप यादव बुधवार को अपने एक रिश्तेदार के यहां आयोजित मांगलिक कार्य में शामिल होने गए थे। घर पर ताला बंद था। रात को ताला तोड़कर घर में दाखिल हुए चोर अलमारी में रखी नगदी व जेवर सहित इन्वर्टर व बैटरी भी उठा ले गए। संदीप ने बताया कि गुरुवार सुबह लौटने पर दरवाजे का ताला टूटा मिला। वह अंदर गया तो सामान बिखरा पड़ा था। बताया कि वह प्राइवेट नौकरी करता है। उसकी सूचना पर पुलिस ने जांच की। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच की जा रही है।

बहन की हत्या कर भाई ने फेंका शव, गिरफ्तार

वारदात के बाद खुद की पुलिस को दी थी अपहरण की सूचना, आरोपी भेजा गया जेल

संवाददाता उन्नाव/बिछिया

अमृत विचार। विवाहित बहन को ससुराल से विदा कराकर लाए सगे भाई ने बहन की गला घोंटकर हत्या कर दी। शव दूसरे गांव के जंगल में फेंककर उसके अपहरण किए जाने की सूचना दे दी। पुलिस को जांच में मामला संदिग्ध मिलने पर स्वाट व सर्विलांस टीम की मदद से पुलिस ने भाई से फिर पूछताछ की। इसके बाद उसने सगी बहन की हत्या करना स्वीकार कर लिया। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

बता दें कि दही थानाक्षेत्र के तारगांव निवासी उमाकांति पुत्री राम

घटना का खुलासा करते एसएसपी जय प्रकाश सिंह व उमाकांति की फाइल फोटो।

नरेश की शादी बीती 30 नवंबर को फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के सुसुमऊ गांव के मजरा कछीयन खेड़ा निवासी कमल किशोर से हुई थी। इस पर पिता रामनरेश ने बेटे अजय को होली के पहले त्योहार पर बेटी की ससुराल में त्योहारी देकर विदा कराने के लिए मंगलवार को अपना ई-रिक्शा देकर भेजा था। अजय बुधवार सुबह 10 बजे बहन को विदा कर उसकी ससुराल से निकला लेकिन घर नहीं पहुंचा। इस पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। तभी रात में अजय घर पहुंचा और बताया कि रास्ते में कुछ लोगों ने बाजार खेड़ा के पास उसे नशीला पदार्थ खिला दिया। इससे वह अचेत हो गया। इसके बाद उमाकांति का अपहरण कर ले गए। परिजनों से मिली सूचना पर पुलिस के होश उड़ गए। एसओ टीम के साथ मामले की जांच में जुट गई। बार- बार बदलते बयान से पुलिस को अजय पर शक हुआ। इस पर स्वाट व सर्विलांस की टीम आधी रात बाद सक्रिय हुई तो पूरे मामले की परत खुल गई। अजय ने स्वीकार किया कि उसी ने बहन की उसी के शाल से गला घोंटकर हत्या कर शव तौरा गांव के बाहर जंगल में बने मंदिर के बेसमेंट में फेंक दिया है। पुलिस ने शव बरामद कर अजय को गिरफ्तार किया। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि अजय को पकड़ा गया है। ई-रिक्शा व हत्या में प्रयुक्त साल बरामद कर आरोपी को जेल भेजा जा रहा है। उमकांति की मौत से मां माधुरी, बहनें सुधा, राधा, रामजानकी व छोटा भाई निखिल रो-रोकर बेहाल हैं। आरोपी को दबोचने में एसओ दही ज्ञानेंद्र सिंह व स्वाट प्रभारी जयप्रकाश यादव सहित अन्य पुलिस कर्मियों की अहम भूमिका रही।

कोर्ट के निर्देश पर 13 नामित और कुछ अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार। कोर्ट के निर्देश पर भूमि विवाद से जुड़े एक मामले में 13 नामित समेत कुछ अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है। यह कार्रवाई गंगाघाट पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर की है।

पोनी रोड राम नगर निवासी गणेश शंकर मिश्रा के अनुसार उन्होंने कोर्ट में प्रार्थनापत्र देकर आरोप लगाया था कि भूमि स्थित मजरा पीपरखेड़ा परगना हड़हा तहसील व जिला उन्नाव में वह 27 जनवरी 2023 को हुए बैनामा के आधार पर वैध मालिक व काबिज है। आरोप है कि इस भूमि में जिनका कोई हक शेष नहीं था उनके वारिसों ने राजस्व अभिलेखों में गलत तरीके से नाम दर्ज कराकर जमीन बेचने के प्रयास किए। उनके अनुसार जयदेवी, अमर सिंह, तेजपाल सिंह व अर्जुन सिंह आदि ने साजिशन पहले विक्रय अनुबंध किए फिर फर्जी व कूटरचित इकरारनामा तैयार कर प्रार्थी की भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया। 30 दिसंबर 2025 को सुबह छह बजे कब्जे की कोशिश के दौरान आरोपियों ने धक्का-मुक्की, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने अर्जुन सिंह, तेजपाल सिंह, अमर सिंह, जयदेवी, रोहित वर्मा, सचिन यादव, अनमोल सिंह, चंदन, राम तिवारी उर्फ आकाश, मिट्टू गुप्ता उर्फ सुनील, नासिर, राजकुमार निषाद, सारिक सहित 13 नामित व कुछ अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है।

परीक्षा देकर लौट रहे छात्र की वाहन की टक्कर से हुई मौत

बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। हरदोई से परीक्षा देकर लौटते समय तेज रफ्तार वाहन की टक्टर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों को हादसे की खबर देकर शव मोर्चरी भेजा है।

फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के ढकौली गांव निवासी अंकित (20) पुत्र श्याम कुमार चंडीगढ़ में एक होटल में काम करता था। इस वर्ष उसने इंटर का फार्म भरा था। बुधवार सुबह वह चंडीगढ़ से परीक्षा देने आया था। जहां से पिता की बाइक से दूसरी पाली में हिंदी की परीक्षा देने हरदोई जिला के जलालाबाद स्थित कालेज गया था। देरशाम लौटते समय बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर मुस्तफाबाद गांव के सामने अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसके पास मिले प्रवेश पत्र से उसकी पहचान कराकर ग्राम प्रधान को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे परिजन शव देख बेहाल हो गया। छोटे भाई रोमित ने बताया कि वह चार भाई-बहनों में पूजा, ज्योति व उससे बड़ा था। बताया कि उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। बेटे की मौत से मां श्यामकुमारी व अन्य परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। कोतवाली प्रभारी अखिलेश पांडेय ने बताया कि शव मोर्चरी भेजा गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जूनियर शिक्षक संघ ने आंदोलन की बनाई रणनीति

उन्नाव, अमृत विचार। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की बैठक जिलाध्यक्ष अनुपम मिश्र की अध्यक्षता में एक गेस्ट हाउस में हुई। इसमें अनिवार्य टेट के विरोध में सभी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों द्वारा एकजुट होकर टीचर्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के बैनर तले आंदोलन करने की रणनीति बनाई गई। बताया गया कि प्रदेश के निर्देशानुसार 22 फरवरी को 2 से 4 बजे तक एक्स पर हैशटैग अभियान चलेगा। 23 से 25 फरवरी तक जिले के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं विरोध कर काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे। 26 फरवरी को दोपहर 1 से 4 बजे तक बीएसए कार्यालय पर धरना देकर वहां से डीएम कार्यालय तक पैदल मार्च कर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन देंगे।

दोनों पालियो में 159 छात्रों ने छोड़ी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाएं दो पालियां में संपन्न हुईं। प्रथम पाली में हाईस्कूल में कंप्यूटर व इंटर के वेबसाइड ट्रेड के विभिन्न विषयों की परीक्षा जिले के 64 परीक्षा केंद्रों में थी। इसमें पंजीकृत 908 छात्रों में 18 अनुपस्थित रहे और 890 उपस्थित रहे।

द्वितीय पाली में हाईस्कूल सिलाई व इंटर नागरिक शास्त्र की परीक्षा थी। इसमें पंजीकृत 3633 छात्रों में 141 अनुपस्थित व 3459 उपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पालियो में 4508 पंजीकृत छात्रों में 159 अनुपस्थित व 4349 उपस्थित रहे। डीआईओएस सुनील दत्त व प्रधानाचार्य कमलेश कुमार

कंट्रोल रूम से परीक्षा कक्ष की निगरानी करते शिक्षक शिक्षिकाएं।

के नेतृत्व में सचल दल ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया। इसमें कोई नकलची नहीं मिला। सुबह की पाली में हाईस्कूल कंप्यूटर की परीक्षा में 344 छात्रों में तीन अनुपस्थित व 341 उपस्थित रहे। ग्रंथ शिल्प इंटर में दो छात्रों में दोनों उपस्थित रहे। सिलाई शिल्प में 24 में सभी उपस्थित रहे। फल एवं खाद्य संरक्षण में 36 में सभी उपस्थित रहे। परिधान रचना व साज सज्जा में 81 में दो अनुपस्थित व 79 उपस्थित रहे। बैंकिंग में 55 में दो अनुपस्थित व 53 उपस्थित रहे। आशुलिप टंकण में 119 में तीन अनुपस्थित व 116 उपस्थित रहे। टंकण हिंदी व अंग्रेजी में 200 में 5 अनुपस्थित व 195 उपस्थित रहे। रंगीन फोटोग्राफी में 37 में 3 अनुपस्थित व 34 उपस्थित रहे। मुद्रण में 10 में सभी उपस्थित रहे। इस प्रकार प्रथम पाली में 908 पंजीकृत छात्रों में 18 अनुपस्थित व 890 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में इंटर नागरिक शास्त्र में 3582 छात्रों 141 अनुपस्थित व 3441 उपस्थित रहे। जबकि सिलाई हाईस्कूल में 18 में सभी उपस्थित रहे। इस प्रकार द्वितीय पाली में 3600 छात्रों में 141 अनुपस्थित व 3459 उपस्थित रहे। एसडीएम उदयवीर सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों की टीम कंट्रोल रूम से हर केंद्र का अवलोकन करते रहे। बताया कि सभी केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में परीक्षा शांतिपूर्वक हुई।

जन्मोत्सव के दौरान मौजूद महिलाएं। अमृत विचार

माता राधेश्वरी मंदिर में धूमधाम से मना जन्मोत्सव

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। नगर के मोहल्ला सरायं स्थित सिद्ध पीठ माता राधेश्वरी मंदिर में गुरुवार को माताजी का जन्मोत्सव व वार्षिकोत्सव श्रद्धा, भक्ति व हर्षोल्लास से मना। इसमें मंदिर परिसर की छटा देखते बन रही थी। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों व आकर्षक विद्युत झालरों से सजाया गया था। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया। सैकड़ों भक्तों ने कतारबद्ध होकर माता के दर्शन किए और हवन-पूजन कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। महाआरती के बाद भजन संध्या हुई। महिला मंडल की सदस्यों ने प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी और मां मुरादे पूरी कर दे, हलवा बांटूंगी जैसे भजनों की प्रस्तुति दी। समापन पर कन्याभोज हुआ इसमें कन्याओं को भोजन कराया गया और उपहार देकर आशीर्वाद लिया गया।

हर हाल में पुरानी पेंशन लागू करवाकर रहेगा अटेवा पेंशन बचाओ मंच : विजय

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। अटेवा पेंशन बचाओ मंच के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने कहा कि हम सब लोगों को पुरानी पेंशन को लागू करने, सेवा सुरक्षा, टीईटी अनिवार्यता समाप्त करने के लिए बड़े आंदोलन की जरूरत है। अटेवा पेंशन बचाओ मंच हर हाल में पुरानी पेंशन लागू करवाकर रहेंगा। मंच के प्रदेश अध्यक्ष गुरुवार को पीडब्ल्यूडी कंपाउंड में अटेवा की जिला शाखा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर अटेवा जिला शाखा के जिला

बैठक को संबोधित करते प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु।

संयोजक अर्पित मिश्रा, महामंत्री राजकरन, बालकृष्ण अवस्थी, महेंद्र सिंह, शिव सहाय तिवारी, संजय कन्नौजिया, कृष्ण शंकर मिश्रा, विवेक तिवारी, संदीप भारती, अनुपम मिश्रा, शुभम शुक्ला, ओम प्रकाश पाल, वीरेंद्र सिंह आदि ने अपने विचार रखे। इसके पहले प्रदेश अध्यक्ष का माला पहनाकर स्वागत किया गया।

रिफांइड लूटने वाले चढ़े पुलिस के हत्थे

उन्नाव, अमृत विचार। लोडर चालक के हाथ पैर बांधकर खंती में डालकर 200 टिन रिफाइंड लूटने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने पकड़कर जेल भेजा है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने एक घर से लूट कर रखा गया रिफाइंड बरामद किया है। मौरावां थानाक्षेत्र के जेरा नौबस्ता गांव निवासी हरिशंकर ने तहरीर देकर मंगलवार शाम अचलगंज थानाक्षेत्र के पुरवा मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग के पास लूट का आरोप लगाया था। गुरुवार को पुलिस ने घटना में शामिल हिमांशु यादव निवासी सुपासी व दशरथ लोधी पुत्र नन्दलाल लोधी निवासी गड़सर थाना अचलगंज को गिरफ्तार किया। पुलिस ने लूट का 192 टिन रिफाइंड भी बरामद कर लिया।

पुलिस-प्रशासन ने होलिका दहन स्थल कराया अवैध कब्जा मुक्त

शुक्लागंज उन्नाव

- युवक द्वारा कब्जा करने को लेकर गांव में हो गया था तनाव

अमृत विचार। शंकरपुर के नया खेड़ा गांव में वर्षों से हनुमान मंदिर के पास होलिका दहन होता रहा है। इसी स्थल पर रामबक्श खेड़ा ग्राम सभा पिपरी निवासी एक युवक द्वारा एक सप्ताह पहले कब्जा कर टीन व अन्य सामान डाल दिया गया था। गुरुवार को जब ग्रामीण होलिका दहन स्थल चिन्हित करने पहुंचे तो कब्जा देख आक्रोशित हो गए। इसे लेकर नया खेड़ा व रामबक्श खेड़ा गांव के लोग आमने-सामने आ गए। जिससे तनाव की स्थिति बन गई। सूचना पर गंगाघाट कोतवाली प्रभारी अजय सिंह, गंगा बैराज पुलिस चौकी का फोर्स व राजस्व विभाग की टीम पहुंची। राजस्व निरीक्षक मो. अमीन व लेखपाल पारुल मिश्रा, पंकज मिश्रा ने ग्रामीणों से बात कर उन्हें शांत कराया। अधिकारियों की मौजूदगी में नया खेड़ा गांव में होलिका दहन स्थल पर किया गया कब्जा हटवाया गया। कब्जा हटने के बाद दोनों गावों के लोगों ने राहत की सांस ली और माहौल शांत हुआ। पुलिस ने भविष्य में विवाद न हो इसके लिए निगरानी रखने की बात कही।

नई शिक्षा नीति का दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शिक्षकों का दिशांतरण पर आधारित सामाजिक विज्ञान मॉड्यूल का तीन दिवसीय प्रशिक्षण डायट प्रेक्षागृह में हुआ। इसमें नई शिक्षा नीति, संविधान व प्राचीन कालीन इतिहास आदि की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण ले रहे शिक्षक अमित तिवारी, कुलदीप शर्मा, दीपक राजकिशोर ने बताया कि कार्यशाला में प्राचीन भारत से आधुनिक काल तक, संविधान में मूल अधिकार, मूल कर्तव्य, अक्षांश-देशांतर रेखाओं का महत्व, नवाचारी शिक्षा विधियों, पृथ्वी की आंतरिक सरंचना आदि को सरल तरीके से समझाया गया। जो बेसिक शिक्षा विभाग में

शिक्षक अमित तिवारी को प्रमाणपत्र देते डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता उमा प्रसाद पटेल।

अध्ययन कर रहे बच्चों की शिक्षा में उपयोगी साबित होगा। प्रशिक्षण में जिले के सभी विकासखंड के एक सैकड़ा शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षणकर्ताओं में डायट प्रवक्ता उमा प्रसाद पटेल, मानस पांडेय, पीयूष सिंह, शशांक सिंह ने सभी शिक्षकों को प्रमाणपत्र बांटे।

किसान की मौत की वजह स्पष्ट नहीं, परिजनों ने किया हंगामा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। अचलगंज थानाक्षेत्र के हड़हा गांव में हुई किसान की मौत पर परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस में जमकर हंगामा किया। सैकड़ों महिलाएं व पुरुष पड़ोसी खेत मालिक सहित 4 पर हत्या करने का आरोप लगा रहे थे। घंटों हंगामे के बाद पुलिस ने बेटे की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की तब परिजन शांत हुए। लेकिन अभी भी शव का अंतिम संस्कार नहीं किया है। वहीं पुलिस ने दो डॉक्टरों के पैनल से वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। इस पर बिसरा सुरक्षित किया गया है।

बता दें कि हड़हा गांव निवासी नन्हे (55) पुत्र मद्धू बीते बुधवार

किसान की मौत के बाद हंगामा करते परिजनों व ग्रामीणों को समझाते सीओ।

को अपने खेत में खड़ी गेहूं की फसल में बेटे राम रतन के साथ पानी लगाए था। दोपहर बाद बेटा खाना लेने घर आ गया था। लौटने पर पिता खेत में नहीं मिले। परिजनों ने तलाश शुरू की तो पंपिंग सेट से 300 मीटर आगे गांव निवासी लाला के खेत किनारे से निकली मौराही नदी में नन्हे का शव पड़ा मिला था। पुलिस ने जांच कर शव मोर्चरी में रखवाया था। परिजनों का आरोप था कि पिता ने हाल ही में खेती खरीदी थी। जिसे पड़ोस का खेत मालिक खरीदना चाहता था। खेती न मिलने से वे लोग पिता से खुन्नस रखते थे। हत्या करने की धमकी भी दे चुके थे। सीओ बीघापुर ने उन्हें पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का भरोसा भी दिया। लेकिन गुरुवार को सैकड़ों परिजनों जिसमें महिलाओं की संख्या अधिक थी हंगामा शुरू कर दिया। यह देख अचलगंज पुलिस की सूचना पर सीओ बीघापुर व सदर कोतवाल पहुंचे और समझाने का प्रयास किया। लेकिन हंगामा बढ़ता देख महिला थाना की एसओ रेखा सिंह फोर्स के साथ पहुंची। इस दौरान नाराज परिजन कई बार सड़क पर आ गए। डॉक्टर ओमेंद्र सिंह व डॉ. तपन गुप्ता ने वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम किया। लेकिन बिना केस दर्ज हुए परिजन शव ले जाने को तैयार नहीं हुए। इस पर बेटे की तहरीर पर पुलिस ने 4 लोगों पर हत्या व एससीएसटी में रिपोर्ट दर्ज की तब लोग शांत हुए। लेकिन इसी बीच महिलाएं आक्रोशित होकर पोटमार्टम से बाहर आकर जाम लगाने लगीं। इस पर कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा उन्हें समझाकर अंदर लाए। इसके बाद परिजन शव लेकर घर आए लेकिन अभी अंतिम संस्कार नहीं किया है। सीओ बीघापुर मधुप नाथ मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

फॉलोअप

मधुमक्खियों के हमले में क्रिकेट मैच के अंपायर की मौत के बाद भी स्टेडियम में सुरक्षा व्यवस्था नहीं हुई मजबूत

खिलाड़ियों पर मधुमक्खी हमले के बाद भी लापरवाही जारी

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। नगर के अंबिकापुरम स्थित राहुल सप्रू स्टेडियम में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के हमले में कानपुर फीलखाना निवासी अंपायर मानिक गुप्ता (65) की मौत के बाद भी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बुधवार की घटना के अगले दिन गुरुवार को स्टेडियम में खिलाड़ी अभ्यास करते रहे। हालांकि जिस स्थान पर बरगद के पेड़ में मधुमक्खियों का छत्ता लगा है वहां कोई खिलाड़ी नहीं पहुंचा। घटना के बाद ग्राउंड पर सन्नाटा और डर का माहौल बना रहा।

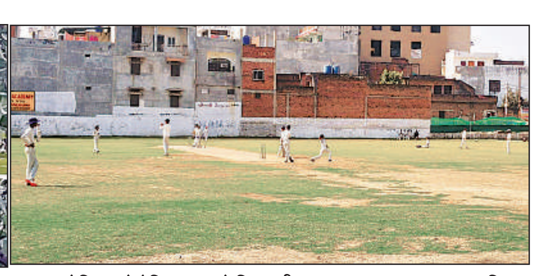

स्टेडियम के पास बरगद के पेड़ में लगा मधुमक्खियों का छत्ता व स्टेडियम में प्रैक्टिस करते खिलाड़ी। अमृत विचार

स्टेडियम इंचार्ज अजीत सिंह ने बताया कि बुधवार को अंडर-13 का मैच छोटे ग्राउंड पर दोपहर एक से डेढ़ बजे तक था। इसके बाद खिलाड़ी व स्टाफ वहां से चले गए थे। जबकि बड़े मैदान में दूसरा मैच चल रहा था। पास ही बरगद के पेड़ में वर्षों पुराना मधुमक्खियों का छत्ता लगा है। बताया गया कि किसी बच्चे द्वारा उकसाने पर मधुमक्खियों ने अचानक हमला कर दिया। अंपायर मानिक गुप्ता पर सबसे अधिक डंक लगे, उनके शरीर में करीब डेढ़ से दो सौ मधुमक्खियां चिपकी थी। जिससे वह मौके पर गिर पड़े। कुछ देर बाद उन्हें नगर के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां से उन्हें रेफर कर दिया गया।

इसके बाद उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सफेद कपड़े पहने खिलाड़ियों पर मधुमक्खियों ने ज्यादा हमला किया। करीब आधा दर्जन खिलाड़ी भी डंक का शिकार हुए। मजदूरी कर रहे बब्लू ने बताया कि कई लोगों के शरीर पर डेढ़ से दो सौ मधुमक्खियां चिपकी थीं, जिन्हें चादर ओढ़ाकर हटाया गया। स्थानीय निवासी मनोज टेलर ने बताया कि बीते वर्ष मार्च में भी इसी स्थान पर मधुमक्खियों ने हमला किया था। जिसमें 15 से 20 लोग घायल हुए थे। इसके बावजूद अब तक छत्ता नहीं हटवाया गया। लोगों ने मांग की कि स्टेडियम परिसर में लगे सभी छत्तों को हटाकर सुरक्षा पुख्ता की जाए। ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो।

लाठीचार्ज के विरोध में दिया धरना

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार। नगर कांग्रेस कमेटी गंगाघाट के तत्वावधान में गुरुवार को शुक्लागंज के मिश्रा कॉलोनी स्थित गांधी चौक पर शांतिपूर्ण धरना दिया गया। यह धरना 17 फरवरी को मनरेगा बचाओ संग्राम के दौरान शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के विरोध में किया गया। धरने का नेतृत्व कांग्रेस नेता अध्यक्ष मयंक बाजपेयी ने किया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने बिना उकसावे के लाठीचार्ज कर सैकड़ों कार्यकर्ताओं को घायल किया। जिसमें महिला कार्यकर्ता भी शामिल रहीं। आरोप लगाया कि प्रदेश में लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन हो रहा है और शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन तक की अनुमति नहीं दी जा रही। कहा कि इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को भी चोट पहुंची। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस कार्यकर्ता किसी भी तानाशाही से डरने वाले नहीं हैं और मनरेगा कानून की बहाली व मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। धरने में रामकिशोर पाल, बाबूलाल गुप्ता, मो. हनीफ, संजय सिंह, विश्वनाथ दास, पिंटू तिवारी, बुद्धिलाल विश्वकर्मा, मो. इकबाल, विचित्रवीर सिंह, निर्मल बाजपेयी आदि मौजूद रहे।

गांधी प्रतिमा पर सत्याग्रह कर जताया विरोध सरकार को उखाड़ फेंकने का लिया संकल्प

उन्नाव, अमृत विचार। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी ने पन्नालाल पार्क स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने सत्याग्रह किया। लखनऊ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हुए पुलिसिया लाठीचार्ज व मनरेगा के बजट में कटौती के विरोध में कांग्रेसियों ने आक्रोश जताया। कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संकल्प लिया कि वे इस जनविरोधी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे। इस दौरान वक्ताओं ने बताया कि बीती 17 फरवरी को लखनऊ में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत विधानसभा घेराव हेतु शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाला जा रहा था। पुलिस ने बर्बरता दिखाते हुए कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष समेत सैकड़ों कार्यकर्ता घायल हुए। इसको लोकतंत्र के लिए काला दिन बताया गया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

महिलाएं नहीं रहीं, तो कहां से लाओगे मां।
–**महाश्वेता देवी**, बांग्ला साहित्यकार

सर्बिया संग एआई सेतु

नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन ने यह अकाट्य रूप से सिद्ध कर दिया है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श के हाशिये पर नहीं, अपितु उसके केंद्र में स्थापित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न यह महासम्मेलन मात्र एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल कूटनीति और तकनीकी संप्रभुता का सशक्त घोषणापत्र है। इस मंच से विश्व को एक स्पष्ट संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केवल नवाचार का उपकरण नहीं रह गई है, बल्कि यह भू-राजनीतिक प्रभुत्व और राष्ट्रीय सुरक्षा का मेरुदंड बन चुकी है।

सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण आयाम भारत का 'नियमों के अनुपालन' की भूमिका से निकलकर 'नियम-निर्माता' की भूमिका में अवतरित होना है। भारत ने अपने 'डिजिटल पब्लिक गुड्स' मॉडल, जिसमें आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे आधारभूत ढांचे शामिल हैं, को जिस आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किया, वह ग्लोबल साउथ के लिए एक आदर्श और व्यवहारिक विकल्प है। यह मॉडल पश्चिमी कॉरपोरेट एकाधिकार और चीनी राज्य-नियंत्रित तंत्र के बीच एक संतुलित, पारदर्शी और लोकतान्त्रिक मार्ग प्रशस्त करता है। कूटनीतिक दृष्टि से, विशेष रूप से सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्ज़ान्दर वूचिच के साथ हुई प्रधानमंत्री की बैठक के निहितार्थ गहरे और दूरगामी हैं। एआई, डिजिटल नवाचार और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में सर्बिया के साथ बनी सहमति को केवल एक सामान्य द्विपक्षीय समझौते के रूप में देखना भूल होगी। वस्तुतः, सर्बिया यूरोप और एशिया के मध्य एक रणनीतिक सेतु है। यह साझेदारी भारतीय तकनीकी उद्यमों के लिए यूरोपीय बाजारों का प्रवेश-द्वार बन सकती है और 'विश्वसनीय एवं उत्तरदायी एआई' के भारतीय दृष्टिकोण को वैश्विक वैधता प्रदान करती है। डेटा संप्रभुता और साइबर सुरक्षा पर दोनों देशों का एकमत होना यह सुनिश्चित करता है कि भविष्य की डिजिटल व्यवस्था बहुध्रुवीय होगी, न कि किसी एक धड़े के अधीन। शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग के माध्यम से भारतीय मेधा को यूरोपीय अनुसंधान नेटवर्क तक पहुंच मिलना 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने की दिशा में एक ठोस कदम है। यह 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियानों को वैश्विक फलक पर विस्तार देने जैसा है। सम्मेलन का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष 'मानव-केंद्रित एआई' पर भारत का नैतिक जोर था। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य एल्गोरिद्म की श्रेष्ठता नहीं, बल्कि समाज के 'अंतिम पायदान' पर खड़े व्यक्ति का सशक्तिकरण होना चाहिए। ध्यातव्य है कि एआई प्रशासन के वैश्विक मानक तय करने में भारत की सक्रियता उसे एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में स्थापित करती है। यद्यपि डेटा गोपनीयता, 'डीपफेक' और एआई जनित भ्रामक सूचनाएं जैसी जटिल चुनौतियां विद्यमान हैं।

यह एआई शिखर सम्मेलन मात्र एक तकनीकी प्रदर्शनी न होकर भारत के रणनीतिक आत्मविश्वास का प्रदर्शन है। सर्बिया सहित अन्य देशों के साथ हुए समझौते यह संकेत देते हैं कि एआई के इस युगांतरकारी दौर में भारत मूकदर्शक नहीं रहेगा, बल्कि वह तकनीक के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण और वैश्विक कल्याण की दिशा तय करने वाली एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरेगा।

प्रसंगवश

जीवन कौशल शिक्षा और आत्मबल की पाठशाला

संध्या राजपुरोहित
शिक्षिका

21 वीं सदी केवल तकनीकी विकास की सदी नहीं है, बल्कि यह मनुष्यता के सबसे कठिन इम्तेहानों की भी सदी बन चुकी है। आज हमारे बच्चे मोबाइल, इंटरनेट और सूचना के जंजाल में जी रहे हैं, परंतु भीतर से वे अकेलेपन, असुरक्षा और भय से जूझ रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में लगातार परिवर्तन हुए हैं, पर प्रश्न यह उठता है कि क्या यह शिक्षा बच्चों को जीवन जीने का साहस भी दे रही है? क्या वह उन्हें केवल नौकरी के लिए तैयार कर रही है या जीवन के लिए भी तैयार कर रही है?

शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकता। बच्चे गणित, विज्ञान और भाषा तो सीख रहे हैं, लेकिन यदि वे अपने भीतर उठते भावनात्मक तूफ़ानों को समझ ही नहीं पा रहे, तो यह शिक्षा अधूरी है। शिक्षा के साथ जीवन कौशल का समावेश अब कोई वैकल्पिक प्रयोग नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। भारत जैसे देश में, जहां आधी से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है, बच्चों और युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य राष्ट्र के भविष्य से सीधे जुड़ा है। यदि आज की पीढ़ी भीतर से टूट रही है, तो कल का भारत कैसे खड़ा होगा?

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों की चुनौतियां अलग हैं, पर अधिक गहरी हैं। नीति आयोग की 2017 की रिपोर्ट बताती है कि अनुसूचित जनजाति समुदाय में विद्यालय छोड़ने की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इसका कारण केवल गरीबी या संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि वर्षों से जमी हुई यह सोच भी है कि 'हम पीछे हैं' या 'यह पढ़ाई हमारे लिए नहीं है।' यह आत्म अस्वीकृति ही सबसे खतरनाक है, क्योंकि यह बच्चे की चेतना को भीतर से तोड़ देती है।

शिक्षा मंत्रालय की यूडाइस रिपोर्ट 2021–22 भी यही संकेत देती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रॉपआउट दर शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जब बच्चा स्वयं को शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ा नहीं महसूस करता, तो वह शिक्षा को अपने जीवन का हिस्सा मानना भी छोड़ देता है। ऐसे समय में जीवन कौशल शिक्षा एक प्रकाश स्तंभ की तरह सामने आती है। जीवन कौशल वे क्षमताएं हैं, जो बच्चे को केवल पढ़ा-लिखा नहीं, बल्कि समझदार और संवेदनशील इंसान बनाती है। आत्म-जागरूकता, भावनात्मक संतुलन, संवाद की क्षमता, समस्या समाधान, निर्णय लेने की समझ, सहयोग और सहानुभूति, ये सभी जीवन कौशल बच्चों के भीतर वह ताकत पैदा करते हैं, जिससे वह जीवन की कठिन परिस्थितियों से टूटता नहीं, बल्कि लड़ता है।

यूनिसेफ और यूनेस्को की संयुक्त रिपोर्ट लाइफ स्कि ल एजुकेशन फार यूथ (2019) इस बात की पुष्टि करती है कि जिन विद्यालयों में जीवन कौशल आधारित शिक्षा दी जाती है, वहां बच्चों में तनाव, हिंसा और आत्मघाती प्रवृत्तियां कम होती हैं, तथा आत्मविश्वास, संबंधों की गुणवत्ता और निर्णय क्षमता में सुधार होता है। जीवन कौशल कोई अतिरिक्त विषय नहीं है। यह हर विषय की आत्मा है। गणित सोचने की स्पष्टता देता है, भाषा अभिव्यक्ति की शक्ति देती है, विज्ञान जिज्ञासा का द्वार खोलता है और सामाजिक विज्ञान विवेक का विकास करता है। जब इन सभी विषयों में जीवन कौशल की चेतना जुड़ जाती है, तब शिक्षा केवल जानकारी नहीं देती, बल्कि चेतना जगाती है।

राष्ट्री य शिक्षा नीति 2020 इसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह नीति पहली बार शिक्षा को केवल परीक्षा प्रणाली नहीं, बल्कि मानव निर्माण की प्रक्रिया के रूप में देखती है। इसमें कहा गया है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अकादमिक दक्षता नहीं, बल्कि नैतिकता, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करना भी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

एआई: तकनीकी प्रगति या पर्यावरणीय संकट

जयदेव राठी
अधिवक्ता

आज 'एआई' यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शब्द सुनते ही आमतौर पर तकनीकी प्रगति, स्मार्ट सेवाएं और डिजिटल क्रांति की बातें जुड़ी नजर आती हैं। पर सच यह है कि जिस तकनीक को हम भविष्य का पर्यावरण-समर्थक समाधान मानते हैं, वही आज ऊर्जा खपत, पानी की खपत और कार्बन उत्सर्जन के मामले में एक नई समस्या बनकर उभर रही है। एआई की पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी चुनौतीपूर्ण है और अगर हम समय रहते न समझे, तो यह तकनीक हमारे जलवायु लक्ष्यों पर भी गंभीर दबाव डालेगी।

एआई सिस्टम, विशेषकर बड़े भाषा मॉडल और जनरेटिव एआई सिस्टम अत्यधिक कम्प्यूटेशनल पॉवर मांगते हैं। यह कम्प्यूटेशनल पॉवर सीधे बिजली की खपत में बदलती है। वैश्विक स्तर पर: अनुमान है कि 2026 तक एआई और डेटा सेंटर्स कुल मिलाकर लगभग 450-500 टेरावाट-घंटे ऊर्जा खपत करते हैं, जो लगभग 2% वैश्विक बिजली खपत के बराबर है। 2030 तक यह 945 टेरावाट-घंटे से अधिक पहुंच सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते इस्तेमाल के कारण डेटा सेंटर्स की ऊर्जा जरूरत तेजी से बढ़ेगी। अगर एआई का विस्तार इसी रफ्तार से हुआ, तो डेटा सेंटर्स का ऊर्जा उपयोग जापान जैसे देशों की कुल बिजली खपत के स्तर तक पहुंच सकता है। इन आंकड़ों को वास्तविक दुनिया के उदाहरणों से जोड़ा जाए, तो पता चलता है कि आज के एआई वर्कलोड (जैसे मॉडल ट्रेनिंग और इनफरेंस) के लिए जो बिजली चाहिए, वह कुछ देशों की कुल बिजली खपत के बराबर है और यह जरूरत भविष्य में और बड़े पैमाने पर होने वाली है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में पाया गया है कि बड़ी तकनीकी कंपनियों की गैर-प्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन 2020-2023 में 150% तक बढ़ गया, जिसका मुख्य कारण डेटा सेंटर्स का ऊर्जा विस्तार है। डेटा सेंटर्स में सर्वर जब भारी काम करते हैं, तो वे गर्म हो जाते हैं। गर्मी को नियंत्रित करने के लिए कूलिंग सिस्टम इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें काफी मात्रा में पानी की खपत होती है। 2025 में डेटा सेंटर्स की कुल पानी खपत 300 से 700 अरब लीटर के बीच होने का अनुमान है, जो कुछ देशों के सालाना पानी उपयोग के बराबर है। चैट जीपीटी जैसे एआई सिस्टम के हर एक क्वेरी के लिए लगभग 0.32 मिलीलीटर पानी लगता है और इसकी कूलिंग के लिए भी।

> चैट जीपीटी जैसे एआई सिस्टम के हर क्वेरी के लिए 0 .32 मिलीलीटर पानी लगता है और इसकी कूलिंग के लिए भी। एआई का उपयोग व्यापक रूप से जारी रखते हैं, तो पानी की खपत बड़ा जल संकट बन सकता है।

यदि हम एआई का उपयोग व्यापक रूप से जारी रखते हैं, तो यह पानी की खपत एक गुप्त मगर बड़ी जल संकट-संबंधित समस्या बन सकती है। खासकर उन इलाकों में, जहां पानी की कमी पहले से ही एक चुनौती है। एआई के बढ़ते उपयोग का सबसे चर्चित असर है कार्बन उत्सर्जन। आंकड़ों के अनुसार, एआई-संपर्की सिस्टमों द्वारा वार्षिक CO उत्सर्जन लगभग 105 मिलियन मीट्रिक टन हो चुका है, जो कि कुछ देशों के उत्सर्जन के बराबर है। कुछ विश्लेषणों के अनुसार, एआई और डाटा सेंटर 2.5% से 3.7% तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का हिस्सा हो सकते हैं, जो तेजी से बढ़ रहा है। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि एआई सिर्फ टेक्नोलॉजी सेक्टर की सीमा के भीतर नहीं है। यह वैश्विक जलवायु कार्बन बजट को भी प्रभावित कर रहा है।

एआई मॉडल का प्रशिक्षण, जैसे- बड़े भाषा मॉडल की ट्रेनिंग, खुद ही भारी कार्बन उत्सर्जन उत्पन्न करता है। उदाहरण के लिए, किसी बड़े मॉडल का प्रशिक्षण हजारों टन CO जैसा उत्सर्जन पैदा कर सकता है। एआई के उत्सर्जन पर सिर्फ नकारात्मक विश्लेषण करना ही पर्याप्त नहीं है। कुछ शोध बताते हैं कि अगर एआई का उपयोग बुद्धिमानी से किया जाए, तो यह ऊर्जा दक्षता को भी बढ़ा सकता है। एक पीडब्लूसी अध्ययन का निष्कर्ष है कि एआई का उपयोग अगर पूरे आर्थिक ढांचे में फैलाया जाए, तो 2035 तक कुल ऊर्जा और उत्सर्जन में मामूली कमी भी संभव है। कुछ परिदृश्यों में 0.3%-1.9% तक का कमी। यह अध्ययन दिखाता है कि एआई के नकारात्मक प्रभाव और सकारात्मक अवसर दोनों को संतुलित करना जरूरी है। सिर्फ तकनीक को दोष देना या समाधान मान लेना, दोनों ही अर्ध-सत्य हैं।

भारत डिजिटल विकास और एआई अपनाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश के सामने पहले से ही तीन बड़ी चुनौतियां मौजूद हैं- ऊर्जा दबाव, जल संकट और जलवायु परिवर्तन। यदि एआई का विस्तार बिना पर्यावरणीय संतुलन के किया गया, तो यह जल संकट को गहरा कर सकता है। ऊर्जा आयात पर निर्भरता बढ़ा सकता है और कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों को कमजोर कर सकता है। वहीं दूसरी ओर, यदि एआई को ऊर्जा दक्षता, जल प्रबंधन और स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए सही दिशा में इस्तेमाल किया गया, तो यह भारत के लिए समाधान का हिस्सा भी बन सकता है।

जब तकनीकी कंपनियां सवाल करती हैं कि 'क्या एआई को रोकना चाहिए?' तो जवाब एकदम सरल नहीं है। समस्याएं जटिल हैं और समाधान बहुआयामी उर्जा स्रोत का प्रकृति-निर्देश एआई डेटा सेंटर्स को अगर पूरी तरह नवीकरणीय ऊर्जा से चलाया जाए, तो ऊर्जा-जनित कार्बन को काफी घटाया जा सकता है। उन्नत कूलिंग सिस्टम और रिसायक्लिंग तकनीकें पानी की खपत को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकती हैं। वैश्विक क्लाइमेट सम्मेलन जैसे COP30 में भी एआई के पर्यावरण-प्रभावों पर चर्चा हुई है और विशेषज्ञों ने एआई के लिए 'स्थिरता मानकों' की मांग की है।

आज के समय में एआई तकनीक को केवल एक डिजिटल प्रगति का प्रतीक मानना हमारे पर्यावरण के प्रति एक अर्ध-सत्य होगा। वास्तव में, एआई के ऊर्जा, पानी और कार्बन परिदृश्यों में होने वाला विस्तार एक गंभीर समस्या बन चुका है, जो तत्काल नीति-निर्माण, सतत डिजाइन और वैश्विक सहयोग से ही नियंत्रित किया जा सकता है। यदि हम इन तकनीकों को बिना पर्यावरणीय चिंताओं के विकसित होने दें, तो तकनीक कभी हमारे भविष्य को बचाने के बजाय, हमारे स्व-निर्मित संकटों को और तीव्र कर सकती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने

इन लोगों को पहले लगता था कि प्रदेश में भाजपा सरकार नहीं आएगी, तब ये लोग कांग्रेस की ओर भाग गए। जैसे ही भाजपा आई, तो दोबारा बुके लेकर बैठ गए और झंडे लगा लिए। मैंने पहले भी कहा कि वे मतलब की राजनीति से पार्टी में आए हैं और उन्हें अपना स्वार्थ पूरा करना है।

–**सतपाल जांबा**
भाजपा विधायक, हरियाणा

सामने

भाजपा किसी अकेले व्यक्ति की पार्टी नहीं है। विधायक कह रहे हैं कि मेरी पार्टी है, जब पार्टी उनकी हो जाएगी, तब हम पार्टी से इस्तीफा दे देंगे। मुझे पार्टी अच्छी लगी तो मैंने ज्वाइन की। जिस प्रकार विधायक बयान दे रहे हैं, इससे हलके में उनकी छवि गिर रही है। पार्टी ही इस पर संज्ञान लेगी।

–**सतबीर भाना**
भाजपा नेता, हरियाणा

नई रक्षा खरीद से बदलेगा सामरिक संतुलन

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा 114 राफेल लड़ाकू विमानों और 288 एस-400 मिसाइलों की स्वीकृति केवल एक रक्षा खरीद नहीं, बल्कि 21वीं सदी के भारत की सामरिक चेतना का ऐतिहासिक उद्घोष है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा दी गई 'आवश्यकता की स्वीकृति' (एओएन) ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब प्रतिक्रियात्मक सुरक्षा नीति के दायरे से बाहर निकलकर सक्रिय प्रतिरोध और विश्वसनीय निवारण की रणनीति को संस्थागत रूप दे रहा है। लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना स्वतंत्र भारत के इतिहास की सबसे बड़ी रक्षा खरीद बन सकती है। रणनीतिक हलकों में इसे यूं ही 'मदर ऑफ ऑल डिफेंस डील्स' नहीं कहा जा रहा है। यह सौदा वायु-श्रेष्ठता, बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा, औद्योगिक आत्मनिर्भरता और भू-राजनीतिक संतुलन, चारों आयामों को एक साथ सुदृढ़ करता है।

यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब उत्तरी सीमाओं पर सैन्य सक्रियता और पश्चिमी मोर्चे पर निरंतर तनाव भारत के लिए दो-मोर्चीय चुनौती का यथार्थ प्रस्तुत करते हैं। भारतीय वायुसेना की स्वीकृत क्षमता 42 स्क्वाड्रन की है, किंतु वास्तविक संख्या लगभग 29-30 के बीच सिमटी हुई है। पुराने मिग-21 विमानों के चरणबद्ध निष्कासन ने इस अंतर को और स्पष्ट कर दिया है। ऐसे परिदृश्य में 114 नए राफेल विमानों की मंजूरी केवल संख्यात्मक वृद्धि नहीं, बल्कि सामरिक संतुलन की पुनर्स्थापना है। वर्तमान में 36 राफेल विमान भारतीय वायुसेना में परिचालन कर रहे हैं और उन्होंने उच्च-ऊंचाई अभियानों से लेकर त्वरित प्रतिक्रिया मिशनों तक अपनी प्रभावशीलता सिद्ध की है। नई डील के बाद इनकी संख्या लगभग 150 तक पहुंच सकती है, जिससे पश्चिमी सीमा पर त्वरित प्रहार और उत्तरी मोर्चे पर गहन वायु-श्रेष्ठता एक साथ सुनिश्चित की जा सकेगी।

> रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा 114 राफेल लड़ाकू विमानों और 288 एस–400 मिसाइलों की रक्षा खरीद भारत की सामरिक चेतना का उद्घोष है।

फ्रांस की दसाल्ट एविएशन द्वारा निर्मित राफेल 4.5 पीढ़ी का अत्याधुनिक 'ओम्नी-रोल' लड़ाकू विमान है। इसकी शक्ति केवल गति या हथियार-क्षमता में नहीं, बल्कि बहु-भूमिका दक्षता में निहित है। एक ही मिशन में वायु-श्रेष्ठता स्थापित करना, सटीक जमीनी हमला करना और सामरिक टोही संचालन करना इसकी विशिष्टता है। एईएसए रडार एक साथ अनेक लक्ष्यों को ट्रैक और एंगेज कर सकता है। मेटेओर बीवीआर मिसाइल 150-200 किलोमीटर तक 'बियॉन्ड विजुअल रेंज' में लक्ष्य भेदने की क्षमता देती है, जबकि स्कैल्प क्रूज मिसाइल सुदृढ़ बंकरों और रणनीतिक ठिकानों को सुरक्षित दूरी से नष्ट कर सकती है। स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम राफेल को दुश्मन के रडार और मिसाइलों से बचाने में अभेद्य कवच प्रदान करता है। नेटवर्क-सेंट्रिक युद्ध क्षमता इसे अन्य प्लेटफॉर्म और कमांड सिस्टम से जोड़कर रीयल-टाइम डेटा साझा करने में सक्षम बनाती है। यही कारण है कि राफेल को वास्तविक 'फोर्स मल्टीप्लायर' कहा जाता है, जो संपूर्ण युद्ध-तंत्र की क्षमता को गुणात्मक रूप से बढ़ा देता है।

इस मेगा डील का सबसे दूरदर्शी आयाम इसका औद्योगिक ढांचा है। 114 विमानों में से लगभग 20 फ्रांस से 'फ्लाई-अवे' स्थिति में आएंगे, जबकि शेष 90 से अधिक विमानों का निर्माण भारत में किया जाएगा। इस उत्पादन सहयोग में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की केंद्रीय भूमिका होगी। इसमें 50-60 प्रतिशत तक स्वदेशी सामग्री शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एयरो-स्ट्रक्चर, एवियोनिक्स सब-सिस्टम, वायरिंग हार्नेस, रडार मॉड्यूल और मेंटेनेंस-रिपेयर सुविधाओं का बड़ा हिस्सा देश में ही विकसित होगा। यह केवल तकनीक का आयात नहीं, बल्कि ज्ञान और कौशल का हस्तांतरण भी है। इससे भारतीय एमएसएमई, स्टार्टअप और निजी रक्षा उद्योग को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थान मिलेगा। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा को वास्तविक औद्योगिक आधार यहीं से प्राप्त होगा।

राफेल के साथ-साथ 288 मिसाइलों की खरीद, जो रूस निर्मित एस-400 ट्रायंफ वायु रक्षा प्रणाली के लिए है, भारत की बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा को अभेद्य बनाती है। लगभग 10,000 करोड़ रुपये की इस स्वीकृति में 120 शॉर्ट-रेंज और 168 लॉन्ग-रेंज मिसाइलें शामिल हैं। एस-400 की अधिकतम मारक क्षमता 400 किलोमीटर तक है और यह एक साथ 80 से अधिक लक्ष्यों को ट्रैक कर सकती है। स्टेल्थ लड़ाकू विमान, क्रूज मिसाइल, ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल, इन सभी जटिल खतरों के विरुद्ध यह प्रणाली प्रभावी सुरक्षा कवच प्रदान करती है। आधुनिक युद्ध में आक्रामक शक्ति जितनी आवश्यक है, उतनी ही सुदृढ़ रक्षात्मक संरचना भी अनिवार्य है। राफेल जहां आकाश में वर्चस्व स्थापित करता है, वहीं एस-400 वायु रक्षा प्रणाली उस आकाश को अभेद्य बनाती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

कहानी रीयल ठग की

ठग, वह अपराधी हैं, जो लोगों को लूटते थे। 1356 से 1894 ईस्वी तक लगभग 450 वर्षों तक एशिया में सक्रिय रहे। 'ठग' को अंग्रेज़ी में 'Thug' ही कहा जाता है। 'ठग' मूल रूप से अंग्रेज़ी शब्द नहीं है। 19वीं सदी में ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में ठगों के अपराधों और हत्याओं के कारण यह शब्द अंग्रेज़ी भाषा में प्रचलित हुआ।

SHOAIB GAZI

शोएब गाजी
ब्लॉगर

ठग या ठगी इतिहास का सबसे बदनाम और घातक आपराधिक गिरोह था, जो 19वीं सदी के अंत तक राजमार्गों पर यात्रियों को अपना शिकार बनाता रहा। इस शब्द में क्रूरता से जुड़ी एक कहानी छिपी है, जिसकी जड़ें 13वीं–14वीं सदी के भारत से मिलती हैं, जब पेशेवर ठगों ने 'खुशबू' वाला रूमाल सूंघाकर और तरह-तरह के झांसे देकर लोगों को लूटना शुरू किया।

उनका तरीका सरल था। लंबी यात्रा के दौरान यात्रियों से मित्रवत व्यवहार कर उनका विश्वास जीतना और फिर किसी सुनसान जगह पर उनका गला घोंट देना। उनका मुख्य हथियार रूमाल या फंदा होता था, जिससे वे पलभर में अपने शिकार का गला घोंट देते या ज़हर देकर मार डालते। लूटपाट कर लाशों दफना देते।

आश्चर्य की बात यह है कि ठगों के समूह में हिंदू-मुस्लिम का भेद नहीं था। मुस्लिम सदस्य भी भवानी की पूजा और अन्य रस्मों में भाग लेते थे। कुछ विवरणों के अनुसार ठगी उनके लिए केवल पेशा नहीं, बल्कि एक प्रकार का धर्म भी थी। उनका विश्वास था कि उनकी देवी उनके कार्यों से प्रसन्न होती हैं और शुभ संकेत मिलने तक वे किसी अभियान में हिस्सा नहीं लेते थे।

लंबे समय तक ब्रिटिश प्रशासन को इन हत्याओं और लूट की पूरी जानकारी नहीं थी। 1829 तक ये अपराध जारी रहे। William Henry Sleeman को नरबदा क्षेत्र में नियुक्त किया गया। उन्हें 1807 और 1814 की कई हत्याओं की जानकारी मिली। उन्होंने कंपनी को विस्तृत रिपोर्ट भेजी। इसके बाद ठगों के विरुद्ध अभियान शुरू हुआ। ठगी से निपटने के लिए अंग्रेज़ों को एक अलग विभाग बनाना पड़ा, जिसे बाद में खुफिया तंत्र की नींव माना गया।

1826 से 1835 के बीच 1562 लोगों पर मुकदमे चले, जिनमें से 1404 को फांसी या आजीवन कारावास की सज़ा दी गई। कुछ ठगों ने स्वीकार किया कि उन्होंने सैकड़ों लोगों की हत्या की थी। जो सरकारी गवाह बने, उन्हें माफ़ी देकर जबलपुर की विशेष जेल में नजरबंद किया गया और उन्हें कालीन बुनाई जैसे कार्यों में लगाया गया।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बांग्लादेश की नई सरकार में हिंदू मंत्री के मायने

पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में तारिक रहमान के रूप में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है कि रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। उनके इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में समूची दुनिया देख रही है। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं के साथ हुई बर्बरता ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू-थू करवाई, बल्कि दशकों से मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया। इसको लेकर दोनों मुल्कों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं कि अगर माहौल ऐसा ही बरकरार रहा, तो रिश्तो की दूरियां घटने वाली नहीं? ऐसी अखरती दुश्वारियों पर गौर करते हुए ही रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू सांसदों को अहम औहदे सौंपे, ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके। भारत ने भी उनके निर्णय को सराहा है।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक

हिंदुओं पर अत्याचार की घटनाओं को तत्काल प्रभाव से रोकने की चुनौती तारिक रहमान के सामने अभी भी खड़ी है, हालांकि इसे रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के अटपटे और संबंध विच्छेद भरे निर्णयों की समीक्षा करेंगे। उनका झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छे से समझते हैं कि जब तक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हर संभव कोशिशें कीं। कुछ उन्होंने कीं और कुछ दूसरे देशों ने करवाईं?

प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारतीय हुकूमत का साथ लेकर और अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक सरकार चलाना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती, तो सबसे पहले वह अपने धुरविरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए, उनके आवास पर पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश की। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़कर उनका गर्मजोशी से अपने घर पर स्वागत किया।

इस तरह की खूबसूरत परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है, जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिक कुकर्मों की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे, जिनकी पार्टी चुनावों में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है, लेकिन बांग्लादेश में दिखी।

रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल-मिठाईयों को ढाका भेजना भी धूमिल संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान के शपथ में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी सुखद और नए संबंधों में नए सिरे से गढ़ने जैसा है। नए रंग में रिश्तों को रंगने की दरकार इसलिए भी महसूस होने लगी है, क्योंकि बांग्लादेश की सत्यानाशी के लिए जिस तरह से चीन-पाकिस्तान मिलकर घेराबंदी कर रहे हैं, जिसका अंदाजा नवगठित सरकार के मुखिया को भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

खोज

यात्रा टाइपराइटर के आविष्कार की

मानव सभ्यता के विकास में लेखन का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। हाथ से लिखे दस्तावेज लंबे समय तक संचार और प्रशासन का आधार रहे, किंतु औद्योगिक क्रांति के दौर में जब व्यापार, न्यायालय और सरकारी कार्यों का विस्तार हुआ, तब तेज और स्पष्ट लेखन की आवश्यकता महसूस की जाने लगी। इसी आवश्यकता ने टाइपराइटर के आविष्कार की दिशा में अनेक प्रयासों को जन्म दिया। 18 वीं शताब्दी में इंग्लैंड के हेनरी मिल ने एक "राइटिंग मशीन" का पेटेंट अवश्य कराया, पर उसका कोई ठोस मॉडल सामने नहीं आ पाया। 19 वीं शताब्दी में विभिन्न आविष्कारकों ने प्रयोग किए, परंतु मशीनें जटिल और अव्यावहारिक सिद्ध हुईं। अंतत: इस दिशा में निर्णायक सफलता अमेरिकी आविष्कारक क्रिस्टोफर लाथम शोल्स को मिली। उन्होंने 1860 के दशक में अपने साथियों के साथ मिलकर एक ऐसी मशीन विकसित की, जो अक्षरों को यांत्रिक ढंग से कागज पर उकेर सकती थी।

शोल्स के इस आविष्कार को 1874 में व्यावसायिक रूप से उत्पादन का अवसर मिला, जब प्रसिद्ध कंपनी Remington & Sons ने इसे बाजार में उतारा। "Sholes and Glidden Typewriter" के नाम से प्रसिद्ध इस मशीन ने कार्यालयों की कार्यशैली बदल दी। इसी के साथ QWERTY की-बोर्ड लेआउट भी अस्तित्व में आया, जिसे टाइपबार के आपस में फंसने की समस्या से बचने के लिए तैयार किया गया था। यही लेआउट आज भी कंप्यूटर कीबोर्ड पर प्रचलित है।

टाइपराइटर ने न केवल प्रशासनिक कार्यों को गति दी, बल्कि समाज में नई भूमिकाएं भी निर्मित कीं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए टाइपिस्ट के रूप में रोजगार के अवसर खुले। पत्रकारिता, न्यायालय और व्यावसायिक पत्राचार में यह मशीन क्रांतिकारी सिद्ध हुई। 20 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में कंप्यूटर और प्रिंटर के आगमन से टाइपराइटर का उपयोग धीरे-धीरे कम हो गया, किंतु लेखन तकनीक के इतिहास में उसका योगदान अमिट है। यह आविष्कार मानव की उस जिज्ञासा और नवोन्मेष की भावना का प्रतीक है, जिसने साधारण लेखनी को यांत्रिक दक्षता में परिवर्तित कर दिया।

वैज्ञानिक के बारे में

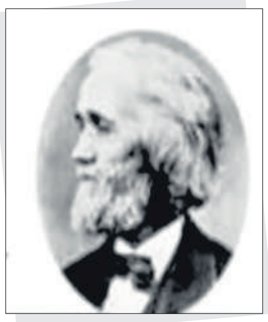

क्रिस्टोफर लाथम शोल्स का जन्म 14 फरवरी 1819 को अमेरिका में हुआ। वे पेशे से पत्रकार, संपादक और राजनीतिज्ञ भी थे। युवावस्था में उन्होंने प्रिंटिंग प्रेस और समाचार-पत्रों से जुड़कर काम किया, जिससे उन्हें लेखन और मुद्रण तकनीक में गहरी रुचि हुई। वे सामाजिक सुधारों के समर्थक थे और दास-प्रथा के विरोध में भी सक्रिय रहे। बाद में उन्होंने यांत्रिक प्रयोगों की ओर ध्यान दिया और टाइपराइटर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शोल्स का निधन 17 फरवरी 1890 को हुआ, किंतु उनका आविष्कार आज भी आधुनिक कीबोर्ड के रूप में जीवित है।

भारत के खगोलविद् समझेंगे ब्रह्मांड की गुरुत्व लहरें

कॉम्पैक्ट बाइनरी कोलीसेंस ऑब्जर्व्ड बाय लीगो एंड विर्गोड्यूरिंग द सेकेंड पार्ट ऑफ द थर्ड ऑब्जर्विंग रन शीर्षक से उपलब्ध एक रिसर्च-रिव्यु रिपोर्ट उस व्यापक परियोजना के बारे में बात करती है, जिससे रेडियो एस्ट्रोनॉमर्स ने सुदूर ब्रह्मांड में ग्रेविटेशनल वेव्स की उपस्थिति के स्रोतों को चिह्नित किया है। ग्रेविटेशनल वेव्स अर्थात गुरुत्व लहरों और इनमें समाई हुई विपुल शक्ति से ब्रह्मांड में नई रचनाओं का जन्म होता है और पुरानी रचनाओं एवं अरबों-खरबों गैलेक्सियों में मौजूद तारों या कहें तो ऑब्जरवेबल स्टार्स के जीवन मरण की घटनाओं के अलावा ब्लैक होल्स की मैपिंग करने के बाद एक कैटेलॉग बनाया गया है। कैटेलॉग, मतलब एक ऐसी बड़ी सूची वाली किताब, जिसमें यह दर्ज किया गया है कि फलां तारा या ब्लैक होल, पृथ्वी से किए गए अवलोकन की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखकर, ब्रह्मांड में किस तरफ और कितना दूर मौजूद हैं और क्या होने की संभावना है, जिसे एक विशिष्ट संख्या और नाम दिया गया है।

मनुष्य की वैज्ञानिक रुचियों का यह एक ऐसा अध्याय है, जिसकी कोई भी व्याख्या विस्मित करने के लिए काफी है। ब्रह्मांड अवलोकन के लिए जो भी साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट्स अब तक बनाए गए हैं या प्रतावित हैं, उन पर अनेक देशों ने सम्मिलित रूप से इतनी धनराशि खर्च कर दी है, जोकि हमारे अनुमान से आगे निकल जाती है। इन 200 सालों में अन्वेषण की उत्तेजना से ओतप्रोत खगोलविदों ने ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ को कई गुणा बढ़ाया है। एस्ट्रोफिजिक्स में ऐसे आख्यान सेट किये गए हैं, जोकि प्रथम दृष्टया समझ से बाहर हैं, क्योंकि एस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स में नियम और गणनाएं और संबद्ध टर्मिनोलॉजी उपलब्ध हैं, उन्हें इस विधा के जानकारों के अलावा अन्य लोग कम ही समझते हैं।

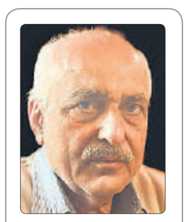

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

उपर्युक्त शीर्षक के अंतर्गत 82 पन्नों में दुनिया के जाने-माने और कम ज्ञात उन 297 संस्थानों ने सहयोग करते हुए, जो लंबा-चौड़ा शोध-समीक्षा पत्र प्रकाशित किया है वह एक व्यापक और दीर्घकालिक सहयोग का नतीजा है। ग्रेविटेशनल वेव्स के सोर्सेज की मैपिंग क्यों जरूरी है और क्यों इस पर कभी भी राजनीतिज्ञों की टिप्पणियां आसानी से उपलब्ध नहीं होतीं? इसलिए कि ऐसे विषयों के बारे में संबद्ध विभाग और मंत्रालय से जुड़े हुए संस्थानों और फंडिंग एजेंसीज की टेक्निकल और साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटियों या एक देश की संसद की स्थायी समिति में चर्चा होती है और इनकी रिपोर्टिंग कम ही होती है। उपर्युक्त स्टडी में कहा गया है कि इसमें ब्रह्मांड में ग्रेविटेशनल वेव स्रोतों की बहुतायत का खुलासा है, जोकि एडवांस्ड लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्ज़र्वेटरी लीगो और एडवांस्ड विर्गो डिटेक्टरों से किया गया तीसरी बार का कोलैबोरेशन सर्वेक्षण हैं। लीगो-विर्गो द्वारा किए गए सर्वेक्षण की तीसरी पारी के अंत तक खोजे गए ट्रांजिएंट ग्रेविटेशनल वेव सिग्नलों का ही यह रिकॉर्ड है, जोकि तीसरी पारी के दूसरे भाग में दर्ज किए गए सिग्नलों को शामिल करके पिछले सर्वेक्षण का नवीकरण करता है। नवीकरण अध्ययन में 1 नवंबर 2019 से 27 मार्च 2020 तक की अवधि में तीसरी पारी के दौरान का डेटा शामिल है।

ग्रेविटेशनल वेव्स एक एस्ट्रोनॉमिकल टूल है, जिसे इंस्ट्रूमेंट्स डिटेक्टर्स से पकड़ कर ब्रह्मांडीय रचनाओं की स्थिति, इनमें हुए परिवर्तन और व्यवहार पर नजर रखी जाती है और अवलोकन करते हुए डाटा दर्ज किया जाता है। यह भी कि इन व्यवहार परिवर्तनों और ग्रेविटेशनल वेव्स से पृथ्वी और सौर मंडल कैसे प्रभावित होता है। पृथ्वी पर जीवन की रक्षा के उपाय इन्हीं अवलोकनों की व्याख्या से मालूम होते हैं, जिसके लिए व्यापक डाटा का सुपर कंप्यूटर से एनालिसिस किया जाता है। इससे हमें मालूम होता रहता है कि सुदूर ब्रह्मांड से आने वाली ग्रेविटेशनल लहरों की शक्ति से पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर पर क्या प्रभाव पड़ा है। अस्तित्व हेतु इसमें आने वाले सूक्ष्म परिवर्तन पृथ्वी के मौसम की विशाल मशीनरी को प्रभावित करते हैं, जिस पर जीवन टिका हुआ है।

लीगो वेधशालाओं की स्थापना

लीगो से पहले ब्रह्मांड के बारे में हमारे पास जो भी, जैसा भी डाटा था वह प्रकाश और इलेक्ट्रो मैग्नेटिक तरंगों को ऑप्टिकल एवं रेडियो टेलेस्कोप्स के प्रयोग से रिकॉर्ड किया जाता था। लीगो ऑब्जर्वेटरीज की स्थापना के बाद से एक अतिरिक्त और बेहतर टूल खगोल भौतिकिविदों को हासिल हुआ है। लीगो वेधशालाओं की स्थापना होने के बाद सन् 2002 में इन्होंनें काम करना शुरू किया था। सन् 2015 में लीगो को उन्नत किया गया तभी बहुत सा नया डाटा मिला। ग्रेविटेशनल वेव्स की मौजूदगी की अवधारणा सबसे पहले अल्बर्ट आइंस्टीन ने स्पेशल थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी में प्रकट की थी। क्या ग्रेविटेशनल वेव्स वास्तव में उपस्थित हैं, यह मालूम करने के लिए सन् 1960 में अमेरिकी और सोवियत युग के वैज्ञानिकों ने चिंतन करते हुए इन्हें पकड़ने के लिए सैद्धांतिक कार्य शुरू किया और कहा कि ये मौजूद हैं और इनके दर्ज करना भी संभव है, बशर्ते विशिष्ट प्रकार के इंस्ट्रूमेंट्स का निर्माण कर लिया जाए।

इंटरफेरोमीटर का निर्माण

प्रोटोटाइप इंटरफेरोमेट्रिक ग्रेविटेशनल वेव डिटेक्टर इंटरफेरोमीटर, 1960 के दशक के आखिर में रॉबर्ट एल फॉरवर्ड और ह्यूजेस रिसर्च लेबोरेटरीज में उनके साथियों ने बनाए थे, जिनमें शीशे, फ्री स्विंगिंग के बजाय, वाइब्रेशन आइसोलेटेड प्लेट पर लगे थे। सन् 1970 के दशक में मैसाच्यूसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एमआईटी, कैलिफोर्निया, यूएस में वीस ने, जो इंस्ट्रूमेंट बना उसमें फ्री स्विंगिंग शीशे थे, जिनके बीच लाइट कई बार टकराती थी। बाद में जर्मनी में हेंज बिलिंग और उनके साथियों ने और फिर ग्लासगो, स्कॉटलैंड में रोनाल्ड ड्रेवर, जेम्स हॉफ और उनके साथियों ने भी अपने तरीके से ग्रेविटेशनल वेव्स को दर्ज करने के लिए यंत्र प्रणालियों का निर्माण किया था। काम जारी रहा और सन् 1980 में, यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन ने एमआईटी के पॉल लिंसय, पीटर सॉल्सन, रेनर वीस के नेतृत्व में एक बड़े इंटरफेरोमीटर के निर्माण और अध्ययन करने के लिए फंड दिया। फिर कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कैलटेक के रोनाल्ड ड्रेवर और स्टैन व्हिटकॉम्बने 40 मीटर का एक प्रोटोटाइप बनाया, लेकिन दूसरी ओर एमआईटी ने पर्याप्त सेंसिटिविटी के साथ 1 किलोमीटर स्केल पर इंटरफेरोमीटर बनाने की संभावना साबित की, जिसमें बहुत से डिश-टाइप ऐंटेना जमीन पर लगाकर इन्हें आपस में जोड़ा जाना शामिल था।

रिसर्च और डेवलपमेंट

(एमआईटी) और कैलटेक के वैज्ञानिकों ने जब गुरुत्वाकर्षण तरंगों की खोज के महत्व को समझा, तब उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी की। ड्रेवर, किप थॉर्न और रोनाल्ड वीस के नेतृत्व में एक स्टीयरिंग कमेटी गठित की गई, जिसने 1986 तक परियोजना की दिशा तय की। बाद में अमेरिकी सरकार ने संरचना में बदलाव करते हुए कैलटेक के रोचस ई. वाउट को निदेशक नियुक्त किया। 1988 में प्रारंभिक चरण पूरा होने के बाद अनुसंधान एवं विकास के विस्तार हेतु नए प्रस्ताव को स्वीकृति मिली, किंतु 1989 से 1994 के बीच परियोजना तकनीकी और संगठनात्मक चुनौतियों से जूझती रही। नियमित फंडिंग के प्रस्ताव बार-बार अस्वीकृत होते रहे। अंतत: 1991 में अमेरिकी कांग्रेस ने पहले वर्ष के लिए 23 मिलियन डॉलर की राशि स्वीकृत की। 1992 में परियोजना का पुनर्गठन किया गया और इसे एक उन्नत "इवोल्यूशनरी डिटेक्टर" के रूप में विकसित करने की योजना बनी, जो गुरुत्वाकर्षण तरंगों का सूक्ष्मतम स्तर पर पता लगा सके। 1994 में नेशनल साइंस फाउंडेशन ने 395 मिलियन डॉलर की ऐतिहासिक फंडिंग दी, जो उस समय की सबसे बड़ी वैज्ञानिक सहायता थी। उसी वर्ष वाशिंगटन के हैनफोर्ड और 1995 में लुइसियाना के लिविंगस्टन में निर्माण कार्य शुरू हुआ। 1997 तक निर्माण पूरा होने की दिशा में बढ़ते हुए दो संस्थाएं स्थापित की गईं—लीगो लेबोरेटरी और लीगो साइंटिफिक कोलैबोरेशन—जिनका उद्देश्य तकनीकी और वैज्ञानिक शोध को सुव्यवस्थित करना था।

भारत ने भी लीगो-इंडिया परियोजना के माध्यम से इस वैश्विक प्रयास में भागीदारी की। इसका लक्ष्य अमेरिका और इटली की प्रयोगशालाओं के सहयोग से भारत में एक अत्याधुनिक गुरुत्वाकर्षण तरंग वेधशाला स्थापित करना है। फरवरी 2016 में इसे सैद्धांतिक मंजूरी मिली और महाराष्ट्र में उपयुक्त स्थल का चयन हुआ। अप्रैल 2023 में भारत सरकार ने 2,600 करोड़ रुपये के बजट को स्वीकृति दी। परियोजना के 2030 तक पूर्ण होने की उम्मीद है। लीगो-इंडिया में चार किलोमीटर लंबे दो वैक्यूम चैंबर होंगे, जो अत्यधिक संवेदनशील उपकरणों से सुसज्जित रहेंगे। यह वेधशाला वैश्विक नेटवर्क का अहम हिस्सा बनेगी और गुरुत्वाकर्षण तरंग खगोल विज्ञान में भारत की भूमिका को सशक्त करेगी। वैज्ञानिकों को विश्वास है कि गुरुत्व लहरों का अध्ययन ब्रह्मांड में पदार्थ की उत्पत्ति और विकास संबंधी हमारी समझ को नई दिशा देगा।

वाइल्ड लाइफ

साइगा मृग : अनोखे रूप वाला जीव

साइगा मृग, सामान्य मृग और चींटीखोर का अनोखा मिश्रण है। यह दुर्लभ प्रजाति मुख्यतः मध्य एशिया और दक्षिण-पूर्वी यूरोप के विस्तृत घास के मैदानों में पाई जाती है। साइगा मृग प्रायः 30 से 40 सदस्यों के झुंड में रहते हैं और तेज गति से लंबी दूरी तय करने के लिए जाने जाते हैं। दुर्भाग्यवश, अनियंत्रित शिकार और अवैध व्यापार के कारण इनकी आबादी पिछले कई दशकों से लगातार घटती जा रही है। स्थानीय समुदायों द्वारा इनके मांस का उपयोग भोजन के रूप में किया जाता है, जबकि नर साइगा के सींगों का इस्तेमाल पारंपरिक चीनी औषधि में होने के कारण इनका शिकार और भी बढ़ गया है। यही कारण है कि आज साइगा मृग दुनिया के सबसे संकटग्रस्त स्तनधारियों में गिने जाते हैं। साइगा मृग के शरीर पर दालचीनी रंग के घने और मुलायम बाल होते हैं, जो मौसम के अनुसार बदलते रहते हैं। इसकी सबसे विशिष्ट पहचान इसकी बड़ी, लचीली और नीचे की ओर झुकी हुई नाक है, जो पूरे चेहरे को ढकती हुई प्रतीत होती है। यह नाक केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि एक अत्यंत उपयोगी जैविक संरचना है। गर्मियों में यह हवा में उड़ने वाली धूल और रेत को फेफड़ों में जाने से रोकती है, जबकि कठोर सर्दियों में अत्यधिक ठंडी हवा को फेफड़ों तक पहुंचने से पहले गर्म कर देती है। शिकार का सबसे गहरा असर इनके लैंगिक अनुपात पर पड़ा है। चूंकि केवल नर साइगा मृग के ही सींग होते हैं, इसलिए शिकारी मुख्य रूप से नर को ही निशाना बनाते हैं। परिणामस्वरूप, कई क्षेत्रों में मादा साइगा की संख्या असामान्य रूप से अधिक हो गई है, जिससे प्रजनन चक्र और पूरी आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। साइगा मृग न केवल जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि घास के मैदानों के पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इनका संरक्षण वास्तव में पूरे स्टेपी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण से जुड़ा हुआ है।

वैज्ञानिक फैक्ट

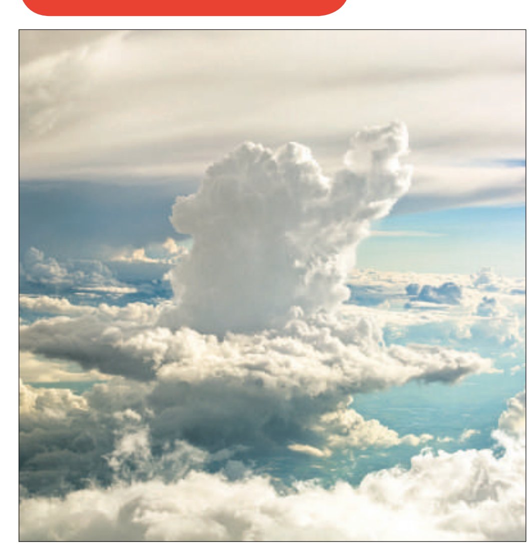

भारहीन नहीं, फिर भी तैरते हैं बादल

बचपन में अक्सर हम यह सोचते हैं कि बादल रूई की तरह हल्के होते होंगे, इतने हल्के कि उन पर चला भी जा सके, लेकिन विज्ञान इस कल्पना को पूरी तरह बदल देता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक संस्था United States Geological Survey (USGS) के अनुसार, एक औसत क्यूमुलस बादल का वजन लगभग दस लाख पाउंड तक हो सकता है। यह वजन माल और यात्रियों से भरे एक विशाल बोइंग 747 विमान से भी अधिक है। सवाल यह है कि यदि बादल इतने भारी हैं, तो वे आकाश में तैरते कैसे रहते हैं? इस रहस्य की कुंजी है, घनत्व (Density)। किसी वस्तु का तैरना केवल उसके वजन पर निर्भर नहीं करता, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि वह जिस माध्यम में है, उसके मुकाबले उसका घनत्व कितना है। बादल दरअसल हवा में तैरती अरबों सूक्ष्म जल-बूंदों और बर्फ के कणों से बने होते हैं। ये कण मिलकर भारी जरूर हो जाते हैं, लेकिन जिस हवा में वे मौजूद होते हैं, उसके मुकाबले उनका औसत घनत्व कम होता है।

बादलों के बनने की प्रक्रिया भी इसे समझने में मदद करती है। जब धरती की सतह से गर्म, नम हवा ऊपर उठती है, तो वह फैलती है और ठंडी होने लगती है। ठंडा होने पर उसमें मौजूद जलवाष्प संघनित होकर छोटी-छोटी बूंदों का रूप ले लेती है, यही बादल हैं। यह नम हवा आसपास की शुष्क हवा की तुलना में हल्की होती है, इसलिए ऊपर उठी रहती है। यही कारण है कि बादल आकाश में स्थिर या धीरे-धीरे बहते दिखाई देते हैं। इसके अलावा, हवा में लगातार चलने वाली ऊर्ध्वाधर धाराएं (Updrafts) भी बादलों को थामे रखती हैं। ये ऊपर की ओर उठती हवाएं जल-बूंदों को गिरने नहीं देतीं। जब बूंदें बहुत बड़ी और भारी हो जाती हैं, तब गुरुत्वाकर्षण हावी हो जाता है और वे वर्षा के रूप में धरती पर गिरती हैं। इस तरह, बादल न तो जादू से तैरते हैं और न ही वास्तव में भारहीन होते हैं। वे घनत्व, तापमान, नमी और वायु-गतिकी के संतुलन का सुंदर उदाहरण हैं। विज्ञान हमें सिखाता है कि जो दिखने में हल्का और सरल लगता है, उसके पीछे अक्सर अत्यंत गहरी और रोचक प्रक्रियाएं काम कर रही होती हैं।

दृष्टि से बुद्धि तक चश्मे का नया युग

कभी आंखें सिर्फ दृश्य पकड़ती थीं, अब वे डेटा, कमांड और सूचना की परतें पढ़ने लगी हैं। Smart Glasses इस बदलाव की मिसाल हैं। यह सिर्फ चश्मे नहीं, आंखों के सामने रखे मिनी-कंप्यूटर हैं- कैमरा, माइक, स्पीकर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस, लेकिन यह कहानी केवल आज की नहीं है, इसकी शुरुआत उस दौर से हुई थी, जब इंसान ने पहली बार दुनिया को साफ देखने का सपना देखा। तेरहवीं सदी के इटली में जब शिल्पकारों ने दो छोटे लेंसों को धातु के घेरे में जड़ा, तब वह करुणा और विज्ञान का संगम था। इंसान अब किताब को बिना धुंध के पढ़ सकता था, स्पष्ट देख सकता था। यह केवल दृष्टि का आविष्कार नहीं था, बल्कि सभ्यता का आत्मविस्तार था। धीरे-धीरे वही साधारण यंत्र पहचान और फैशन का प्रतीक बना। बीसवीं सदी में प्लास्टिक लेंस, हल्के फ्रेम और पोलराइज्ड तकनीक ने इसे हर वर्ग का साथी बना दिया। फिर तकनीक ने इस 'दृष्टि' में 'बुद्धि' जोड़नी शुरू की।

स्टाइल, सुविधा और स्मार्टनेस का संगम- 2013 में गूगल ने Google Glass पेश किया। दुनिया का पहला बड़ा wearable computer, जो आंखों के जरिए सूचना दिखाता था। यह प्रयोग अपने समय से आगे था, लेकिन समाज तैयार नहीं था। निजता, सुरक्षा और असहजता के प्रश्नों ने इसे रोक दिया। यह असफलता नहीं, चेतावनी थी कि तकनीक जितनी मनुष्य के करीब आती है, उतनी ही जिम्मेदारी भी मांगती है। इसके बाद 2016 में Snapchat Spectacles आए। लक्ष्य था, जीवन के पलों को बिना हाथों के रिकॉर्ड करना। तकनीक हल्की थी, पर सोच अब भी कैमरे के इर्द-गिर्द घूम रही थी। कुछ वर्ष बाद Amazon Echo Frames (2019-2020) ने बिना स्क्रीन के केवल आवाज से संवाद की क्षमता दी। Alexa की आवाज सीधे कान तक पहुंचने लगी। अब Meta ने Ray-Ban के साथ मिलकर इन सब प्रयोगों को परिपक्व रूप दिया है। ऐसा उपकरण जो स्टाइल, सुविधा और स्मार्टनेस तीनों को साथ लेकर चलता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

नवाचार की प्रयोगशाला बन सकता है भारत- अब इस दौड़ में भारत भी उतर चुका है। Lenskart ने फरवरी 2025 में Phonic Smart Glass लॉन्च किया। बेसिक ऑडियो सुविधाओं के साथ। अब मीडिया रिपोर्टों की मानें तो मार्च 2026 में वह B by Lenskart नाम से अपने एआई-संचालित ग्लास उतारने की तैयारी में है, जिसमें Gemini 2.5 AI, रीयल-टाइम अनुवाद, UPI भुगतान और स्वास्थ्य मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं होंगी। यह कदम भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि तकनीक निर्माता की भूमिका में रखता है। कुछ समय पहले ही Meta ने भारत में Ray-Ban Meta Smart Glasses लॉन्च किए, जो Meta AI Integration और real-time translation जैसी क्षमताओं से लैस हैं। भारत, जो पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े wearable markets में से एक है, अब इस नवाचार की प्रयोगशाला भी बन सकता है।

कानून को भी होना होगा चौकन्ना

तकनीक की गंभीरता जुलाई 2025 में Meta के उस कदम से भी समझी जा सकती है, जब उसने Essilor Luxottica में 3 .5 बिलियन रुपये की लागत से 3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। सितंबर 2025 में कंपनी ने Ray-Ban Display Glasses की घोषणा की, जिनमें AR Display और Neural Wristband जैसी अत्याधुनिक तकनीकें हैं। यह स्मार्ट ग्लास विकास की एक निर्णायक छलांग है। यह तेजी जितनी रोमांचक है, उतनी ही सावधानी भी मांगती है। सबसे बड़ी चुनौती है, निजता की रक्षा। जब हर चश्मे में कैमरा और माइक्रोफोन होंगे, तब यह तय करना कठिन होगा कि कौन-सा पल सार्वजनिक है और कौन-सा निजी। यूरोप और अमेरिका में इस पर पहले ही कानूनी बहस शुरू हो चुकी है। भारत में भी डेटा संरक्षण कानून को अब इन नए उपकरणों तक विस्तार देना होगा। तकनीक जब आंखों पर चढ़ती है, तो कानून को भी उतना ही चौकन्ना होना पड़ता है।

दृष्टिहीनों के लिए बन सकता आंख

दूसरा प्रश्न सामाजिक व्यवहार का है। स्मार्टफोन ने हमें 'देखते हुए अनुपस्थित' बना दिया, लोग साथ होते हुए भी स्क्रीन में गुम रहते हैं। अब जब सूचना की परत आंखों के सामने ही होगी, तो हमारी नजर में कितनी मानवीयता बचेगी? क्या हम दृश्य देखेंगे या उसका विश्लेषण? क्या हम सामने वाले व्यक्ति को देखेंगे या उसके बारे में डेटा? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानवीय भी है। फिर भी, इस तकनीक के लाभ गहरे और वास्तविक हैं। दृष्टिहीनों के लिए यह उपकरण आंख बन सकता है, जो सामने के दृश्य को आवाज में बदल दे। डॉक्टर सर्जरी के दौरान रीयल-टाइम डेटा देख सकेंगे, इंजीनियर और पायलट अपने सामने निर्देश पा सकेंगे, शिक्षक प्रयोगशाला में छात्रों को वर्चुअल डेमो दिखा सकेंगे। यह परिवर्तन सुविधा का नहीं, कार्य-संस्कृति का विकास है।

बाजार इस भविष्य को पहचान चुका है। रिपोर्ट्स के अनुसार 2024 में Smart Glasses Market लगभग $1.9 बिलियन का था और 2030 तक इसके चार गुना होने का अनुमान है। Essilor Luxottica ने 2025 की तीसरी तिमाही में वियरेबल्स में "exponential growth" दर्ज की है। Meta-Ray-Ban ने अपने पहले ही वर्ष में 10 लाख से अधिक यूनिट्स बेचे हैं। Xiaomi और Bose जैसी कंपनियां भी इस क्षेत्र में निवेश बढ़ा रही हैं। यह केवल प्रयोग नहीं, बल्कि नया उपभोक्ता-अर्थशास्त्र बन चुका है। भारत के लिए यह दोहरी भूमिका का समय है, निर्माण और नियमन दोनों में अग्रणी बनने का। यदि देश Made-in-India Smart Glasses को वैश्विक मंच पर उतारता है और साथ ही नागरिकों की निजता के लिए स्पष्ट नियम बनाता है, तो यह न केवल प्रौद्योगिकी, बल्कि नीति-निर्माण में भी नेतृत्व का उदाहरण होगा। अंत में, वही पुराना मगर जरूरी प्रश्न, क्या इंसान इस सुविधा के साथ अपनी संवेदना भी बचा पाएगा? बिजली ने रोशनी दी, पर नींद छीनी, इंटरनेट ने संवाद बढ़ाया, पर मौन कम कर दिया। अब स्मार्ट ग्लासेस हमारे सामने वही परीक्षा रख रहे हैं। वे हमें देखने में मदद करेंगे, पर यह हम पर है कि हम क्या देखना चाहते हैं। दृश्य या उसकी व्याख्या। भविष्य अब सचमुच आंखों के सामने है। तकनीक ने दृष्टि को बुद्धि में बदला है, पर बुद्धि तभी सार्थक है, जब उसमें विवेक जुड़ा हो। स्मार्ट ग्लासेस केवल अगली तकनीकी छलांग नहीं, बल्कि मानव दृष्टिकोण का विस्तार हैं। यह उस यात्रा का नया अध्याय है, जो तेरहवीं सदी के कांच से शुरू होकर इक्कीसवीं सदी की कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक पहुंची है। चश्मे स्मार्ट हो गए हैं, अब जरूरत है कि देखने वाले भी उतने ही समझदार हों।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,498.14	25,454.35
गिरावट	1,236.11	365
प्रतिशत में	1.48	1.41

सोना 1,58,650 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,64,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

स्पाइसजेट इस साल अपने बेड़े में विमानों की संख्या दोगुना करेगी

नई दिल्ली। विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने इस साल अपने बेड़े में परिचालन में मौजूद विमानों की संख्या दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। एयरलाइन ने बताया कि उसने पिछली तिमाही में अपनी क्षमता दोगुनी की है और उपलब्ध सीट किमी 55 करोड़ से बढ़कर 105 करोड़ हो गई है। इस साल के अंत तक इसे 220 करोड़ करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही रोजाना 300 से अधिक उड़ानों के संचालन का भी लक्ष्य रखा गया है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि अभी कंपनी के बेड़े में 33 विमान परिचालन में हैं। इस साल के अंत तक उसकी संख्या भी लगभग दोगुना कर 60 पर पहुंचाने का लक्ष्य है।

देश में कच्चे तेल का उत्पादन जनवरी में आठ प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। देश में कच्चे तेल का उत्पादन जनवरी में आठ प्रतिशत घटकर 23 लाख टन रह गया। पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ द्वारा गुरुवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि जनवरी में देश में 211 लाख टन कच्चे तेल और 45 लाख टन पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया गया। पिछले साल जनवरी में इनका क्रमश: 212 लाख टन और 44 लाख टन आयात हुआ था। इसके अलावा, द्रवित प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात 15.3 प्रतिशत बढ़कर 280.8 करोड़ मानक घन फुट पर रहा। जनवरी में पेट्रोलियम उत्पादों का कुल उत्पादन 0.4 प्रतिशत बढ़कर 250 लाख टन पर और खपत 2.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 211 लाख टन पर रहा।

शिवाजी जयंती पर रहा मुद्रा बाजार में अवकाश

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के मौके पर गुरुवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में अवकाश रहा। महाराष्ट्र में आज छत्रपति शिवाजी जयंती मनाई गई। इस मौके पर अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार और शेयर बाजारों में करेंसी डेरिवेटिव सिग्मेंट में कारोबार नहीं हुआ। हालांकि इक्विटी सिग्मेंट खुला था और शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट रही। कारोबारियों ने बताया कि शुक्रवार को मुद्रा बाजारों में सामान्य कारोबार होगा।

चंद देशों या धनाढ्यों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता एआई का भविष्य

गुटेरेस ने कहा- एआई का लाभ सभी को न मिला तो और ज्यादा बढ़ेगी असमानता

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि एआई पर सबका अधिकार होना चाहिए और इसका भविष्य कुछ गिनती के देशों या अरबपतियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई का लाभ सभी को मिलना चाहिए, ऐसे में यह सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकता है। ऐसा न हुआ तो यह असमानता को और बढ़ा सकता है।

गुटेरेस ने इंडिया एआई समिट 2026 के चौथे दिन विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों, प्रौद्योगिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों, विशेषज्ञों और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि, एआई का भविष्य कुछ चिन्हित देशों द्वारा तय नहीं किया जा सकता, न ही इसे कुछ अरबपतियों की इच्छाओं पर छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई एक तरफ चिकित्सा में महत्वपूर्ण प्रगति को तेज कर सकता है, शिक्षा के अवसरों का विस्तार कर सकता है, खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ कर सकता है, जलवायु कार्रवाई और आपदा तैयारी को मजबूत कर सकता है और आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में सुधार कर सकता है। लेकिन यह असमानता को गहरा भी कर सकता है, पक्षपात को बढ़ा सकता है और नुकसान को बढ़ावा दे सकता है।

इंडिया एआई समिट को संबोधित करते संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस।

एआई पर वैश्विक कोष की स्थापना पर जोर

गुटेरेस ने एआई पर एक वैश्विक कोष की स्थापना का आह्वान किया ताकि विकासशील देशों में बुनियादी क्षमता का निर्माण किया जा सके, साथ ही वहां कौशल, डाटा, किफायती कंप्यूटिंग शक्ति और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा सके। इस कोष में तीन अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, जो एक अकेली प्रौद्योगिकी कंपनी के वार्षिक राजस्व के एक प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि निवेश के बिना कई देश एआई युग से बाहर रह जाएंगे।

एआई का लाभ समाज के बड़े तबके तक न पहुंचा तो होगा प्रतिरोध : नीलेकणि

नई दिल्ली। दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने चेतावनी दी कि एआई के लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक न पहुंचा तो इसके खिलाफ प्रतिरोध पैदा हो सकता है, जो इस प्रौद्योगिकी की प्रगति को प्रभावित कर सकता है। नीलेकणि ने समिट में कहा कि फिलहाल एआई के विकास में रेस टू द टॉप (बेहतर प्रौद्योगिकी की होड़) और रेस टू द बॉटम (नकारात्मक उपयोग में तेजी) दोनों तरह की स्थितियां हैं जिनमें दूसरा पहलू ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है। नीलेकणि ने कहा, मेरा मानना है कि हम सभी, जो एआई को मानवता के लिए उपयोगी बनाना चाहते हैं, उन्हें इसके प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयास बढ़ाने होंगे और उन्हें दोगुना करना होगा। ऐसा नहीं होने पर इसके नतीजे बहुत मुश्किल हो सकते हैं।

एआई में तेजी से प्रगति करने वाला युग लाने की क्षमता : सुंदर पिचाई

नई दिल्ली। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बृहस्पतिवार को एआई को तीव्र प्रगति के युग की शुरुआत करने वाली प्रौद्योगिकी करार दिया जिसमें नई वैज्ञानिक खोजों को संभव बनाने एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं को विकास के पारंपरिक चरणों को पार करने में मदद करने की क्षमता है। उन्होंने इसके साथ यह भी कहा कि उन्हें एआई जितना किसी भी प्रौद्योगिकी ने बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित नहीं किया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट को संबोधित करते हुए गूगल एवं अल्फाबेट के सीईओ ने एआई के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की और सरकारों, कंपनियों एवं संस्थानों से इस प्रौद्योगिकी को साहसपूर्वक एवं जिम्मेदारी से आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, यह हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा वैश्विक बदलाव है। हम तीव्र प्रगति और नई खोजों के मुहाने पर हैं जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं की पुरानी कमियों को दूर करने में मदद कर सकती हैं। हालांकि यह परिणाम न तो निश्चित है और न ही स्वचालित। ऐसी एआई बनाने के लिए जो वास्तव में सभी के लिए उपयोगी हो, हमें प्रयास करना होगा, जिम्मेदारी से काम लेना होगा और इस निर्णायक क्षण में मिलकर काम करना होगा।

एपस्टीन विवाद : बिल गेट्स एआई समिट से नदारद, नहीं हुआ भाषण

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सहसंस्थापक बिल गेट्स ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में अपना पूर्व निर्धारित मुख्य भाषण नहीं दिया। उनके फाउंडेशन ने कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया, लेकिन यह निर्णय तब आया है जब यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से संबंधित दस्तावेजों में गेट्स का नाम आने के बाद आयोजक असमंजस में पड़ गए थे। सरकारी सूत्रों ने 17 फरवरी को दावा किया था कि एपस्टीन प्रकरण के खुलासे से पहले गेट्स को दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया गया है, लेकिन उसी दिन गेट्स फाउंडेशन के प्रवक्ता ने इसका खंडन करते हुए कहा था कि वह समिट में भाग ले रहे हैं। बृहस्पतिवार को गेट्स फाउंडेशन ने स्पष्ट किया कि वह समिट में नहीं बोलेंगे ताकि उसके मुख्य उद्देश्य से ध्यान न भटके। गेट्स पर एपस्टीन के किसी भी पीड़ित ने गलत काम करने का आरोप नहीं लगाया है, लेकिन अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जारी रिकॉर्ड में एपस्टीन का आरोप शामिल है कि बिल गेट्स को यौन संचारित रोग हुआ था।

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट से समझौता

मेडटेक नवाचार की दिशा में बड़ा कदम, आईआईटी दिल्ली में साइन हुआ एमओयू

- ब्लॉकचेन ने नवाचार के लिए 50 लाख रुपये की सहायता भी प्रदान की

नई दिल्ली/बरेली। बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का केंद्र बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (बीआईयू) के बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर ने प्रतिष्ठित संस्था ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट (बीएफआई) के साथ आईआईटी दिल्ली में आयोजित एक समारोह में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

कार्यक्रम में ब्लॉकचेन के संस्थापक संदीप नेलवाल एवं सीईओ डॉ. गौरव सिंह ने औपचारिक रूप से यह एमओयू बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर और रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल को सौंपा। ब्लॉकचेन ने इस सहयोग के तहत मेडिकल टेक्नोलॉजी और स्वास्थ्य नवाचारों के लिए 50 लाख रुपये की अनुदान सहायता प्रदान करने की भी घोषणा की। डॉ. अर्जुन ने बीआईयू और मेडटेक इनक्यूबेशन सेंटर के विजन पर विश्वास जताने के लिए ब्लॉकचेन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं है बल्कि एक ऐसी शुरुआत है, जिससे बरेली से विकसित होने वाले स्वास्थ्य नवाचार प्रभावी, सुलभ और किफायती बनेंगे।

ब्लॉकचेन के संस्थापक संदीप नेलवाल और सीईओ डॉ. गौरव सिंह ने बीआईयू के बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल को एमओयू सौंपा।

नई तकनीकों के विकास के लिए बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का केंद्र बनाने का लक्ष्य: डॉ. अर्जुन

डॉ. अर्जुन ने अपने संबोधन में कहा, पिछले 20 वर्षों से बीआईयू रोहिलखंड क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। अब हमारा लक्ष्य बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का एक प्रमुख केंद्र बनाना है, जहां से नई तकनीकों का विकास होकर समाज के लिए उपयोगी समाधान उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने कहा, इस सहयोग के माध्यम से बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर युवा डॉक्टरों, इंजीनियरों, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन, संसाधन और वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। यह समझौता न सिर्फ बीआईयू बल्कि पूरे रोहिलखंड क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

ईयू को भारत के कृषि उत्पाद और वाहन निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि

नई दिल्ली। भारत के कृषि उत्पाद और मोटर वाहनों का निर्यात यूरोपीय बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है और अप्रैल-दिसंबर, 2025 के दौरान इसमें अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है।

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों के दौरान वैश्विक वाहन निर्यात में भारत के 19.3 अरब डॉलर में से, यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 9.8 प्रतिशत से बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गया। यूरोपीय संघ को निर्यात अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 1.6 अरब डॉलर से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर, 2025 में 2.2 अरब डॉलर हो गया। भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की है।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में इस क्षेत्र से दुनिया को भारत का निर्यात भी 16.8 अरब डॉलर से बढ़कर 19.3 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह, ईयू को भारत के मछली, कॉफी, चाय, मसाले, अनाज, गोंद और रेजिन के निर्यात में भी इस दौरान अच्छी वृद्धि दर दर्ज की गई है। अनाज निर्यात अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 18.1 करोड़ डॉलर से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर, 2025 में 33.9 करोड़ डॉलर हो गया है।

गुजरात का कर्ज 3.99 लाख करोड़ रुपये हुआ

गांधीनगर। गुजरात का कुल सार्वजनिक ऋण 2024-25 में बढ़कर 3,99,633 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य विधानसभा को बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने बजट सत्र के प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक शैलेश परमार के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। परमार ने राज्य के कुल कर्ज और मूलधन व ब्याज भुगतान की वर्षवार जानकारी मांगी थी। सदन में पेश लिखित उत्तर में बताया गया कि वित्त वर्ष 2023-24 में गुजरात का कुल सार्वजनिक ऋण 3,52,718 करोड़ रुपये था।

सीएए विरोधी याचिकाओं पर 5 मई से सुनवाई

छह साल से लंबित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई के बारे में शीर्ष कोर्ट ने जारी किए प्रक्रियात्मक निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 (सीएए) की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली आईयूएमएल की प्रमुख याचिका सहित 200 से अधिक याचिकाओं पर पांच मई से अंतिम सुनवाई शुरू करेगा। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने 2019-2020 से लंबित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई के संबंध में प्रक्रियात्मक निर्देश जारी किए।

पीठ ने कहा कि वह याचिकाकर्ता जिनमें इंडियन यूनियन ऑफ मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के प्रमुख भी शामिल हैं, उनकी दलीलों पर वह डेढ़ दिन तक सुनवाई करेगी और केंद्र को अपनी दलीलें पेश करने के लिए एक दिन का समय दिया जाएगा। सीजेआई ने कहा कि पीठ 12 मई को याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर लेगी। पीठ ने पक्षों को चार सप्ताह के भीतर अतिरिक्त दस्तावेज और दलीलें दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि वह पहले पूरे भारत में सीएए के लागू होने से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करेगी और उसके बाद असम तथा त्रिपुरा से संबंधित याचिकाओं पर विचार करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, असम की समस्या देश के बाकी हिस्सों से अलग है क्योंकि नागरिकता के लिए पहले की निर्धारक तिथि 24 मार्च 1971 थी, जिसे सीएए के तहत 31 दिसंबर 2014 तक बढ़ा दिया गया था। इन मामलों को पिछली बार 19 मार्च 2024 को एक पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, जब उसने केंद्र से उन अंतरिम आवेदनों पर जवाब देने को कहा था जिनमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं का निपटारा होने तक नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के कार्यान्वयन पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। शीर्ष अदालत ने हालांकि उन नियमों के अमल पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया, जिनके जरिए सीएए को लागू किया जाना है।

केंद्र ने मार्च 2024 में जारी की थी अधिसूचना

केंद्र सरकार ने 11 मार्च, 2024 को संबंधित नियमों की अधिसूचना जारी कर संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया। यह अधिसूचना संसद में विवादास्पद कानून पारित किए जाने के चार साल बाद जारी की गई, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए उन गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की प्रक्रिया को तेज करना था जो 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए थे।

- सीएए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए 200 से अधिक याचिकाएं दायर की गई हैं। याचिका दायर करने वालों में आईयूएमएल, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, राजद नेता मनोज झा, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी शामिल हैं।

घूसखोर पंडत शीर्षक वापस, याचिका निपटी

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता नीरज पांडे की ओर से 'घूसखोर पंडत' शीर्षक और उससे जुड़ी सभी प्रचार सामग्री वापस लिए जाने की जानकारी दिए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को फिल्म के खिलाफ दायर याचिका का निपटारा कर दिया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने पांडे के हलफनामे को रिकॉर्ड पर लेने के बाद याचिका का निपटारा किया और उम्मीद जताई कि यह विवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। 'ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया' के राष्ट्रीय संगठन सचिव अतुल मिश्रा ने याचिका दायर कर फिल्म की रिलीज पर रोक लगाए जाने का अनुरोध किया गया था।

एमके स्टालिन के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता एमके स्टालिन के खिलाफ दाखिल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेता सैदाई एस. दुरईसामी की चुनाव याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका में स्टालिन पर 2011 के विधानसभा चुनावों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। मद्रास हाईकोर्ट द्वारा 2017 में इस याचिका को खारिज किए जाने के बाद दुरईसामी ने शीर्ष अदालत का रुख किया। दुरईसामी 2011 के विधानसभा चुनाव में कोलाथुर सीट पर स्टालिन से 2,739 वोटों से हार गए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि मतदाताओं को निर्धारित सीमा से अधिक धन वितरित किया गया था, साथ ही पूरक मतगणना भी कराई गई थी।

असम में एसआईआर कराने के लिए दाखिल याचिका पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम में एसआईआर कराने का निर्वाचन आयोग को निर्देश देने के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने निर्वाचन आयोग की इस दलील पर संज्ञान लिया कि असम में अंतिम मतदाता सूची पहले ही तैयार हो चुकी है और याचिका निष्प्रभावी हो गई है। मृणाल कुमार चौधरी की ओर से दायर याचिका में निर्वाचन आयोग के उस निर्णय को चुनौती दी गई थी जिसमें अन्य राज्यों में कराए गए अपेक्षाकृत अधिक कठोर एसआईआर के बजाय असम में मानक विशेष पुनरीक्षण कराने का निर्णय लिया गया था। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विजय हंसारिया ने कहा कि राज्य को मतदाता सूची की शुचिता को बनाए रखने के लिए एसआईआर की आवश्यकता है। निर्वाचन आयोग का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने सूचित किया कि असम के लिए अंतिम मतदाता सूची 10 फरवरी को प्रकाशित हो चुकी है। इस पर सीजेआई ने टिप्पणी की,अब कुछ भी नहीं बचा है।

बिहार: विधानसभा अध्यक्ष समेत 45 विधायकों के निर्वाचन को चुनौती

पटना, एजेंसी

- पराजित उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट में दायर कीं याचिकाएं, विधायकों को जारी किए गए नोटिस

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार समेत 45 सदस्यों के विधानसभा चुनाव 2025 में हुए निर्वाचन को पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। पराजित प्रत्याशियों की ओर से दायर इन चुनाव याचिकाओं पर इन विधायकों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है।

निर्वाचन आयोग का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता सिद्धार्थ प्रसाद ने बताया कि चुनाव याचिकाओं पर प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। प्रसाद ने कहा, टाउन सीट से प्रेम कुमार के निर्वाचन को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई है। हालांकि, उनके मामले में अभी नोटिस जारी नहीं हुआ है। भाजपा के आठवीं बार विधायक बने प्रेम कुमार के निर्वाचन को कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले अखौरी ओंकार नाथ ने चुनौती दी है। वह 26 हजार से अधिक मतों से पराजित हुए थे। प्रसाद ने बताया कि अधिकतर चुनाव याचिकाएं विजयी उम्मीदवारों द्वारा दाखिल हलफनामों में कथित विसंगतियों या जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोपों के आधार पर दायर की गई हैं।

जिन प्रमुख नेताओं के निर्वाचन को चुनौती दी गई है उनमें जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव और युवा विधायक चेतन आनंद तथा भाजपा के पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा शामिल हैं। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी राजद के एक विधायक के निर्वाचन को भी चुनौती देने वाली याचिका दायर की गई है। यह याचिका गोह सीट से 4,041 मतों के मामूली अंतर से विजयी रहे अमरेंद्र कुमार के निर्वाचन के खिलाफ दायर की गई है।

वोट चोरी, मतदाताओं को प्रलोभन देने के आरोप

मुख्य रूप से चुनावी हलफनामों में विसंगतियों और चुनाव नियमों के उल्लंघन का आरोप हैं। पराजित उम्मीदवारों का कहना है कि कई विधायकों ने नामांकन के समय अपनी संपत्ति, आपराधिक इतिहास और शैक्षणिक योग्यता के बारे में अधूरी या भ्रामक जानकारी दी। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों का भी उल्लंघन किया गया। इसके अलावा वोट चोरी, मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी और महिला सशक्तीकरण के नाम पर मतदाताओं को प्रलोभन देने के आरोप भी लगाए गए हैं।

बेंगलुरु में बुजुर्ग महिला की हत्या कर गहने लूटे

बेंगलुरु। बेंगलुरु के बाहरी इलाके में एक घर में 69 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई और उसके सोने के गहने लूट लिए गए। घटना के दौरान महिला का लकवाग्रस्त पति मौजूद था। पुलिस ने बताया कि यह घटना नेलमंगला के पीट स्ट्रीट में हुई, जहां शोभा लकवाग्रस्त और बिस्तर पर पड़े अपने पति के साथ रहती थी। पुलिस के अनुसार, पिछले दस साल से वह अपने पति की देखभाल कर रही थी। दंपति की कोई संतान नहीं है।

भाजपा केवल खुले में बीफ की बिक्री के खिलाफ: भट्टाचार्य

- पश्चिम बंगाल के पार्टी अध्यक्ष ने कहा- लोग अपनी पसंद का भोजन करने के लिए स्वतंत्र

कोलकाता। बिहार में राजग सरकार के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के खुले में मांस-मछली की बिक्री पर प्रतिबंध संबंधी आरोपों को लेकर जारी राजनीतिक तकरार के बीच भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा है कि राज्य के लोग अपनी पसंद का भोजन करने के लिए स्वतंत्र हैं और पार्टी केवल खुले में बीफ की बिक्री के खिलाफ है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बिहार सरकार के खुले में मांस की बिक्री को विनियमित करने संबंधी हालिया आदेश का उल्लेख करते हुए इसे मांसाहार के खिलाफ भाजपा समर्थित कदम बताया। भट्टाचार्य ने पड़ोसी राज्य बिहार में खुलेआम मछली और मांस की बिक्री पर प्रस्तावित प्रतिबंध लगाने संबंधी तृणमूल कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, बंगाल के लोग जो चाहेंगे, वही खाएंगे। बंगाल में मछली और मांस मिलता रहेगा। बिहार के निर्देश पर विस्तार से बात करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा ने इस तरह के किसी भी व्यापक प्रतिबंध का प्रस्ताव नहीं रखा था। उन्होंने कहा, वे कभी ऐसी बात कह ही नहीं सकते। कोई इसे स्वीकार नहीं करेगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा का रुख केवल बीफ की खुलेआम बिक्री का विरोध करने तक ही सीमित है। बिहार में मछली और मांस की बिक्री पर कथित प्रतिबंध के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने मंगलवार को छोटे व्यापारियों की आजीविका संबंधी चिंताओं की ओर ध्यान दिलाया था। उन्होंने कहा था, मुझे बिहार के उपमुख्यमंत्री के इस कथन से संबंधित एक रिपोर्ट मिली है कि मछली और मांस खुले बाजार में नहीं बेचे जा सकते। यह जनविरोधी और निंदनीय है। क्या हर कोई शॉपिंग मॉल में मांस और मछली बेच सकता है। सड़क किनारे मछली और मांस बेचने वाले ज्यादातर विक्रेताओं का क्या होगा।

अमेरिका से व्यापार समझौते के खिलाफ पूरे देश में अभियान शुरू करने की तैयारी में कांग्रेस

- पार्टी नेतृत्व की पांच राज्यों और जम्मू-कश्मीर के नेताओं के साथ आज होगी बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते और उसके किसानों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के खिलाफ एक अभियान शुरू करने के प्रयासों पर चर्चा करेंगे।

सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और बिहार के नेताओं के साथ बैठक कर अभियान की रूपरेखा को अंतिम रूप देगा। इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर सरकार पर हमला तेज करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कई सवाल किए थे और आरोप लगाया था कि देश के किसानों के साथ विश्वासघात किया गया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिका के सामने समर्पण कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा को झटका, बागी विधायक बिष्णु प्रसाद टीएमसी में शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को झटका लगा है। उसके बागी विधायक बिष्णु प्रसाद शर्मा बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। शर्मा राज्य की कुर्सियांग विधानसभा सीट से विधायक हैं।

तृणमूल कांग्रेस मुख्यालय में शिक्षा मंत्री ब्रात्या बसु और उद्योग मंत्री शशि पांजा ने उनका स्वागत किया। शर्मा ने कहा कि वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विकास मॉडल के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे मेरे गोरखा भाइयों और बहनों ने चुना था, लेकिन मैं उनके लिए काम नहीं कर पाया। भाजपा ने वादे तो किए लेकिन कुछ नहीं किया। जमीनी स्तर पर कोई ठोस काम नहीं हुआ। शर्मा ने अलग गोरखालैंड राज्य की मांग का यह कहते हुए समर्थन किया था कि दार्जिलिंग पहाड़ियों पर अधिक ध्यान देने और विकास की आवश्यकता है। उन्होंने यह दावा करते हुए भाजपा के प्रति कई बार असंतोष व्यक्त किया था कि क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने के आश्वासन के बावजूद पार्टी जमीनी स्तर पर वादा निभाने में विफल रही।

नाइजीरिया की खदान में जहरीली गैस के रिसाव से 37 लोगों की मौत

● अचेत हुए 26 अन्य को सरकारी अस्पताल में कराया गया भर्ती

अबुजा, एजेंसी

उत्तर-मध्य नाइजीरिया में एक खदान में जहरीली गैस के रिसाव से 37 लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस प्रवक्ता अल्फ्रेड अलाबो ने कहा कि घटना मंगलवार तड़के पठार राज्य के वासे क्षेत्र में स्थित कम्पानी जुरक समुदाय में हुई।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि खनिक लेड ऑक्साइड तथा सल्फर एवं कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी अन्य संबंधित गैसों के अचानक रिसाव के कारण प्रभावित हुए थे, जो मनुष्यों के लिए विषाक्त और जहरीली होती हैं, खासकर एक बंद या खराब हवादार वातावरण में इन गैसों का असर खतरनाक होता है।

अलाबो ने बताया, शवों को धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार के लिए उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। सरकार ने खनन स्थल को बंद कर दिया है और रिसाव की जांच जारी है। नाइजीरिया के ठोस खनिज विकास मंत्री डेले अलाके ने एक बयान में कहा कि खनिक खनन के दौरान जहरीली गैस के उत्सर्जन से अनजान थे।

कराची में विस्फोट से 16 लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के कराची में गुरुवार को सुबह एक आवासीय इमारत में गैस रिसाव के कारण हुए विस्फोट में महिलाओं और बच्चों सहित 16 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी जमशेद अशर ने कहा कि विस्फोट तड़के साढ़े चार बजे इमारत की पहली मंजिल पर हुआ। इमारत ओल्ड सोल्जर बाजार इलाके में है। पाकिस्तान में आज रमजान महीने का पहला दिन है। विस्फोट का कारण संभवत: गैस का रिसाव था।

सफलता संग असफलता भी

आज हम जिस युग में जी रहे हैं वहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक तकनीकी शब्द नहीं, बल्कि आधुनिक सभ्यता का नया आधार स्तंभ बन चुका है। दशकों तक एआई केवल साइंस-फिक्शन फिल्मों और अकादमिक शोध का हिस्सा था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से जेनरेटिव एआई के आने के बाद, इसने हमारे जीवन के हर पहलू को स्पर्श किया है। एआई की यात्रा मानवीय मेधा और मशीनी गति के मिलन की कहानी है। यह एक ऐसी शक्ति है जो डेटा के अथाह समंदर से अर्थपूर्ण जानकारी निकाल सकती है, जो जटिल गणितीय समस्याओं को सेकंडों में हल कर सकती है और जो मानवीय रचनात्मकता को नई परिभाषा दे रही है। लेकिन, क्या एआई हर जगह सफल है? इस प्रश्न का उत्तर 'हां' और 'ना' के बीच एक सूक्ष्म रेखा पर टिका हुआ है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

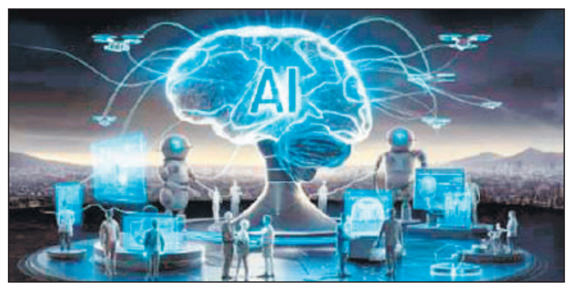

जहां एआई ने बाजी मारी

● स्वास्थ्य सेवा : एआई अब डॉक्टरों से बेहतर सटीकता के साथ एक्स-रे, एमआरआई और सीटी स्कैन का विश्लेषण कर रहा है।

● वित्तीय क्षेत्र : धोखाधड़ी का पता लगाने में एआई अद्वितीय है। यह लाखों लेनदेन को पलक झपकते स्कैन कर संदिग्ध गतिविधियों को रोकता है।

● लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स : अमेज़न या नेटफ्लिक्स के रिकमेंडेशन इंजन एआई से आपकी पसंद का पूर्वानुमान लगाकर लाभ को कई गुना बढ़ा रहे हैं।

● अनुवाद और भाषा : गूगल ट्रांसलेट और डीप एल जैसे टूल्स ने भाषाई बाधाओं को लगभग खत्म कर दिया है।

अभी हैं कई चुनौतियां

● डेटा की गुणवत्ता : एआई उतना ही अच्छा है जितना उसे दिया गया डेटा। यदि डेटा गलत है, तो एआई का परिणाम घातक हो सकता है।

● ऊर्जा की खपत : बड़े एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने में अत्यधिक बिजली खर्च होती है, जो पर्यावरण के लिए एक चुनौती है।

● डिजिटल विभाजन : एआई संपन्न और विपन्न देशों के बीच की खाई को बढ़ा सकता है।

● डीपफेक और दुष्प्रचार : एआई का उपयोग गलत सूचनाएं फैलाने और सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए किया जा रहा है।

● कौशल की कमी : बाजार में एआई विशेषज्ञों की भारी कमी है।

● लागत : छोटे व्यवसायों के लिए उच्च-स्तरीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना महंगा है।

जहां एआई अभी भी मशीन

● नैतिक निर्णय : युद्ध की स्थिति या कानूनी न्याय प्रणाली में एआई पक्षपाती (बायस्ड) हो सकता है क्योंकि वह उपलब्ध पुराने डेटा से सीखता है जिसमें मानवीय पूर्वाग्रह शामिल होते हैं।

● क्रिएटिविटी बनाम ओरिजनलिटी : एआई चित्र बना सकता है, कविता लिख सकता है, लेकिन वह मौजूदा डेटा का पुनर्संयोजन होता है। उसमें वह 'आत्मा' या 'नया विचार' नहीं होता जो मानवीय अनुभव से उपजता है।

● सामान्य ज्ञान : एक बच्चा जानता है कि अगर कांच का गिलास गिरेगा तो टूट जाएगा, लेकिन एआई को इस भौतिक सत्य को समझने के लिए हजारों डेटा पॉइंट्स चाहिए।

वर्ल्ड ब्रीफ

करतारपुर गुरुद्वारा के जीर्णोद्धार में तेजी

इस्लामाबाद। करतारपुर गुरुद्वारे के आधिकारिक शासी निकाय ने सिख धार्मिक स्थल के जीर्णोद्धार में तेजी लाने का फैसला किया है। करतारपुर गुरुद्वारा पिछले साल बाढ़ से प्रभावित हुआ था। गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर की शासी परिषद की आठवीं बैठक बुधवार को धार्मिक मामलों के मंत्रालय में सचिव साजिद चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। परिषद ने हाल ही में आई बाढ़ के कारण आवश्यक मरम्मत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की और बाढ़ को भारत की जल आक्रामकता से जोड़ते हुए कहा कि इससे कॉरिडोर परियोजना के कुछ हिस्से प्रभावित हुए हैं।

भारतीय मूल महिला को दो हफ्ते की जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल की एक महिला को कथित रूप से किराये के विवाद में टैक्सी चालक को थप्पड़ मारने के मामले में गुरुवार को दो सप्ताह के कारावास की सजा सुनाई गई। शालिनी देवराजन ने 24 सिंगापुर डॉलर (करीब 19 अमेरिकी डॉलर) का किराया देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि उसके पास नकद नहीं है। उसने चालक द्वारा सुझाए गए डिजिटल भुगतान विकल्प भी अस्वीकार कर दिए। 36 वर्षीय महिला ने चालक को पुलिस थाने ले जाने की चुनौती दी, जिसे 73 वर्षीय चालक ने स्वीकार कर लिया। थाने में ही महिला ने चालक को थप्पड़ मार दिया।

दक्षिण अफ्रीका में बस हादसे में चार की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के लिम्पोपो प्रांत में गुरुवार को हुई एक बस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई और 31 लोग घायल हो गए। प्रांतीय परिवहन मंत्री वायलेट मैथी के अनुसार, बस दक्षिण अफ्रीका के गौतेंग प्रांत से जिम्बाब्वे जा रही थी, तभी जिम्बाब्वे की सीमा के पास एन1 राजमार्ग पर वह अनियंत्रित हो कर एक खाई में जा गिरी। मैथी ने बताया, अभी तक हमें चार लोगों की मौत की पुष्टि होने की खबर मिली है, जबकि कुछ अन्य लोगों को अस्पताल ले जाया गया है।

किम ने तैनात किए 50 नए रॉकेट लॉन्चर

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी पार्टी के एक अहम सम्मेलन से पहले अपनी सैन्य क्षमता को दर्शाने तथा प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाने के इरादे से कम दूरी की मिसाइल क्षमता वाले 50 नए रॉकेट लॉन्चर तैनात किए हैं। किम की बहन ने एक अलग बयान में कहा कि उत्तर कोरिया शत्रु देश के खिलाफ अपनी सीमा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है।

अमेरिका से समझौता करने में ही है ईरान की भलाई : व्हाइट हाउस

प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन ने कहा-राष्ट्रपति ट्रंप के कूटनीतिक विकल्प का इस्तेमाल करे ईरान

● उपराष्ट्रपति वेंस ने भी की थी वार्ता टूटने पर सैन्य विकल्प की बात

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का किसी भी देश के साथ समझौता करने के लिए पहला विकल्प कूटनीति होता है, इसलिए ईरान को अमेरिका के साथ नए समझौते पर बातचीत करना चाहिए। यह बात व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कही। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ट्रंप हमेशा बहुत स्पष्ट रहे हैं। ईरान या दुनिया के किसी भी देश के मामले में कूटनीति हमेशा उनका पहला विकल्प होता है और ईरान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी प्रशासन के साथ समझौता करना बहुत समझदारी भरा कदम होगा।

लेविट ने यह टिप्पणी ऐसे में की है, जब जब जिनेवा में अमेरिका-ईरान के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता फिर से शुरू हुई है, जिसमें अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ओमानी मिल रहे हैं। हालांकि दोनों पक्षों ने कुछ उन्नति की बात कही है, लेकिन अधिकारियों ने कहा है कि अभी भी काफी कमियां हैं और फारस की खाड़ी में अमेरिकी सेना की समानांतर बढ़ोतरी बातचीत के बड़े दांव को दर्शाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप की ओर से 2025 की शुरुआत में अपनाई गई अधिकतम दवाब की नीति ने ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाला है, जिससे अमेरिका के अधिकारी कूटनीति सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर रहे हैं। लेविट का यह बयान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के हालिया टिप्पणियों के अनुरूप है, जिन्होंने एक न्यूज़ चैनल को बताया था कि अगर बातचीत विफल हो जाती है तो सैन्य कार्रवाई लेने का विकल्प भी उसके पास है।

ईरानी अफसरों, कारोबारियों पर वीजा प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने गुरुवार को नए वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की, जिसमें उन ईरानी अधिकारियों और नेताओं को निशाना बनाया गया है जिन पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान ईरानी लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का आरोप है। यह कार्रवाई दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 में व्यापक विरोध प्रदर्शनों पर ईरानी शासन की हिंसक कार्रवाई के जवाब में की गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरानी अधिकारियों ने हजारों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया। इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट की धारा 212 के तहत लगाए गए वीजा प्रतिबंध आदेश पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हस्ताक्षर किए।

ट्रंप की शर्तें नहीं मानीं तो हमला संभव

वॉशिंगटन। ईरान परमाणु वार्ताओं में अगर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मांगों को लगातार खारिज करता रहा तो अमेरिका उसके खिलाफ जल्द ही सैन्य अभियान शुरू कर सकता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस को अवगत कराया गया है कि पश्चिमी एशिया में हाल के दिनों में वायु और नौसैनिक संसाधनों की बड़ी तैनाती के बाद अमेरिकी सेना सप्ताहांत तक संभावित हमले के लिए तैयार हो सकती है। एक सूत्र ने यह भी बताया कि ट्रंप निजी तौर पर सैन्य कार्रवाई के पक्ष और विपक्ष दोनों में तर्क दे चुके हैं तथा सर्वोत्तम विकल्प पर सलाहकारों और सहयोगियों से राय ले रहे हैं।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में तंत्री को मिली जमानत

कोल्लम। चर्चित सबरीमला स्वर्ण गबन मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत कोल्लम स्थित सतर्कता न्यायालय ने सबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर के तंत्री कंदरारु राजीवरु को जमानत दे दी है। अदालत के इस फैसले को मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसने उनकी रिहाई का कड़ा विरोध करते हुए निरंतर हिरासत की मांग की थी। राजीवरु को मंदिर के द्वार चौखटों और द्वारपालक प्रतिमाओं पर किए गए स्वर्ण मढ़ाई कार्य में कथित अनियमितताओं और स्वर्ण के दुरुपयोग के मामले में आरोपी बनाया गया था। एसआईटी का आरोप है कि इस कार्य के निष्पादन के दौरान गंभीर अनियमितताएं हुईं और इसमें मंदिर से जुड़े कुछ पदाधिकारियों तथा ठेकेदारों की मिलीभगत थी। अदालत ने जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के उन तर्कों पर विचार किया, जिनमें तंत्री को सीधे तौर पर वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं से जोड़ने का प्रयास किया गया था। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा कोई ठोस साक्ष्य सामने नहीं आया है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि स्वर्ण गबन में तंत्री की भूमिका थी।

भारत की रक्षा प्रौद्योगिकी का लाभ लें आसियान देश

विशाखापत्तनम में नौसेना के अभ्यास कार्यक्रम मिलान के उद्घाटन के दौरान उपस्थित रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी व अन्य।

● नौसेना के अभ्यास कार्यक्रम मिलन में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ

विशाखापत्तनम, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आसियान देशों को भारत की हिन्द प्रशांत रणनीति का केंद्र बताते हुए साझा सुरक्षा को क्षेत्रीय समृद्धि की आधारशिला करार दिया है। उन्होंने आसियान साझेदारों का आह्वान किया कि वे आत्मनिर्भरता के प्रयासों से परिपक्व हुए भारत के रक्षा प्रौद्योगिकी तंत्र का लाभ उठाने के लिए आगे आएं।

सिंह ने गुरुवार को यहां नौसेना के मिलन अभ्यास 2026 नौसैनिक अभ्यास के अवसर पर आसियान के नौ सदस्य देशों के मेहमान नौसेना प्रमुखों और नौसैनिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ विचार-विमर्श किया। इस बैठक ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति तथा क्षेत्रों के पार सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति (महासागर) की परिकल्पना के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। रक्षा मंत्री ने मिलन 2026 में आसियान नौसेनाओं की भागीदारी का स्वागत किया।

भारत की भूमिका को सराहा गया

भारत-आसियान अनौपचारिक बैठक की भावनाओं को दोहराते हुए आसियान प्रतिनिधियों ने क्षेत्र में प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में भारत की भूमिका की सराहना की। रक्षा मंत्री ने संयुक्त गतिविधियों के विस्तार का प्रस्ताव रखते हुए आसियान-भारत रक्षा विचार मंच संवाद तथा युवा नौसैनिक अधिकारियों की सहभागिता से संबंधित पहलों पर बल दिया, ताकि समुद्री स्थिरता सुनिश्चित हो।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक को उम्रकैद

सियोल। दक्षिण कोरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल को दिसंबर 2024 में मार्शल लॉ लागू करने का दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। न्यायाधीश जी कुई-यून ने कहा कि उन्होंने यून को नेशनल असेंबली (संसद) पर अवैध रूप से कब्जा करने के प्रयास के तहत सेना और पुलिस बल को जुटाने, नेताओं को गिरफ्तार करने और कुछ समय तक निरंकुश शासन स्थापित करने का दोषी करार दिया। नेशनल असेंबली में विपक्षी उदारवादी सांसदों का बहुमत है। यून के इस फैसले के खिलाफ अपील करने की संभावना है। एक विशेष अभियोजक ने यून के लिए मौत की सजा की मांग करते कहा कि उनके कार्यों ने लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा किया।

डीआरडीओ ने किया ड्रोग पैराशूट का सफल परीक्षण

● गगनयान मिशन में निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने अपने पहले मानव अंतरिक्ष मिशन की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए गगनयान कार्यक्रम के लिए ड्रोग पैराशूट का सफल भार परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि यह परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला, चंडीगढ़ स्थित रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज सुविधा में किया गया।

यह परीक्षण बुधवार को इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, एरियल डिलीवरी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, डीआरडीओ तथा टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला की टीमों के साथ किया गया। रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज का यह गतिशील परीक्षण जिसमें वास्तविक उड़ान के अधिकतम भार से भी अधिक योग्यता स्तर भार का अनुकरण किया गया, पैराशूट के अतिरिक्त डिज़ाइन सुरक्षा मार्जिन को प्रदर्शित करता है। यह परीक्षण उच्च शक्ति रिबन पैराशूट के डिज़ाइन और निर्माण में भारत की विशेषज्ञता को सिद्ध करता है। यह उपलब्धि एक बार फिर टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला के उन्नत परीक्षण सुविधा तथा अंतरिक्ष कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करती है।

किरेन रीजीजू ने किया निगरानी ऐप का शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने प्रधानमंत्री विकास योजना (पीएमजेवीके) के तहत निगरानी ऐप का शुभारंभ किया जो देश भर में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने में योगदान देता है। रीजीजू ने बिहार के राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर में पीएमजेवीके योजना के तहत निगरानी ऐप का शुभारंभ किया, जो भारत भर में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने में योगदान देता है। उन्होंने हज रिस्ट बैंड और एआई चैटबॉट का भी शुभारंभ किया। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय में चिंतन शिविर के आयोजन के लिए मंत्रालय की टीम की सराहना की।

इजराइल व भारत में रक्षा सहयोग को एक और करार

● प्रधानमंत्री मोदी की तेल अवीव की यात्रा से पूर्व हुए हस्ताक्षर

तेल अवीव, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इसी महीने के आखिर में होने वाली इजराइल यात्रा से पहले, भारत और इजराइल ने रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य की संगोष्ठियों तथा सहकारी पहलों सहित चल रही संयुक्त गतिविधियों को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इजराइल के रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय रक्षा सहयोग निदेशालय ने भारत और इजराइल के प्रमुख रक्षा उद्योगों के बीच बैठकों की सुविधा प्रदान की, जिसके परिणामस्वरूप समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। बताया गया कि एसआईबीएटी ने सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स और भारत के रक्षा मंत्रालय के सहयोग से इस सप्ताह अग्रणी भारतीय और इजराइली रक्षा कंपनियों के बीच एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता एसआईबीएटी के निदेशक, ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) यायर कुलास ने किया। इसमें भारत के रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र और इसकी अद्यतन रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2026 - भारत की राष्ट्रीय रक्षा खरीद नीति की जानकारी देने के के लिए इजराइल और भारत की छोटी, मध्यम और बड़ी रक्षा कंपनियों को मंच प्रदान किया गया।

अनी समूह की 7 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले में अनी बुलियन ट्रेडर्स समूह की 7.30 करोड़ रुपये मूल्य की तीन अचल और एक चल संपत्ति कुर्क की। ईडी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि अचल संपत्तियों में अनी समूह की कंपनियों में से एक, यानी अनी बुलियन इंडस्ट्रीज की जमीन और इमारतें शामिल हैं, जो लखनऊ, दिल्ली और उत्तराखंड के उत्तरकाशी में हैं। चल संपत्ति एक फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में है। ईडी ने यूपी पुलिस द्वारा अजीत गुप्ता और कई अन्य व्यक्तियों एवं संस्थाओं के खिलाफ 110 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए दर्ज की गई विभिन्न प्राथमिकियों और शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की थी।

आज का भविष्यफल -पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 20 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 14 .38 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

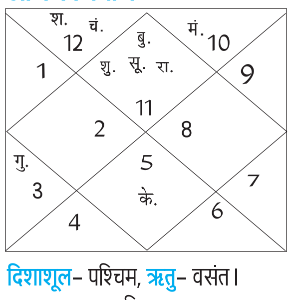

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 20 .07 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज आपको अधिक परिश्रम करने से बचना चाहिए। मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त नहीं होगा। विरोधी के साथ आपको उलझना पड़ सकता है। अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होगी। भाई-बहनों को कोई स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। प्रियजनों से आपको उत्तम सलाह व उचित सहायता मिल सकती है। बच्चे माता-पिता की आशाओं पर खरे उतरेंगे। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं, तो दिन अत्यधिक अनुकूल है।

मिथुन — आज व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भावनाओं का आधिक्य रहेगा। किसी से अधिक अपेक्षा न करें, क्योंकि आप जैसा सोचेंगे वैसा नहीं होगा। केवल अपने काम पर ध्यान दें।

कर्क — आज यात्राओं के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। पुरानी गलतियों का भुगतान करना पड़ सकता है। उत्तेजनात्मक प्रतिक्रिया देने से बचें। धर्म के प्रति मन में शंका हो सकती है। संपत्ति विवाद गहरा सकते हैं।

सिंह — आज स्वास्थ्य समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें। सिरदर्द और बुखार की समस्या हो सकती है। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। असभ्य भाषा बोलने से बचें। आडंबर युक्त व्यवहार के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं।

कन्या — आज व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया काम भी प्रारंभ कर सकते हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी। आप जैसी अपेक्षा कर रहे थे, काम वैसे ही होंगे। अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। शुभ समाचार मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी।

तुला — आज अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें। विद्यार्थी अपने करियर को लेकर तनाव में आ सकते हैं। विवाहोत्सुक जातकों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में विदेशी क्लाइंट्स से आपको लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक — आज आर्थिक कारणों से आपका मन विचलित रहेगा। अपने भाग्य को दोष देने के बजाय मजबूती से चुनौतियों का सामना करें। सफलता शीघ्र ही मिलेगी। आध्यात्मिक विषयों के प्रति आपकी जिज्ञासा आज बढ़ सकती है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहा है, लेकिन यदि कहीं आप इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो इस मामले को शीघ्रता से सुलझा लें। वरना आप काफी अकेलापन महसूस करेंगे।

मकर — आज सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अधीनस्थ कर्मचारी विद्रोही रूख व्यक्त कर सकते हैं। व्यवसाय में आशा से बेहतर परिणाम मिलेंगे। विपरीत लिंग के जातकों के प्रति आकर्षण का भाव बढ़ेगा।

कुंभ — आज सुख-सुविधाओं पर अधिक धन खर्च कर सकते हैं। महिलाओं को थोड़ी स्वास्थ्य समस्या होने की संभावना है। मान-सम्मान में कमी आ सकती है। किसी आवश्यक कार्य के बाधित होने के कारण कुंठाग्रस्त हो सकते हैं।

मीन — आज व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं, किंतु कार्य आरंभ नहीं हो पाएगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर अत्यधिक संवेदनशील रहेंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। कमीशन वाले कार्यों से लाभ हो सकता है।

सुडोकू -67

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		6		8			1	
5			1		6		4	
9					7			2
		8	3					6
		2				9		
4			6		5	7		
			9		2			5
	7							3
	6			1		2		

सुडोकू - 66 का हल

5	6	1	9	8	3	7	2	4
4	2	8	6	5	7	3	1	9
9	7	3	4	1	2	5	6	8
1	9	5	3	2	8	6	4	7
3	4	2	7	9	6	8	5	1
6	8	7	5	4	1	9	3	2
2	1	9	8	3	5	4	7	6
7	3	4	2	6	9	1	8	5
8	5	6	1	7	4	2	9	3

टी-20 विश्व कप ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के प्रदर्शन को सभी ने सराहा है और उम्मीद है कि कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सुपर आठ चरण में वे उसी 'छिपे रूस्तम' वाली कहानी को दोहरा सकेंगे जिसे दुनिया में सभी पसंद करते हैं ।

-सिकंदर रजा, जिम्बाब्वे के कप्तान

स्टेडियम

कानपुर नगर, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
ऑस्ट्रेलिया-ओमान	शाम 7 बजे

हाईलाइट

निराशाजनक प्रदर्शन की गहन समीक्षा करेगा ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी-20 विश्व कप में अपनी टीम के निराशाजनक प्रदर्शन की गहन समीक्षा करेगा। कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत और श्रीलंका में खेले जा रहे टी-20 विश्व कप के सुपर आठ जगह नहीं बना पाई। उसे जिम्बाब्वे और श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा। वह अपना आखिरी मैच शुक्रवार को ओमान के खिलाफ खेलेगा लेकिन इसका अब कोई महत्व नहीं रह गया है। जिम्बाब्वे और श्रीलंका सुपर आठ में पहुंच गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया 2009 के बाद पहली बार ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया है।

वैष्णवी आईटीएफ महिला ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बेंगलुरु। भारत की वैष्णवी अदकर ने बृहस्पतिवार को यहां आठवीं वरीयता प्राप्त माई होनतामा को तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर आईटीएफ वुमैन्स ओपन डब्ल्यू100 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इक्कीस साल की वैष्णवी ने जापान की प्रतिद्वंद्वी को 2-6, 6-4, 7-6(8) से हराया और अब उनका सामना ऑस्ट्रेलिया की चौथी वरीय टेलाह प्रेस्टन से होगा। इससे पहले सहजा यमलापल्ली को ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष वरीय तालिया गिब्सन से 0-6, 0-6 से हार का सामना करना पड़ा।

सिर्फ जीत हासिल करना मायने नहीं रखता : पारस म्हाम्ब्रे

मुंबई। पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने भारत की टी20 विश्व कप में लगातार चार जीत का जिक्र करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह सिर्फ जीत हासिल करने की बात नहीं है बल्कि यह मायने रखता है कि टीम कैसे जीतती है क्योंकि इन मुकाबलों में चार अलग अलग खिलाड़ियों ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार हासिल किए जिससे टीम की गहराई और 'टीमवर्क' का पता चलता है। भारत ने लगातार चार जीत से ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया और सुपर आठ में जगह बनाई।

कप्तान बट पर प्रतिबंध के बाद पीएचएफ प्रमुख का इस्तीफा

कराची। पाकिस्तान हॉकी में चल रहा संकट बृहस्पतिवार को गहरा गया जब आस्ट्रेलिया दौरे की व्यवस्था में कुप्रबंधन के कारण खिलाड़ियों के सड़क पर रहने को लेकर पीएचएफ की आलोचना करने वाले कप्तान अम्माद शकील पर दो साल का प्रतिबंध लगाने के बाद महासंघ के अध्यक्ष तारिक बुगती ने पद से इस्तीफा दे दिया। बुगती ने कहा कि उन्होंने पीएचएफ के मुख्य संरक्षक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को इस्तीफा भेज दिया है। उन्होंने कहा मैने प्रधानमंत्री को इस्तीफा भेज दिया है लेकिन उनसे और फील्ड मार्शल असीम मुनीर से आस्ट्रेलिया में प्रो लीग के दौरान हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह भी किया है।

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को भी हराया

टी-20 विश्व कप : खूब गरजे कप्तान रजा और बेनेट के बल्ले, जीत की लगाई हैट्रिक

कोलंबो, एजेंसी

ब्रायन बेनेट के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा की 45 रन की पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को बृहस्पतिवार को छह विकेट से हराकर अपराजेय रहते हुए ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में टी20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश किया। कठिन पिच पर जीत के लिये 179 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाए।

बेनेट 48 गेंद में 63 और रजा 26 गेंद में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमें ग्रुप बी से सुपर आठ में पहुंच चुकी है और लीग चरण में आस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है। जिम्बाब्वे ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 55 रन बना लिये थे । सलामी बल्लेबाज बेनेट और ताडी मारूमानी (26 गेंद में 34 रन) ने टीम को शानदार शुरुआत दी । दोनों ने पहले विकेट के लिये 8 . 3 ओवर में 69 रन बनाये । मारूमानी को दुनिथ वेलालागे ने रिटर्न कैच लेकर पवेलियन भेजा। रियान बर्ल ने 12 गेंद में 23 रन बनाये लेकिन दासुन शनाका की गेंद पर विकेट गंवा बैठे । इसके बाद रजा और बेनेट ने मोर्चा संभाला । रजा ने दिलशान मदुशंका को 15वें ओवर में लगातार दो छक्के लगाये । इसके अगले ओवर में स्पिनर महीष तीक्षणा को एक छक्का और एक चौका लगाया। रजा को 19वें ओवर में दुशान हेमंता ने आउट किया और दो गेंद बाद ताशिंगा मुसेकिवा भी पवेलियन लौट गए। आखिरी ओवर में जिम्बाब्वे को आठ रन चाहिये थे और टोनी मुनियोंगा ने तीक्षणा को छक्का लगाकर जिम्बाब्वे खेमे में खुशी का संचार कर दिया। इससे पहले धीमी पिच पर बीच के ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी आई और वे सात विकेट पर 178 रन ही बना सके।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही । सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा (22) और पाथुम निसांका (62) ने 4 . 5 ओवर में 54 रन बनाए। बायें हाथ के बल्लेबाज परेरा सहज नहीं दिखे लेकिन तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को उन्होंने दो चौके लगाए। वह हालांकि मुजरबानी के बाउंसर पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट फाइन लेग पर ग्रीम क्रेमर को कैच दे बैठे। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पावरप्ले में एक विकेट पर 61 रन बना लिये थे लेकिन इसके बाद रनगति धीमी पड़ गई।

श्रीलंका पर जीत दर्ज करने के बाद पैवेलियन लौटते जिम्बाब्वे के टोनी मुनयोंगा (बाएं) और ब्रायन बेनेट। एजेंसी

अफगानिस्तान ने कनाडा को 82 रनों से हराया

चेन्नई। अफगानिस्तान ने इब्राहिम जदरान (नाबाद 95 रन) की पारी के बाद मोहम्मद नबी (सात रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बृहस्पतिवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के औपचारिक ग्रुप डी मैच में कनाडा पर 82 रन की जीत से अपना अभियान खत्म किया। कनाडा की टीम टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी जबकि अफगानिस्तान की यह दूसरी जीत रही। राशिद खान की अगुआई वाली टीम स्पष्ट रूप से बेहतर टीम थी जो दक्षिण अफ्रीका को 'डबल सुपर ओवर' तक ले गई, हालांकि उसे हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी दोनों टीमों के बीच मुकाबले में अफगानिस्तान ने जदरान की 56 गेंद की अर्धशतकीय पारी से चार विकेट पर 200 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। फिर उसके गेंदबाजों ने कनाडा को 20 ओवर में आठ विकेट पर 118 रन ही बनाने दिए। अफगानिस्तान ने शानदार बल्लेबाजी के साथ शानदार गेंदबाजी की।

जीत का जश्न मनाते वेस्टइंडीज के खिलाड़ी। एजेंसी

होप और जोसेफ के कमाल से वेस्टइंडीज की आसान जीत

कोलकाता, एजेंसी

- इटली को 42 रनों से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान बरकरार रखा

कप्तान शाई होप के आकर्षक अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के चार विकेट और चार कैच की मदद से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां इटली को 42 रन से हराकर टी20 विश्व कप के ग्रुप सी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए लेकिन उसने होप (46 गेंद पर 75 रन) के अर्धशतक की बदौलत छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया।

इसके जवाब में इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया। वेस्टइंडीज की तरफ से जोसेफ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने चार कैच भी लपके और इस तरह से वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक मैच में चार विकेट और चार कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वेस्टइंडीज ने इस तरह से अपना अजय अभियान जारी रखा और ग्रुप सी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में जगह बनाई जहां उसका सामना भारत, दक्षिण अफ्रीका और जिंबॉब्वे से होगा। इटली ने चार मैच में एक जीत हासिल की। ग्रुप सी से सुपर-8 में दूसरी टीम इंग्लैंड पहुंची है।

अभिषेक शर्मा।

अभिषेक की शून्य की हैट्रिक, भारत की सबसे बड़ी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने टी-20 विश्व कप में अपने चारों ग्रुप मैच जीत लिए हैं, लेकिन सुपर-8 में जाने से पहले ओपनर अभिषेक शर्मा का फॉर्म भारत की सबसे बड़ी चिंता होगी। भारत ने मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप के इतने ही मैचों में चार जीत हासिल की हैं और फिर भी, इस फॉर्मेट में नंबर 1 बैटर के बल्ले से एक भी रन की जरूरत नहीं पड़ी। लगातार तीन डक के बाद, अभिषेक ने यह पक्का कर दिया है कि कॉम्पिटिशन की सबसे खतरनाक बैटिंग लाइन-अप भी अपने सबसे अच्छे रूप में नहीं है। भारत के असिस्टेंट कोच, रयान टेन डेशकाटे ने फिलहाल इस छोटी सी चिंता को नजरअंदाज़ कर दिया है, कम से कम सबके सामने तो जरूर।

बुधवार को नीदरलैंड्स पर भारत की 17 रन की जीत के बाद टेन डेशकाटे ने कहा उसने कल रात नेट्स में बहुत अच्छी बैटिंग की, उसने 90 मिनट बैटिंग की। आपको उसे थोड़ी जगह भी देनी होगी। वह ग्रुप फेज में बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहा था, उसने कुछ दिन हॉस्पिटल में बिताए और (नामीबिया के खिलाफ) गेम मिस कर दिया। यह उसके लिए अब तक बहुत निराशाजनक टूर्नामेंट रहा है। लेकिन मैंने कल रात उसकी बॉल स्ट्राइकिंग में कुछ बहुत अच्छे संकेत देखे। इसलिए उसके बारे में कोई चिंता नहीं है, जब दूसरा फेज आएगा तो वह ठीक हो जाएगा। यह समझा जा सकता है कि अभिषेक का इस कॉम्पिटिशन में एक भी रन न बना पाना चिंता की बात क्यों नहीं है। पहली बात, वह डेढ़ साल के शानदार प्रदर्शन के दम पर टूर्नामेंट में आया है, जिसने उसे दुनिया की रैंकिंग लिस्ट में टॉप पर पहुंचाया है। दूसरी बात, उसके आउट होने का कोई खास पैटर्न नहीं है, जबकि अमेरिका और पाकिस्तान दोनों ने माना है कि उन्होंने बाएं हाथ के इस खिलाड़ी के आउट होने की प्लानिंग में काफी समय बिताया था। उन्होंने संजय कृष्णमूर्ति की गेंद पर डीप कवर में कैच दे डाला, सलमान आगा की गेंद पर मिड ऑन पर पुल करने में चूक गए, और आर्यन दत्त की गेंद पर पुल करने से चूक गए। असल में कोई पैटर्न नहीं है। यह देखते हुए कि बाकी बैट्समैन ने अलग-अलग मौकों पर अच्छा खेला है, अभिषेक की मुश्किलों ने अभी तक टीम को परेशान नहीं किया है, ठीक वैसे ही जैसे ज़्यादातर दिनों में होता है जब अभिषेक रन नहीं बना पाए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ ईशान किशन की धमाकेदार बल्लेबाजी ने यह पक्का कर दिया कि अभिषेक का जल्दी आउट होना चिंता की बात नहीं है। इससे पहले, इसी तरह के दुर्लभ शुरुआती आउट में, संजू सैमसन ने बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरी लगाई थीं, जब अभिषेक क्लिक नहीं कर पाए थे। टी20 में भारत का दबदबा ओपनर्स द्वारा शुरुआती कंट्रोल हासिल करने की वजह से आया है।

पारी के शुरू में 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने से बचें : गावस्कर

अहमदाबाद। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि अभिषेक शर्मा मौजूदा टी-20 विश्व कप में उम्मीदों के दबाव से जूझ रहे हैं और वह चाहते हैं कि यह आक्रामक सलामी बल्लेबाज अपनी पारी की शुरुआत में 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने से बचे। अभिषेक ने टूर्नामेंट में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उनमें वह खाता खोलने में नाकाम रहे हैं। अमेरिका, पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ वह शुरू में ही आउट हो गए थे। गावस्कर ने स्टार स्पोर्टस से कहा अभिषेक शर्मा बहुत ही अच्छे इंसान हैं, लेकिन उन पर उम्मीदों का बोझ साफ दिख रहा है। अगर उन्होंने अमेरिका के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती तो बात कुछ और होती। अब बड़े छक्के लगाने वाला शीर्ष बल्लेबाज होने का दबाव उन पर साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा अपनी बल्लेबाजी क्षमता को देखते हुए उन्हें क्रीज पर समय बिताना होगा। उन्हें अपनी पारी की पहली ही गेंद पर चौका या छक्का लगाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। अगर बड़े शॉट खेलने का मन करे तो ठीक है। लेकिन उन्हें 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। गावस्कर ने कहा कि इस 25 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज को अपनी पारी की शुरुआत में समझदारी से क्रिकेट खेलने की जरूरत है। उन्होंने कहा एक रन लो और अपना खाता खोलो।

शिवम दुबे टी-20 विश्व कप में भारत का खामोश योद्धा

अहमदाबाद, एजेंसी

शिवम दुबे के शानदार खेल को देखकर उनकी जितनी चर्चा होनी चाहिए थी, उतनी नहीं होती, लेकिन यह भारतीय ऑलराउंडर खामोश योद्धा की तरह मौजूदा टी-20 विश्व कप में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एक प्रमुख पावर-हिटर के रूप में अपनी साख बना रहा है। नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ मुश्किल पिचों पर छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलने के बाद दुबे ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ बीच के ओवरों में भारतीय पारी को जरूरी गति प्रदान की। दुबे ने शुरू में परिस्थितियों को परखा और अपनी पहली 11 गेंद पर छह रन बनाने के बाद तेजी दिखाई। उन्होंने 31 गेंद पर 66 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस पारी में छह छक्के शामिल हैं। अपने दूसरे टी-20 विश्व कप में खेल रहे दुबे स्पिनरों के खिलाफ अपनी सटीक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी खुद को उतना ही प्रभावी साबित कर दिया है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनके बेहतर प्रदर्शन का नमूना नीदरलैंड्स के खिलाफ देखने को मिला, जब उन्होंने लोगन वैन बीन की गेंदों की गति में होने वाले बदलावों को अच्छी तरह से समझा और उन्हें तीन छक्के जड़े। शॉर्ट बॉल के खिलाफ दुबे के खेल में कुछ सुधार आया है और इसका श्रेय वह आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल होने के बाद की गई कड़ी मेहनत को देते हैं। उनका दृढ़ विश्वास ऐसा है कि कुछ डॉट गेंदों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वे जानते हैं कि बड़े शॉट आखिरकार लगेंगे ही। उन्होंने कहा यह बात हमेशा मेरे दिमाग में रहती है। यह जरूर है कि विकेट गिरने पर साझेदारी निभाना महत्वपूर्ण होता है इसलिए अगर दो-चार गेंद खाली भी चली जाती हैं तो बहुत फर्क नहीं पड़ता क्योंकि बाद में उसका हिसाब बराबर हो जाता है। दुबे ने अपनी सफलता का श्रेय दबाव वाली परिस्थितियों में खेलने के अधिक मौके मिलने को भी दिया। उन्होंने कहा मुझे उस तरह की परिस्थितियों में खेलने के मौके मिले हैं। इसलिए जब भी आपको खेलने का मौका मिलता है तो आप उससे कुछ न कुछ सीखते हैं। इसलिए मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला है और उस परिस्थिति में मैं थोड़ा समझदार हो गया हूं। इसलिए मैं जानता हूं कि गेंदबाज मुझे किस तरह की गेंद कर सकता है। दुबे का आत्मविश्वास चरम पर है।

> टी-20 में जब आप डॉट बॉल खेलते हैं, तो आप पर दबाव आता है। पर एक खिलाड़ी के रूप में, एक बल्लेबाज के रूप में मैं जानता हूं कि अगर मैं 10 गेंदों में दो रन बनाने के बावजूद यदि मैं अगली पांच गेंद में से दो गेंद पर छक्का लगा देता हूं तो हिसाब बराबर हो जाएगा।
>
> -शिवम दुबे

रणजी ट्रॉफी

24 फरवरी से खिताबी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर से होगी भिडंत

विशाल बढ़त के दम पर कर्नाटक पहुंचा फाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। आठ बार की चैंपियन कर्नाटक ने पहली पारी की विशाल बढ़त के दम पर उत्तराखंड को सेमीफाइनल में पछाड़ते हुए रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली।

मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में 503 रन की बढ़त ने कर्नाटक को फाइनल का टिकट दिला दिया। अब कर्नाटक की टीम 24 फरवरी को अपने घरेलू मैदान हुबली में पहली बार फाइनल में पहुंची जम्मू कश्मीर क्रिकेट टीम से भिड़ेगी।

शहर के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के आखिरी दिन कर्नाटक ने छह विकेट पर 299 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन निचला क्रम ज्यादा योगदान नहीं दे सका और पूरी टीम 74.3 ओवर में 323 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में रविचंद्रन स्मरण ने 127 रन की शानदार पारी खेली, जबकि केएल राहुल 86 रन बनाकर नाबाद रहे। राहुल ने 130 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के जड़े। उत्तराखंड की ओर से मयंक मिश्रा ने 69 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि अभय नेगी ने 63 रन पर दो विकेट झटके। दोहरे शतक के लिए देवदत्त पड़िक्कल को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से दिया गया।

लखनऊ :मैच समाप्ति के बाद एकदूसरे से मिलते कर्नाटक और उत्तराखंड के क्रिकेटर। एजेंसी

- देवदत्त पड़िक्कल को दोहरे शतक के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया

संक्षिप्त स्कोर

कर्नाटक
- पहली पारी : 736 रन
- दूसरी पारी : 323 (74.3 ओवर)

उत्तराखंड
- पहली पारी : 233 रन
- दूसरी पारी : 260/6 (62 ओवर)

उत्तराखंड की संघर्षपूर्ण वापसी

उत्तराखंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने पांच रन पर पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। अवनीश सुधा ने 71 गेंदों पर 66 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर एक छोर संभाले रखा। एक समय टीम का स्कोर छह विकेट पर 156 रन था, लेकिन इसके बाद सौरभ रावत (54) और अभय नेगी (57) ने सातवें विकेट के लिए 104 रन की अविजित साझेदारी कर मैच को रोमांचक बना दिया। कर्नाटक के श्रेयस गोपाल ने तीन और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए। आखिरकार दोनों टीमों के कप्तानों की सहमति से निर्धारित समय से 15 ओवर पहले मैच को ड्रॉ घोषित कर दिया गया।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मैच में भारत को हराकर श्रृंखला 1-1 से बराबर की

कैनबरा, एजेंसी

जॉर्जिया वोल (88) और बेथ मूनी (46) के बीच पहले विकेट के लिए 128 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने बृहस्पतिवार को यहां दूसरे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में भारत को 19 रन से हराकर तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

वोल और मूनी की पहले विकेट की साझेदारी भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी भागीदारी रही जिससे मेजबान टीम ने पांच विकेट पर 163 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शानदार शुरुआत की लेकिन इसके बावजूद 20 ओवर में नौ विकेट पर 144 रन ही बना सकी जिसमें हरमनप्रीत कौर ने 36, स्मृति मंधाना ने 31 और शेफाली वर्मा ने 29 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर ने 22 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिनू को दो-दो विकेट मिले। श्रृंखला का निर्णायक मुकाबला शनिवार को एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। भारत का स्कोर नौवें ओवर में एक विकेट पर 65 रन था लेकिन मेहमान टीम ने आखिर में सात रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। शेफाली (23) की तेज शुरुआत के बाद मंधाना भी खुलकर खेल रही थीं। दोनों भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने पावरप्ले में 54 रन बना लिए थे। लेकिन मोलिनू ने शेफाली को पगबाधा आउट करके भागीदारी का अंत किया और गार्डनर ने जेमिमा रोड्रिग्स (04) का अहम विकेट लिया।

स्मृति मंधाना को आउट करने के बाद जश्न मनातीं सोफी मोलिनू। एजेंसी